राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

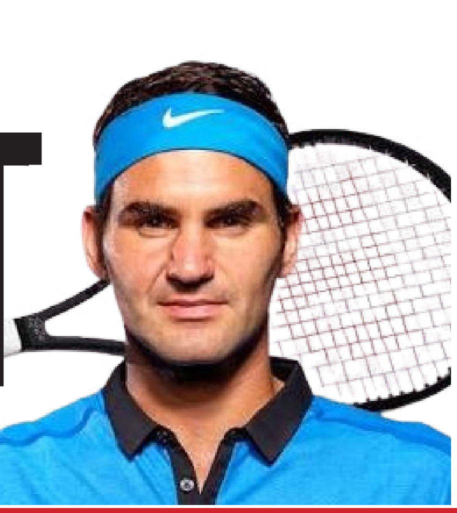

03 सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली लक्ष्मी योजना....

कोलंबो टेस्ट मे छा गए सोनल दिनूषा, जडा.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 124 | नई दिल्ली, गुरूवार, 27 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 43.0°C

न्यूनतम तापमान 32.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	55%
नहीं	35%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,61,400

चांदी 2,60,000

सेंसेक्स 77,472.94

निफ्टी 24,207.75

ज्ञानी और सज्जन व्यक्ति परस्पर सम्मान, सेवा और सद्भाव का व्यवहार करते हैं: प्रधानमंत्री मोदी

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक संस्कृत सुभाषित साझा करते हुए परस्पर सम्मान, सेवा, सद्भाव और निस्वार्थ भाव के महत्व को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में श्लोक, ज्ञानवृद्धाः प्रशंसन्ति शुश्रूषन्तः परस्परम्। विनिवृत्ताभिसन्धानाः सुखमेधन्ति सर्वशः॥ साझा किया। इसका भावार्थ है कि ज्ञानी और सज्जन व्यक्ति एक-दूसरे का सम्मान करते हैं, सेवा करते हैं और परस्पर प्रशंसा के माध्यम से जीवन को सुखमय बनाते हैं। वे व्यक्तिगत स्वार्थ और लाभ की भावना से ऊपर उठकर सद्भावपूर्वक व्यवहार करते हैं तथा इसी कारण जीवन में सुख और उन्नति प्राप्त करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी पिछले कुछ दिनों से नियमित रूप से संस्कृत के सुभाषित और उनके सरल हिंदी अर्थ साझा कर रहे हैं। इन संदेशों के माध्यम से वह भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित जीवन-मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक सद्भाव की ओर ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। बुधवार को साझा किए गए सुभाषित में विशेष रूप

से आपसी सहयोग, सम्मान और सेवा की भावना को महत्वपूर्ण बताया गया है। इससे एक दिन पहले मंगलवार को प्रधानमंत्री की ओर से एक अन्य संस्कृत श्लोक साझा किया गया था। उन्होंने लिखा था, उत्तमैः सह साङ्गत्यं पण्डितैः सह सत्कथाम्। अलुब्धैः सह मित्रत्वं कुवाणो नावसीदति॥ इस श्लोक का अर्थ है कि जो व्यक्ति श्रेष्ठ लोगों की संगति करता है, विद्वानों के साथ अच्छे और सार्थक संवाद में भाग लेता है तथा लोभ से मुक्त लोगों के साथ मित्रता रखता है, वह जीवन में कभी निराश या दुखी नहीं होता। संदेश में अच्छी संगति और सकारात्मक संबंधों को व्यक्ति के जीवन की सफलता और प्रसन्नता से जोड़ा गया है। सोमवार को भी प्रधानमंत्री ने एक संस्कृत सुभाषित साझा करते हुए करुणा, संतोष, पुरुषार्थ और दृढ़ निश्चय के महत्व पर प्रकाश डाला था। उन्होंने लिखा था कि करुणा से आत्म-सम्मान और संतोष से सच्ची खुशी प्राप्त होती है। प्रधानमंत्री द्वारा साझा किए गए श्लोक में कहा गया है, कारुण्येनात्मनो मानं तृष्णां च परितोषतः। उत्थानेन जयेत्तन्द्रीं वितर्कं निश्चयाज्जयेत्॥ इसका भावार्थ है कि दूसरों के प्रति करुणा का भाव रखने से आत्म-सम्मान प्राप्त होता है और संतोष के माध्यम से मनुष्य अपनी अनावश्यक इच्छाओं तथा तृष्णा पर विजय पा सकता है। इसी प्रकार पुरुषार्थ और निरंतर प्रयास से आलस्य को पराजित किया जा सकता है, जबकि दृढ़ निश्चय के माध्यम से आधारहीन आशंकाओं और अनावश्यक विचारों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। प्रधानमंत्री के लगातार साझा किए जा रहे इन सुभाषितों में व्यक्तिगत जीवन के साथ-साथ सामाजिक व्यवहार के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश निहित हैं।

मेरी बहनें जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ें क्योंकि मैं हूं ना, दिल्ली लक्ष्मी योजना के शुभारंभ पर बोलीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली लक्ष्मी योजना का शुभारंभ किया। उन्होंने हजारों महिलाओं को स्वीकृति पत्र वितरित किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम रेखा ने कहा, मैं यही चाहती हूं कि मेरी सारी बहनें खुश रहनी चाहिए, उनके चेहरे पर ये मुस्कुराहट बनी रहनी चाहिए। मेरी बहनें जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ें क्योंकि मैं हूं ना। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आगे कहा, दिल्ली लक्ष्मी योजना आज दिल्ली भर में मेरी सभी बहनों के घर-घर तक पहुंची है, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आप सभी का मैं तहे दिल से शुक्रिया अदा करती हूं और आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देती हूं। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा इस बात पर जोर देते हैं कि अगर हम देश को आगे ले जाना चाहते हैं, तो हमें अपनी महिलाओं और बहनों को सशक्त बनाना होगा। जब तक घर की महिला तरक्की नहीं करती, खुशहाल नहीं होती और उसकी चुनौतियां हल नहीं होतीं, तब तक देश की समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता। पत्रकारों से बातचीत करते हुए सीएम रेखा ने कहा, पहले दिन ही हमारी ओर से कह दिया गया था कि दिल्ली की बहनों को 2,500 रुपए देना हमारा संकल्प है, तो आज ह्यदिल्ली लक्ष्मी योजनाह्ल वास्तविक रूप से जनता तक पहुंचाने वाले इस दिन पर मैं दिल्ली की बहनों को खुश देखकर बहुत खुश हूं। सीएम ने आगे कहा, 1 अगस्त को हमने इस योजना को शुरू किया और सिर्फ 1 महीने के अंदर 9.5 लाख के करीब बहनों ने इसके अंतर्गत रजिस्ट्रेशन किया और आज इस कार्यक्रम के माध्यम से 2,500 की योजना की पहली ढाई हजार लाभार्थियों को हमने अप्रूवल लेटर भेज दिया है और 1 सितंबर को उनके खातों में अगस्त महीने का पैसा पहुंच जाएगा। ऐसा नहीं है कि किसी तय तारीख को इस योजना का रजिस्ट्रेशन बंद हो जाएगा। यह लगातार चलने वाली योजना है। दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, यह एक ऐतिहासिक दिन है। प्रधानमंत्री का वादा और मुख्यमंत्री का हमारी बहनों के लिए लिया गया संकल्प राखी के शुभ अवसर पर पूरा हो रहा है। दिल्ली के लोगों और देश भर की महिलाओं ने देखा है कि जब कोई सरकार सच्ची निष्ठा से काम करती है, तो वादे एक साल के भीतर पूरे हो जाते हैं। कपिल मिश्रा ने आगे कहा, इसके विपरीत, अरविंद केजरीवाल ने 10 साल तक दिल्ली पर शासन किया, जहां झुग्गी-बस्तियों में बार-बार फॉर्म भरवाए गए और झूठे वादे किए गए, जिसके बाद आप कार्यकताओं ने महिलाओं का निजी डेटा तक बेच दिया। 10 वर्षों तक दिल्ली में किसी भी महिला के खाते में एक रुपया भी नहीं पहुंचा। अगर ईमानदार होते तो पंजाब में भी ये वादा पूरा किया जा सकता था।

मोका की डोप टेस्ट सिस्टम और सीएआर में जरूरी बदलावों पर राममोहन नायडू ने की अहम बैठक

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। पायलटों और क्रू मेंबर्स के शरीर में साइकोएक्टिव ड्रग्स (गांजा/मैरिजुआना, एम्फैटेमिन, कोकीन, ओपिएट्स आदि) की मौजूदगी का पता लगाने वाले मोका डोप टेस्ट सिस्टम और सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट्स (सीएआर) में जरूरी बदलावों पर हाई-लेवल मीटिंग की गई। एयरलाइंस के साथ बातचीत की जानकारी सिविल एविएशन मिनिस्ट्री को दी जा रही है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू की ओर से नए डोप टेस्ट सिस्टम पर विचार करने के लिए एविएशन के बड़े अधिकारियों और स्टेकहोल्डर्स के साथ एक हाई-लेवल मीटिंग की अध्यक्षता की गई। इस मीटिंग में डीजी, डीजीसीए, मोका सेक्रेटरी और एयरलाइन ऑपरेटर्स के प्रतिनिधि शामिल थे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, स्टेकहोल्डर्स यानी एयरलाइन ऑपरेटर्स के साथ बातचीत की जा रही है। इस बैठक में सभी पायलट्स का साल में एक बार 100 प्रतिशत डोप टेस्ट करने के

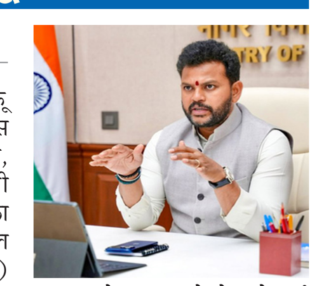

प्रस्ताव को लागू करने से जुड़े कई पहलुओं पर विचार किया जा रहा है। यह एक अहम चरण है क्योंकि जब सीएआर को फिर से ड्राफ्ट किया जाएगा, तो इन सुझावों को उसमें शामिल किया जा सकता है। बता दें कि डीजीसीए के पास सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट्स (सीएआर) को फिर से ड्राफ्ट करने का अधिकार है, जिसमें पायलट्स के लिए डोप टेस्ट या साइकोएक्टिव सब्सटेंस टेस्टिंग का फ्रेमवर्क शामिल है। बीते दिन केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू ने कहा था, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) सभी पक्षकारों से हर पायलट का साल में एक बार डोप टेस्ट कराने पर विचार कर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली-एनसीआर समेत 23 राज्यों में मौसम में बदलाव, बारिश से एक्यूआई में सुधार

नईदिल्ली। मानसून ट्रफ के अचानक लोकेशन बदलने के कारण दिल्ली समेत देश के 23 राज्यों में मौसम ने करवट बदल ली है। पिछले 24 घंटों से जारी इस बदलाव के चलते राजधानी दिल्ली समेत कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश देखने को मिल रही है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए भी यलो अलर्ट जारी किया है, जबकि बारिश के चलते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में भी जबरदस्त सुधार हुआ है, जिससे दिल्लीवासियों को प्रदूषण से राहत मिली है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में 26 अगस्त को अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम का पूर्वानुमान सामान्य रूप से बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश या फुहार का है। आने वाले दिनों की बात करें तो 27 अगस्त को तापमान 35 डिग्री से 26 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है, इस दिन भी हल्की बारिश या फुहार की संभावना बनी रहेगी। 28 अगस्त को मौसम साफ रहेगा और आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, तापमान 36 डिग्री से 26 डिग्री के बीच रहेगा। इसके बाद 29 अगस्त को भी आंशिक बादल छाए रहेंगे, जबकि 30 और 31 अगस्त को फिर से हल्की बारिश या फुहार हो सकती है। 30 और 31 अगस्त को अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। लगातार हो रही बारिश के कारण दिल्ली की हवा साफ हो गई है। विभिन्न मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई के आंकड़े बेहद संतोषजनक रहे। दिल्ली के अशोक विहार में एक्यूआई 106 दर्ज किया गया। आया नगर में 67, बवाना में 107, बुराड़ी क्रॉसिंग में 78, कैंटोनमेंट एरिया में मात्र 20 दर्ज हुआ, जो बेहद साफ हवा को दशार्ता है। चांदनी चौक में 113 रहा, जो कि मध्यम श्रेणी में आता है।

22 हजार फीट से छलांग, माइनस 15 डिग्री तापमान पर किया पैराशूट सिस्टम का सफल परीक्षण

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाकों में सैनिकों की पैराशूट क्षमता बड़ी सफलता हासिल की है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ की आगरा स्थित एडीआरडीई द्वारा डिजाइन और विकसित मिलिट्री कॉम्बैट पैराशूट सिस्टम (एमसीपीएस) का दुनिया के सबसे ऊंचे ड्रॉप जोन में शामिल न्योमा के मुध ड्रॉप जोन में सफल परीक्षण किया गया। इस परीक्षण के दौरान एडीआरडीई के प्रशिक्षित परीक्षण जम्परों ने करीब 22,000 फीट की ऊंचाई से छलांग लगाई। यही नहीं इस ऊंचाई पर तापमान करीब माइनस 15 डिग्री सेल्सियस था। इतनी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद पैराशूट प्रणाली और उससे जुड़े सभी स्वदेशी उप-तंत्रों का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया गया। परीक्षण के दौरान एडीआरडीई के मुख्य परीक्षण जम्पर विंग कमांडर राहुल झा, एमडब्ल्यूओ आर. जे. सिंह, वीएम (जी) और एमडब्ल्यूओ विवेक तिवारी ने 22,000 फीट की ऊंचाई से यह छलांग लगाई। डीआरडीओ के

अनुसार जंप के दौरान एमसीपीएस को 20,000 फीट की ऊंचाई पर सफलतापूर्वक खोला गया। इसके बाद परीक्षण जम्परों ने नियंत्रित तरीके से नीचे उतरते हुए 13,700 फीट की ऊंचाई पर सुरक्षित लैंडिंग की। इस परीक्षण की खास बात यह रही कि यहां केवल पैराशूट ही नहीं, बल्कि इससे जुड़े अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों का भी इस्तेमाल किया गया। इनमें स्वदेशी पैरा कंप्यूटर, ऑक्सीजन प्रणाली और विशेष जंपसूट भी शामिल थे। यह पूरा सिस्टम अत्यधिक ऊंचाई पर भी भरोसेमंद साबित हुआ है। परीक्षण ने यह साबित किया कि एमसीपीएस बेहद कम तापमान और अत्यधिक ऊंचाई जैसी कठिन परिस्थितियों में भी प्रभावी ढंग से काम कर सकता है।

उत्तराखंड, असम और गुजरात में यूसीसी लागू होने पर ओवैसी ने साधा निशाना

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी की ओर से उत्तराखंड, असम और गुजरात में यूसीसी लागू किए जाने को लेकर सरकार पर जमकर निशाना साधा गया। उन्होंने हिजाब को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर भी अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है। मंगलवार को दारुस्सलाम में एआईएमआईएम हेडक्वार्टर में जलसा-ए-रहमतुल-लिल-आलमीन की एक बड़ी सभा को संबोधित करते हुए ओवैसी यूसीसी कानून को मुसलमानों पर थोपे जाने की बात कही। उन्होंने कहा, उत्तराखंड, असम और गुजरात में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू किया गया है। अगर लागू किए जा रहे कानून असल में हिंदू मैरिज एक्ट, हिंदू डिवोर्स एक्ट और हिंदू सक्सेशन एक्ट के प्रावधानों पर आधारित हैं, तो उन्हें वास्तव में यूनिफॉर्म सिविल कोड कैसे कहा जा सकता है? जब ये कानून हिंदू पर्सनल लॉ पर आधारित हैं, तो मुसलमानों पर इन्हें क्यों थोपा जाना चाहिए? ओवैसी ने कहा कि मुसलमानों को उनकी धार्मिक मान्यताओं से अलग करने की कोशिशें

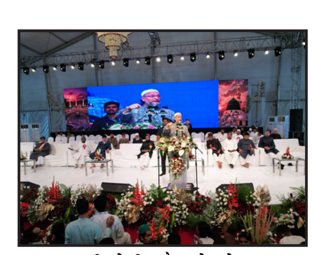

सफल नहीं होंगी और जो लोग इस्लाम को मानते हैं, वे कुरान और सुन्नत का पालन करते रहेंगे। उन्होंने कहा, याद रखें, हमें हमारे विश्वास से दूर करने की कोशिशें, नाकाम होंगी। जो लोग इस्लाम में विश्वास रखते हैं, वे कुरान और सुन्नत की शिक्षाओं का पालन करते रहेंगे। हम अपने दीन (धर्म) को नहीं छोड़ेंगे। ओवैसी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले की कड़ी आलोचना की है, जिसमें प्रयागराज के एक स्कूल के नाबालिग छात्रा की याचिका खारिज कर दी गई थी। छात्रा ने तय स्कूल यूनिफॉर्म के साथ हिजाब पहनने की इजाजत मांगी थी। उन्होंने कोर्ट के फैसले को इस्लाम पर हमला बताया और सवाल उठाया कि क्या हाईकोर्ट को ऐसा आदेश देना चाहिए था। उन्होंने कहा कि सबरीमाला मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, जहां जरूरी धार्मिक प्रथाओं के मुद्दे पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, मैं इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले से सहमत नहीं हूं, आज का फैसला भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 और 19 का उल्लंघन करता है। आप कौन होते हैं यह तय करने वाले कि इस्लाम के लिए क्या जरूरी है? लड़कियां हिजाब अपने सिर पर पहनती हैं, दिमाग पर नहीं। यह इस्लाम पर हमला है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को कहा था कि याचिकाकर्ता कोई भी धार्मिक ग्रंथ या ऐसी सामग्री पेश करने में नाकाम रही जिससे यह साबित हो सके कि स्कार्फ पहनना उसके धर्म का जरूरी हिस्सा है, जिसके बिना उसकी आस्था पर बुरा असर पड़ेगा। कोर्ट ने यह भी बताया कि मामले में पेश की गई तस्वीरों में उसी धार्मिक समुदाय की दूसरी छात्राएं बिना स्कार्फ पहने स्कूल जाती हुई दिख रही थीं। एआईएमआईएम प्रमुख ने भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया और कहा कि मुसलमान अपने विश्वास के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए देश की रक्षा करना और भारत के विकास में योगदान देना जारी रखेंगे।

एक राष्ट्र, एक चुनाव समय की जरूरत है : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि एक राष्ट्र, एक चुनाव असंवैधानिक है और कांग्रेस का जमीर इसे लागू करने की इजाजत नहीं देता है। केंद्रीय मंत्री ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आखिर आप किस जमीर की बात कर रहे हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव 1952 , 1957, 1962 में हुए। इसके बाद कांग्रेस ने असंवैधानिक तरीके से सरकारों को गिराने की कोशिश की। इसके बाद यह व्यवस्था बिगड़ी। 1983 में विधि आयोग ने कहा था कि एक साथ लोकसभा और विधानसभा का चुनाव एक साथ होना जरूरी है। चुनाव आयोग खुद इस बात को कह रहा है। 1918 में फिर से विधि आयोग ने यह बात कही। आखिर यह सब कुछ असंवैधानिक कहां से हो गया? पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इस संबंध में देश भर के चिंतकों से चर्चा की। इसके बाद वह रिपोर्ट तैयार हुई , जिसमें एक राष्ट्र एक चुनाव की रिपोर्ट को प्रतिपादित किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले लोकसभा और विधानसभा के चुनाव हो। इसके बाद 100 दिन के अंदर बाकी के चुनाव भी संपन्न हो जाने चाहिए। इस तरह की पूरी रूपरेखा निर्धारित करके उसे धरातल पर उतारा जाना चाहिए। लगातार चुनाव होने से ना महज सरकार का खर्चा बढ़ाता है, बल्कि विकास से संबंधित कार्य भी शिथिल होते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में कोई काम हो या ना हो। लेकिन, एक काम जरूर होता है और वह है अगले काम की तैयारी। विकास के काम आचार संहिता लागू होने की वजह से रुक जाते हैं। लोकलुभावन घोषणाएं विकास को बाधित करने का काम करती हैं। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद और विधायक अपना सारा समय विकास के कार्य में झोंक देते हैं। सभी प्रशासनिक अधिकारी सारे काम छोड़कर चुनाव के काम में ही लगे रहते हैं। इससे विकास कार्य ठप हो जाता है। उनके मुताबिक, आज की तारीख में यह समय की जरूरत है कि एक साथ लोकसभा और विधानसभा के चुनाव होने चाहिए।

टोयोटा त्सुशो कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष और सीईओ तोशिमित्सु इमाई के....

जापान दौरे पर पीयूष गोयल ने दिग्गज निवेशकों से भारत में निवेश बढ़ाने पर चर्चा की

प्रात: किरण, एजेंसी

टोक्यो। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि उन्होंने जापान के शीर्ष कारोबारी और वित्तीय लीडर्स के साथ हुई चचाओं के दौरान व्यापार, मोबिलिटी, औद्योगिक, बैंकिंग और बीमा क्षेत्रों में भारत में निवेश बढ़ाने और मौजूद कारोबारी अवसरों के बारे में बताया। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि जापान यात्रा के तीसरे दिन गोयल ने टोयोटा त्सुशो कॉर्पोरेशन, सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन (एसएमबीसी) ग्रुप, मित्सुबिशी यूएफजे फाइनेंशियल ग्रुप (एमयूएफजी) और निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। टोयोटा त्सुशो कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष और सीईओ तोशिमित्सु इमाई के साथ बैठक में गोयल ने भारत में व्यापार, मोबिलिटी और औद्योगिक क्षेत्रों में कंपनी की भागीदारी बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चर्चा में भारत की लागत प्रतिस्पर्धात्मकता का लाभ

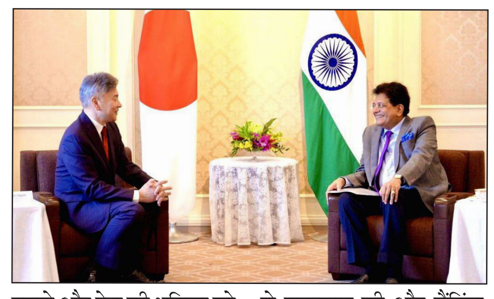

उठाने और देश की भूमिका को वैश्विक निर्यात केंद्र के रूप में मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री एसएमबीसी ग्रुप के डिप्टी प्रेसिडेंट एग्जीक्यूटिव ऑफिसर योशिहिरो हयाकुतोमे से मुलाकात की और बैंकिंग क्षेत्र में अधिक निवेश एवं सहयोग सहित भारत-जापान वित्तीय संबंधों को और मजबूत करने के अवसरों पर चर्चा की। गोयल ने एमयूएफजी के डिप्टी चेयरमैन यासुशी इतागाकी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैंकिंग, वाणिज्यिक वित्त और निवेश के क्षेत्रों में भारत-जापान सहयोग को मजबूत करने पर भी चर्चा की। मंत्री ने एक्स पर कहा, भारत का गतिशील वित्तीय क्षेत्र जापान के प्रमुख वित्तीय संस्थानों के साथ गहरी साझेदारी के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस के मैनेजिंग एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और ग्लोबल बिजनेस प्रमुख मिनोरू किमुरा के साथ बैठक में गोयल ने बीमा और वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में भारत-जापान सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की। गोयल ने कहा कि भारत के तेजी से विस्तार कर रहे बीमा बाजार में अधिक सहयोग की महत्वपूर्ण संभावनाएं मौजूद हैं। जापानी कंपनियों के साथ ये चचाएं ऐसे समय में हुई हैं जब भारत जापान के साथ आर्थिक और निवेश संबंधों को और मजबूत करने और भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों में जापानी कंपनियों और वित्तीय संस्थानों की अधिक भागीदारी आकर्षित करने का प्रयास कर रहा है।

सफाई कर्मचारियों की समस्याओं का स्थाई समाधान होगा: मेघवाल

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून एवं न्यायमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि सफाई कर्मचारियों की समस्याओं का स्थाई समाधान कराया जाएगा। इसके लिए जरूरत पड़ी तो कानून में आवश्यक संशोधन होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग (रासकआ) इस संबंध में जल्द मसौदा प्रस्तुत करे। मेघवाल ने कहा कि सफाई कर्मचारियों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समक्ष भी पैरवी करेंगे। उन्होंने यह घोषणा बीते दिवस राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के स्थापना दिवस के 32 वर्ष पूर्ण होने की खुशी में राष्ट्रीय राजधानी में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में मनाए गए समारोह में की। समारोह

का नेतृत्व आयोग के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल ने कया। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से सफाई कर्मचारियों, कर्मचारी संगठनों के नेताओं और वाल्मीकि समाज से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस मौके पर गिल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का बधाई संदेश भी पढ़ा। समारोह में मुख्य अतिथि अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि वाल्मीकि समाज के अदृश्य नायकों की याद में केंद्र सरकार जल्द ही एक स्मारक का निर्माण कराएगी। इस स्मारक में सामाजिक, धार्मिक तथा स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाले वीरों की तस्वीरें लगाई जाएंगी। मेघवाल ने कहा कि स्थापना दिवस केवल किसी संस्थान की यात्रा का जश्न नहीं है, बल्कि यह उन लाखों सफाई कर्मचारियों के योगदान का सम्मान करने का भी अवसर है जो हर दिन देश के शहरों, गांवों, संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों को साफ और सुरक्षित रखते हैं। मेघवाल ने कहा कि जैसे-जैसे भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, इसकी सफाई व्यवस्था भी उसी तरह आधुनिक, वैज्ञानिक, तकनीक-संचालित और पूरी तरह मानव सम्मान के अनुरूप होनी चाहिए और किसी भी मानव जीवन को उस काम के लिए खतरे में नहीं डाला जाना चाहिए जिसे मशीन सुरक्षित रूप से कर सकती है।

राइफलमैन से 'कीवी मैन' बने मान सिंह, 4 पौधों से शुरू किया सफर, आज कमाई के साथ दे रहे रोजगार

टिहरी गढ़वाल, एजेंसी। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में खेती को रोजगार बनाना चुनौतियों से भरा है. पानी की कमी, जंगली जानवरों का खतरा, सुविधाओं का अभाव, ज्यादा मेहनत-कम लाभ, बाजारों का उपलब्ध न होना, जैसे कई कारणों से लोग खेती से दूर हो रहे हैं. लेकिन टिहरी गढ़वाल के नरेंद्रनगर क्षेत्र के गजा गौसारी गांव निवासी रिटायर्ड राइफलमैन मान सिंह चौहान ने महज चार कीवी के पौधों से जिले में कीवी उत्पादन के जरिए पलायन रोकने और वापस लौटने का एक नया रास्ता दिखाया है. मान सिंह का छोटा का प्रयास आज एक बड़े कीवी उद्यम में बदल चुका है, जिससे उनकी 50 हजार से ज्यादा की कमाई हो रही है.

सेना की नौकरी के बाद खेती की ओर बढ़ाया कदमः मान सिंह चौहान ने सेना में रहते हुए देश की सेवा की और 2005 में रिटायर्ड हुए. भारतीय सेना में राइफल संभालने वाले मान सिंह चौहान ने सेवानिवृत्ति के बाद पहाड़ में रहकर कुछ अलग करने का फैसला लिया. उन्होंने 2014 में पारंपरिक खेती के बजाय ऐसी फसल को चुना, जिससे कम जमीन में बेहतर आमदनी हासिल की जा सके. इसी सोच के साथ उन्होंने कीवी की खेती की ओर कदम बढ़ाया. शुरुआत में उन्होंने अपने खेत में सिर्फ चार कीवी के पौधे लगाए.

चार पौधों से शुरू हुआ कीवी का सफरः मान सिंह चौहान बताते हैं कि, कीवी के चार पौधों से उन्होंने शुरुआत की थी. शुरुआती दौर में पौधों की देखभाल, उत्पादन और बाजार को लेकर कई चुनौतियां सामने आईं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी. उन्होंने कीवी की खेती के तौर-तरीकों को समझा. पौधों की लगातार देखभाल की और अनुभव के साथ अपने बागान का विस्तार करते चले गए. धीरे-धीरे कीवी के पौधों की संख्या बढ़ी और उत्पादन भी बढ़ता गया.

मेहनत ने बदली खेती की तस्वीरः मान सिंह बताते हैं कि, पहाड़ों में खेती करना आसान नहीं है. मौसम, सिंचाई, बंदर और अन्य जंगली जानवरों से फसल को बचाना किसानों के लिए बड़ी चुनौती रहती है. इसके बावजूद कीवी उत्पादन को आगे बढ़ाया. इसका नतीजा है कि आज कीवी की खेती अच्छी आमदनी दे रही है. उन्होंने बताया कि, हालांकि आमदनी उत्पादन पर निर्भर करती है. लेकिन पिछले सीजन (अक्टूबर से दिसंबर) उन्हें लगभग 50 हजार रुपए की आय हुई. साथ ही वह 2 से 3 लोगों को रोजगार भी दे रहे हैं. सफलता का राजः मान सिंह चौहान बताते हैं कि खेती में सफलता के लिए सिर्फ जमीन होना पर्याप्त नहीं है. किसान को नई तकनीक सीखने, फसल की सही देखभाल करने और बाजार की मांग को समझने की जरूरत होती है. उनका मानना है कि पहाड़ों में अगर किसान पारंपरिक खेती के साथ-साथ फल उत्पादन और आधुनिक कृषि को अपनाए तो गांव में रहकर भी अच्छी आमदनी की जा सकती है. पहाड़ की खेती में छिपी संभावनाओं का उदाहरणः मान सिंह चौहान की सफलता यह भी बताती है कि उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में फल उत्पादन की काफी संभावनाएं हैं. यहां की जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप अगर किसानों को सही प्रशिक्षण, तकनीक और बाजार उपलब्ध हो तो कृषि को मजबूत स्वरोजगार में बदला जा सकता है. कीवी जैसे उच्च मूल्य वाले फल किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

एसआईआर में गलत आपत्तियां लगाकर परेशान करने का आरोप

पिथौरागढ़, एजेंसी। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव ऋषेंद्र महर के नेतृत्व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एसडीएम जितेंद्र वर्मा को ज्ञापन दिया। उन्होंने अल्पसंख्यकों को एसआईआर के लिए गलत आपत्तियां लगाकर परेशान करने का आरोप लगाया। महर ने कहा कि कुछ लोग राजनीतिक द्वेष से ऐसा कर रहे हैं जो गलत है। कई लोगों को बगैर सूचना दिए उनके नाम पर आपत्तियां लगाई गई हैं जो कानून का उल्लंघन है। ऐसे में लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए। यदि बेवजह किसी मतदाता का नाम काटा गया तो कांग्रेस आंदोलन करेगी। एसडीएम ने कहा कि बगैर प्रमाण के किसी भी मतदाता का नाम नहीं काटा जाएगा। सुनवाई में अपनी जानकारी देने के बाद मतदाता नाम जुड़वा सकते हैं। इस मौके पर विपिन जोशी, पार्षद करन सिंह, महेंद्र कुमार, एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष निखिल ऐरी आदि मौजूद रहे।

ढाबे पर चार नकाबपोश बदमाशों ने झोंका फायर, बाल-बाल बचा ढाबा संचालक का बेटा, घटना सीसीटीवी में कैद

देहरादून, एजेंसी। पिरान कलियर में एक ढाबे पर चार नकाबपोश बदमाशों ने फायर झोंक दिया। इस घटना में ढाबा संचालक का बेटा बाल-बाल बचा।

कोतवाली क्षेत्र में भगवानपुर बाईपास मार्ग पर बेड़पुर चौक के पास रविवार देर रात एक ढाबे पर चार नकाबपोश बदमाशों ने फायरिंग कर दी। हमले में ढाबे पर मौजूद संचालक का बेटा बाल-बाल बच गया। गोली के छर्रे ढाबे की दीवार में जा घुसे। घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बेड़पुर निवासी इदरीस का भगवानपुर बाईपास मार्ग पर ढाबा है। रविवार रात इदरीस ढाबे के एक कमरे में सो रहा था, जबकि उसका बेटा सोएब ढाबे पर मौजूद था। रात करीब दो बजे दो बाइकों से चार नकाबपोश बदमाश ढाबे के पास पहुंचे। बदमाशों ने बाइक कुछ दूरी पर खड़ी की और ढाबे पर पहुंचकर सोएब को निशाना बनाते हुए फायर झोंक दिया। अचानक हुई फायरिंग से सोएब और वहां मौजूद अन्य लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सभी ने इधर-उधर भागकर अपनी जान बचाई। गोली के छर्रे ढाबे की दीवार में जा लगे। वारदात के बाद चारों हमलावर मौके से फरार हो गए।पीड़ित सोएब ने पुलिस को बताया कि चारों हमलावर नकाबपोश थे और दो बाइकों से आए थे। उन्होंने ढाबे से कुछ दूरी पर बाइक खड़ी की थी। ष्इसके बाद ढाबे पर पहुंचकर उस पर फायरिंग की और फरार हो गए। घटना की पूरी वारदात ढाबे पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई। कोतवाली पुलिस ने बताया कि घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है।

तीन लाख की आबादी के लिए एक भी स्थायी रेडियोलॉजिस्ट नहीं

पिथौरागढ़, एजेंसी। सीमांत जिले में तीन लाख की महिला आबादी का स्वास्थ्य रामभरोसे है। यहां तक कि स्त्री रोग विशेषज्ञ की कमी से महिलाओं को स्थानीय स्तर पर इलाज और जांच की सुविधा नहीं मिल रही है। वहीं गर्भवतियों के लिए समय पर अल्ट्रासाउंड कराना चुनौती है। जिले में एक भी स्थायी रेडियोलॉजिस्ट नहीं है। सिर्फ महिला अस्पताल में छह माह का रेडियोलॉजी का प्रशिक्षण देकर तैनात रेडियोलॉजिस्ट जिले भर की महिलाओं और गर्भवतियों का अल्ट्रासाउंड कर रहे हैं। इसके लिए महिलाओं और गर्भवतियों को जिला या महिला अस्पताल पहुंचना मजबूरी है। धारचूला, मुनस्यारी, डीडीहाट और गंगोलीहाट सीएचसी में रेडियोलॉजिस्ट के अभाव में अल्ट्रासाउंड मशीनें जंक खा रही हैं और महिलाएं जांच के लिए 40 से 130 किलोमीटर दूर जिला मुख्यालय के चक्कर काटने के लिए मजबूर हैं। इन बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं से परेशान महिलाओं ने कहा कि भले ही देश में बेटी बचाओ, महिला सशक्तीकरण का नारा गूंज रहा है लेकिन सीमांत जिले में ये बातें हवाई हैं।

टैक्सी स्टैंड निर्माण में देरी पर फूटा गुस्सा, किया प्रदर्शन

डीडीहाट, एजेंसी। पांच साल से निर्माणाधीन टैक्सी स्टैंड का कार्य पूरा न होने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को भाजपा विधायक बिशन सिंह चुफाल का पुतला फूंका। कांग्रेस के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष चंचल चौहान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और टैक्सी चालकों ने यह प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक और सरकार क्षेत्र का विकास करने में नाकाम रहे हैं। टैक्सी स्टैंड के अभाव में सड़क पर बेतरतीब खड़े वाहन जाम का कारण बन रहे हैं। इससे व्यापारियों, वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी हो रही है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि टैक्सी स्टैंड निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही है। उन्होंने एक महीने के भीतर टैक्सी स्टैंड नहीं बनने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। चेतावनी में चक्का जाम करने की बात भी कही गई। पुतला जलाने वालों में ललित भंडारी, शेर सिंह चुफाल, मोहन राम, त्रिलोक प्रसाद, हिमांशु चुफाल, बसंत जोशी, राजू बोरा, उमेद विश्वकर्मा, सुजाता देवी, सिमरन धपवाल, दीपक जोशी आदि थे।

एकीकरण के बाद भी मनमानी, मरीज बेहाल

पिथौरागढ़, एजेंसी। जिला अस्पताल में बेस अस्पताल के डॉक्टरों की अनुपस्थिति से मरीज बेहाल हैं। जिला अस्पताल प्रबंधन ने मेडिकल कॉलेज को पत्र लिखकर इसे गंभीर लापरवाही बताया है। दोनों अस्पतालों का एकीकरण हो चुका है। इसके बावजूद बेस अस्पताल के डॉक्टर रोजाना इमरजेंसी ड्यूटी पर नहीं पहुंच रहे हैं। बेस अस्पताल में 15 से अधिक जूनियर रेजीडेंट तैनात हैं। वहीं जिला अस्पताल में प्रतिदिन 800 से अधिक मरीज इलाज के लिए आते हैं। इमरजेंसी में सिर्फ पांच ईएमओ की तैनाती है। डॉक्टरों की कमी से इमरजेंसी में मरीजों को भारी परेशानी हो रही है। डॉक्टर देने से हाथ पीछे खींचेः मेडिकल कॉलेज का इसी साल संचालन का दावा किया जा रहा है। एनएमसी की मान्यता के लिए मेडिकल कॉलेज के पास 400 बेड का अस्पताल जरूरी है। अब तक मेडिकल कॉलेज के पास इतनी क्षमता का अस्पताल नहीं है। यह कमी पूरी करने के लिए बीते दिनों जिला अस्पताल को मेडिकल कॉलेज के अधीन कर दिया गया। हैरानी है कि मेडिकल कॉलेज को मान्यता दिलाने के लिए तो जिला अस्पताल का एकीकरण किया गया है लेकिन इसके अधीन बेस अस्पताल से डॉक्टर भेजने से हाथ पीछे खींचे जा रहे हैं।

अंकिता हत्याकांड में वीआईपी का नाम और सीबीआई रिपोर्ट दबाने का आरोप

देहरादून, एजेंसी। अंकिता भंडारी हत्याकांड में सीबीआई जांच की रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक न होने और मामले से जुड़े कथित वीआईपी के नाम का खुलासा न होने पर कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ फिर से मोर्चा खोल दिया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष संजय किशोर ने सरकार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि सरकार अंकिता को न्याय दिलाने के बजाय इस पूरे मामले को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि अंकिता को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस और प्रदेश की जनता ने सड़कों पर उतरकर लगातार संघर्ष किया था, जिसके भारी दबाव में सरकार को सीबीआई जांच की संस्तुति करनी पड़ी थी। लेकिन सीबीआई जांच को लंबा समय बीत चुका और रिपोर्ट अब तक फाइलों में ही कैद है। कांग्रेस ने सरकार और सीबीआई से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश की जनता यह जानना चाहती है कि इस जघन्य हत्याकांड में अब तक कितने लोगों से पूछताछ की गई और किन-किन लोगों की क्या भूमिका रही है। इसके साथ ही, जिस कथित वीआईपी का नाम लगातार चर्चाओं में रहा है, उसकी इस हत्याकांड में क्या भूमिका है, यह भी सार्वजनिक होना चाहिए।

एसआईआर पर मतदाताओं को जागरूक करेगी सपा, नाम गलत तरीके से काटने का लगाया आरोप

देहरादून, एजेंसी। एसआईआर पर मतदाताओं को सपा जागरूक करेगी। पार्टी ने मतदाताओं के नाम गलत तरीके से काटने का आरोप लगाया है। समाजवादी पार्टी की रविवार को हुई प्रदेश स्तरीय बैठक में एसआईआर को लेकर मतदाताओं को जागरूक करने का निर्णय लिया गया। पार्टी इसके लिए अपने कार्यकर्ताओं को विशेष रूप से प्रशिक्षित करेगी।देहरादून में स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर आयोजित बैठक में करीब दो दर्जन वरिष्ठ नेता शामिल हुए। नेताओं ने आरोप लगाया है कि एसआईआर की प्रक्रिया में मुस्लिम समुदाय के मतदाताओं के वोट गलत तरीके से काटे जा रहे हैं। आरोप लगाया कि मुस्लिम मतदाताओं के वोटों पर अनजान लोगों के द्वारा सवाल खड़े किए जा रहे हैं। प्रदेश प्रभारी हाजी अब्दुल मतीन सिद्दीकी ने कहा कि अशिक्षा के कारण अनेक मतदाता यह तक जान नहीं पाते कि उनका नाम मतदाता सूची से कट गया है। अब समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता अल्पसंख्यक मतदाताओं को जागरूक कर उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज कराना सुनिश्चित कराएंगे। प्रदेश अध्यक्ष महंत शुभम गिरी ने कहा कि पार्टी इसके लिए अपने कार्यकर्ताओं को विशेष तौर पर प्रशिक्षित करेगी।

सैन्य धाम पर संग्राम! गामा के वीडियो से गरमाई सियासत, क्या बीजेपी की बढ़ेंगी मुश्किलें

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड का सैन्य धाम एक बार फिर से चर्चाओं में हैं. इस बार चर्चाओं का कारण सैन्य धाम के उद्घाटन की तारीख नहीं बल्कि बीजेपी नेता का दौरा है, जिस पर कथित तौर पर ब्रेक लगा दिया गया. सत्ताधारी भाजपा के ही वरिष्ठ नेता और पूर्व मेयर सुनील उनियाल गामा ने सैन्य धाम का दौरा कर सवाल खड़े कर दिए हैं. सुनील उनियाल गामा का वीडियो वायरल होने के बाद सैनिक कल्याण मंत्री और मसूरी विधायक गणेश जोशी ने भी उन पर तंज कसा है. ऐसे में शहीदों के सम्मान में बनने वाला सैन्य धाम अब निर्माण से ज्यादा सियासी बयानबाजी को लेकर चर्चाओं में है.

क्यों खास है सैन्य धामः राजधानी देहरादून के पुरकुल स्थित गुनियाल गांव में बन रहा सैन्य धाम शुरुआत से ही चर्चाओं में रहा है. वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड में सैन्य धाम बनाए जाने की घोषणा की थी. जिसके बाद 15 दिसंबर 2021 को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसका शिलान्यास किया. इस परियोजना को उत्तराखंड की सैन्य परंपरा और शहीद सैनिकों के बलिदान को सम्मान देने वाले प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है. सैन्य धाम के लिए प्रदेश के 1734 शहीद सैनिकों के घर-आंगन की मिट्टी लाई गई. राज्य की प्रमुख 28 नदियों का जल भी यहां पहुंचाया गया है. इसका उद्देश्य सैन्य धाम आने वाली पीढ़ियों को उत्तराखंड के सैनिकों की वीरता, बलिदान और देशभक्ति से जोड़ना था. सरकार इसे राज्य के पांचवें धाम के रूप में स्थापित करने की तैयारी भी कर रही है.

सैन्यधाम को लेकर उठ रहे सवालः सैन्य धाम को लेकर सबसे ज्यादा सियासत इसकी लागत और निर्माण में हो रही देरी को लेकर हुई है. शुरुआत में परियोजना की लागत करीब 50 करोड़ रुपये बताई गई थी, लेकिन समय के साथ इसका बजट बढ़ता गया. अब इसकी अनुमानित लागत करीब 112 करोड़ रुपये बताई जा रही है. 15 दिसंबर 2021 को शुरू हुआ. निर्माण कार्य वर्ष 2026 में भी पूरी तरह पूरा नहीं हो पाया है. निर्माण की डेडलाइन भी दो बार बदली जा चुकी है. अब सैन्य धाम का निर्माण लगभग अंतिम चरण में बताया जा रहा है, लेकिन इसके उद्घाटन की तारीख अभी तक तय नहीं हुई है. यही सवाल अब सबसे ज्यादा चर्चा में है कि आखिर सैन्य धाम कब पूरी तरह तैयार होगा इसका उद्घाटन कब किया जाएगा सरकार की ओर से अभी तक उद्घाटन की कोई निश्चित तारीख सामने नहीं आई है.

बीजेपी नेता के वीडियो ने बढ़ाई हलचलः इन्हीं सवालों के बीच सैन्य धाम को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ने भाजपा के भीतर भी सियासी हलचल बढ़ा दी है. भाजपा के वरिष्ठ नेता और देहरादून के पूर्व मेयर सुनील उनियाल गामा सैन्य धाम पहुंचे. वे वहां निर्माण कार्य तथा व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठाते नजर आए. वीडियो सामने आने के बाद इस पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी शुरू हो गई. खास बात यह रही कि सैन्य धाम को लेकर सवाल विपक्षी कांग्रेस की ओर से ही नहीं, बल्कि भाजपा से जुड़े नेता की ओर से उठाए गए।

पुलिस के होते हुए महिलाएं डंडे लेकर आधी रात कर रहीं पहरेदारी, नशे पर कर रहीं चोट

देहरादून, एजेंसी। राजपुर थाना क्षेत्र के ओल्ड मसूरी रोड स्थित थानी गांव में नशे के बढ़ते कारोबार और रात के समय संदिग्ध लोगों की आवाजाही से परेशान महिलाओं ने खुद मोर्चा संभाल लिया है. गांव के करीब 350 परिवारों की सुरक्षा और बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित 30 से 35 महिलाएं शाम से देर रात तक लाठी-डंडे लेकर गांव की सड़कों पर पहरा दे रही हैं. महिलाओं का आरोप है कि बाहरी लोग रात में नशा खरीदने के लिए गांव में आते हैं. कई बार इनके बीच विवाद की स्थिति भी बन जाती है.

नशे के खिलाफ लामबंद महिलाएंः महिलाओं का कहना है कि पुलिस से शिकायत के बाद कुछ दिनों तक पुलिस और पीएसी की तैनाती हुई, लेकिन नियमित गश्त नहीं होने के कारण अब उन्होंने खुद गांव की निगरानी शुरू कर दी है. महिलाओं ने मामले को लेकर जिलाधिकारी से मिलने और ज्ञापन देने की तैयारी भी शुरू कर दी है.

शाम 5 बजे से रात 12 बजे तक महिलाओं की ड्यूटीः महिलाओं के मुताबिक, उनकी पहरेदारी शाम करीब 5 बजे शुरू होती है और रात 12 बजे तक जारी रहती है. गांव के किसी मोहल्ले में बाहरी व्यक्ति के नशा खरीदने के लिए पहुंचने की सूचना मिलते ही महिलाएं एक-दूसरे को फोन कर सक्रिय हो जाती हैं. इसके बाद कई महिलाएं मौके पर पहुंचकर संदिग्ध लोगों से पूछताछ करती हैं और उन्हें वहां से वापस भेजती हैं. महिलाओं का कहना है कि घर का कामकाज संभालने के साथ रात में पहरा देना आसान नहीं है, लेकिन गांव को नशे के कारोबार से बचाने के लिए उन्होंने यह जिम्मेदारी उठाई है. बारिश के मौसम में बुजुर्ग महिलाओं की ड्यूटी का समय कम किया गया है.

गांव महिलाओं ने क्या कहाः महिला सुधा ने दावा किया कि गांव में पिछले 6-7 वर्षों से नशे का कारोबार बढ़ता दिखाई दे रहा है. रात में कई अनजान लोग गांव से गुजरते हैं और तेज रफ्तार से वाहन चलाते हैं. इससे स्थानीय लोगों को सड़क पर आवाजाही में परेशानी होती है. महिलाओं का दावा है कि नशा खरीदने वालों में स्कूल और कॉलेज के छात्र भी शामिल होते हैं. उनका कहना है कि नशा बेचने वाले कई लोगों के नाम और पहचान के बारे में उन्हें पूरी जानकारी नहीं है.

शिकायत के बाद दो दिन रही पीएसी और पुलिसः सुधा ने कहा कि राजपुर थाना पुलिस और पुलिस अधिकारियों से मामले की शिकायत की थी. इसके बाद कुठाल गेट चौकी से पुलिसकर्मी गांव पहुंचे. महिलाओं का कहना है कि करीब दो दिन तक एक पीएसी जवान और एक कांस्टेबल की तैनाती भी की गई, लेकिन इसके बाद नियमित सुरक्षा व्यवस्था नहीं रही. 14 अगस्त के बाद पुलिस की नियमित मौजूदगी दिखाई नहीं दी. इसके बाद उन्होंने खुद रात में पहरा देने का फैसला किया।

चारधाम यात्राः यमुनोत्री धाम की यात्रा ने बनाया रिकॉर्ड; पहली बार श्रद्धालुओं की संख्या पहुंची 6.68 लाख

देहरादून, एजेंसी। मानसून सीजन के मद्देनजर यात्रा बेहद सतर्कता और निगरानी के साथ संचालित की जा रही है। यात्रा से जुड़े रुद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी में आपदा प्रबंधन विभाग को 24 घंटे अलर्ट मोड में रखा गया है।

उत्तराखंड में मानसून की कठिन चुनौतियों के बावजूद चारधाम यात्रा निर्बाध जारी है। इस यात्राकाल के 125 दिनों में ही दर्शनार्थियों की संख्या 48 लाख के पार पहुंच चुकी है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में पांच लाख 22 हजार अधिक है। यमुनोत्री धाम की यात्रा ने नया रिकॉर्ड बनाया है।

यहां पहली बार श्रद्धालुओं की संख्या छह लाख 68 हजार से अधिक पहुंच गई है। इससे पूर्व वर्ष 2025 में छह लाख 44 हजार 637 श्रद्धालु मां यमुना के दर्शन को पहुंचे थे। मानसून सीजन के मद्देनजर यात्रा बेहद सतर्कता और निगरानी के साथ संचालित की जा रही है। यात्रा से जुड़े रुद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी में आपदा प्रबंधन विभाग को 24 घंटे अलर्ट मोड में रखा गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। मौसम के मिजाज को देखते हुए प्रशासन ने तीर्थयात्रियों के लिए विशेष एडवाइजरी भी जारी की है।

इस वर्ष 19 अप्रैल को गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम के कपाटोद्घाटन के साथ चारधाम यात्रा का आगाज हुआ था। शुक्रवार 21 अगस्त तक इस यात्राकाल के 125 दिनों में कुल 48 लाख चार हजार 897 श्रद्धालु चारधाम दर्शन कर चुके हैं।

संपत्ति विवाद में आश्रम बना जंग का अखाड़ा, रात के अंधेरे में संत के साथ मारपीट, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

हरिद्वार, एजेंसी। नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित एक आश्रम में संत के साथ मारपीट का मामला सामने आया है. मारपीट की घटना आश्रम में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. बताया जा रहा है कि आश्रम की संपत्ति को लेकर चल रहे विवाद में यह मारपीट हुई है. दोनों पक्षों की ओर से पुलिस को शिकायत दी गई है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. पुलिस को मिली शिकायत के मुताबिक, उत्तरी हरिद्वार स्थित कमलदास कुटिया में आश्रम की संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा है. कुछ दिन पहले आश्रम के मुख्य महंत ओमप्रकाश शास्त्री ने अपने एक शिष्य शिव प्रकाश महाराज की चादरपोशी की. इसके बाद बीती 24 अगस्त की रात को कुछ लोग आश्रम में आए और महंत ओमप्रकाश शास्त्री से बातचीत कर रहे थे. इसी बीच दोनों पक्षों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया. देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आश्रम में बैठे एक पक्ष के लोगों ने शिव प्रकाश महाराज के साथ मारपीट शुरू कर दी।

महेंद्र भट्ट ने रामलीला मैदान शुद्धिकरण को सही ठहराया, बोले- खड़गे भी जानते होंगे उनके नाम पर राजनीति कर रही कांग्रेस

मसूरी, एजेंसी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने मसूरी में सनसनीखेज बयान दिया है. हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद कथित रूप से शुद्धिकरण के मामले को उन्होंने सही ठहराया है. कांग्रेस पर निशाना साधते हुए महेंद्र भट्ट ने कहा कि विपक्ष के पास न तो कोई ठोस मुद्दा है और न ही कोई कार्यक्रम. इसलिए वह ऐसे विषयों को तूल दे रहा है, जिनसे समाज का माहौल खराब और दूषित होता है.

रामलीला मैदान शुद्धिकरण को महेंद्र भट्ट ने सही ठहरायाः मसूरी में पत्रकारों से बातचीत में महेंद्र भट्ट ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की हल्द्वानी में हुई रैली रामलीला मैदान में आयोजित की गई थी. उनके अनुसार, रैली के दौरान वहां जिस तरह की स्थिति बनी और कुछ नारे लगाए गए, वह रामलीला मैदान की मर्यादा के अनुरूप नहीं थे. उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के बाद यदि मैदान का शुद्धिकरण किया गया तो इसमें गलत क्या है.

दलित समाज से जोड़कर मुद्दे को राजनीतिक रंग देना गलत- महेंद्र भट्टः भट्ट ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस मामले को अनुसूचित जाति से जोड़कर अपने ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का मजाक बना रही है. उन्होंने कहा कि खड़गे के नाम पर उत्तराखंड में कांग्रेस जिस तरह की राजनीति कर रही है, उसे खुद खड़गे भी समझते होंगे.

महेंद्र भट्ट ने कांग्रेस पर समाज को बांटने का आरोप लगायाः भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि किसी धार्मिक स्थल या आयोजन स्थल की स्वच्छता और शुद्धिकरण को राजनीतिक विवाद का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए. उन्होंने कांग्रेस पर समाज को बांटने वाले मुद्दे खड़े करने का आरोप लगाया. ये था रामलीला मैदान शुद्धिकरण का मामलाः गौरतलब है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उत्तराखंड में हल्द्वानी के रामलीला मैदान में एक रैली को संबोधित किया था. 'श्री राम सेना धर्मार्थ सेवा न्यास' ने रैली के दौरान हिंदू धर्म विरोधी नारे लगाने का आरोप लगाते हुए 10 अगस्त को हवन कर रामलीला मैदान का शुद्धिकरण करने का दावा किया था. संगठन का आरोप था कि रामलीला मैदान धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए है, लेकिन कांग्रेस की रैली के दौरान मंच से कथित तौर पर धर्म विशेष के समर्थन में नारे और आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं, जिससे स्थल की पवित्रता भंग हुई.

खड़गे ने राज्यसभा में मामला उठाया थाः कांग्रेस ने इस शुद्धिकरण के मामले को मुद्दा बना लिया था. यहां तक कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसे राज्यसभा में तक उठा दिया था, जिस पर जेपी नड्डा को वक्तव्य देना पड़ा था. कांग्रेस शुद्धिकरण आयोजन के लिए बीजेपी को दोषी ठहरा रही थी।

आप ने एलजी ऑफिस के बाहर लगाई साइकिल प्रदर्शनी, मांगा आशीष सूद का इस्तीफा

● रेखा गुप्ता सरकार में हुए साइकिल, दवा और चावल घोटाले पर चर्चा करने पहुंचे थे आप नेता, पर नहीं मिले एलजी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दवा, साइकिल और चावल घोटाले को लेकर एलजी ऑफिस के बाहर साइकिल प्रदर्शनी लगाकर भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार के खिलाफ प्रदर्शन मंत्री आशीष सूद का इस्तीफा मांगा। आप दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व में आप विधायक एलजी से मिलने पहुंचे थे, लेकिन वह नहीं मिले। इससे नाराज आप नेताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि घोटाले के सारे सबूत सामने होने के बाद भी एलजी अपनी एसीबी, विजिलेंस और पुलिस को जांच के आदेश नहीं दे रहे हैं। जो साइकिल सरकार ने 6957 रुपए में खरीदी, वही हमने 4200 में खरीदी। सरकार ने साइकिल खरीद में करोड़ों रुपए का घोटाला किया। इसी तरह, दवा और चावल खरीद में करोड़ों का घोटाला किया है। अब एलजी ने एक सितंबर को मिलने का समय दिया है। एक सितंबर को हम सारे सबूतों के साथ एलजी से मिलेंगे। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में लगातार घोटाले सामने आ रहे हैं, जिनमें 650 करोड़ रुपए का स्वास्थ्य घोटाला, 90 करोड़ रुपए का साइकिल घोटाला, चावल घोटाला और एसएस मोता सिंह स्कूल के ट्रस्ट का घोटाला शामिल है। आज विधायक कुलदीप कुमार, संजीव झा, जरनैल सिंह समेत हमारे कई विधायक यहां एलजी साहब से मिलने आए थे। हम बार-बार एलजी साहब से समय मांग रहे हैं, मगर वे मिलने का समय नहीं दे रहे हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में एसीबी, विजिलेंस और पुलिस सब एलजी साहब के अधीन हैं। अगर एलजी साहब इंक्वायरी ही नहीं कराएंगे, तो फिर इंक्वायरी होगी कैसे? हमने एलजी साहब को चिट्ठी लिखी थी कि वे हमें समय दें और इस मामले पर इंक्वायरी कराएं। यह तो साफ दिख रहा है कि जो साइकिल दिल्ली सरकार 7000 रुपए में खरीद रही है, उसे हमने 4000 रुपए में खरीद कर दिखा दिया। सरकार की साइकिल तो 3000 रुपए में आनी चाहिए थी। बच्चियों की साइकिल में खुल्लम-खुल्ला करोड़ों रुपए की लूट हुई है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के गरीबों के लिए 3 करोड़ 10 लाख किलो चावल आया, लेकिन वह दिल्ली के गरीबों को नहीं मिला। उसे हरियाणा में ले जाकर किसी सेठ-साहूकार के यहां बेच दिया गया। वह चावल कहां गया, उसकी कोई जांच नहीं हो रही है। अगर वह चावल हर गरीब परिवार को मिलता, तो हर परिवार को 28 किलो चावल मिलता। हर गरीब परिवार का 28 किलो चावल लूट गया और हरियाणा में बिक गया। सौरभ भारद्वाज ने आगे कहा कि आज दिल्ली में स्वाइन फ्लू से त्राहि-त्राहि मची हुई है। अस्पतालों में जाओ तो न दवाई है, न इंजेक्शन है और न डॉक्टर मिल रहे हैं। 100 करोड़ रुपए की दवाई 400 करोड़ रुपए में खरीदी गई और जो 400 करोड़ रुपए में खरीदी गई, वह भी अस्पताल तक नहीं पहुंची।

सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली लक्ष्मी योजना का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की महत्वाकांक्षी दिल्ली लक्ष्मी योजना का बुधवार को शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हजारों महिलाओं को स्वीकृति पत्र वितरित किए और योजना के तहत मिलने वाली 2,500 रुपये की मासिक सहायता राशि को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। योजना की लाभार्थी महिलाओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया। एक लाभार्थी महिला ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं बहुत खुश हूं। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। रक्षाबंधन से पहले इससे मुझे बहुत बड़ी आर्थिक मदद मिली है। एक अन्य लाभार्थी ने इसे महिला स्वतंत्रता का प्रतीक बताते हुए कहा, गृहिणी के लिए 15 अगस्त और 26 जनवरी अब आया है। अभी तक सिर्फ कमाने वाले आजाद थे, अब हम लोग भी आजाद हैं। इससे हमें काफी आर्थिक मदद मिलेगी। वहीं, इस मौके पर भाजपा विधायक अनिल गोयल ने कहा, आज मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हजारों महिलाओं को सर्टिफिकेट दिया और अब 2,500 रुपए की मासिक सहायता राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए भेजी जाएगी। यह चुनाव के दौरान दी गई ह्यमोदी गारंटीह्न थी, जब दिल्ली में सरकार बन रही थी, और आज वह गारंटी पूरी हो रही है। इससे साबित हो गया है कि भाजपा की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। आज हजारों महिलाओं को सर्टिफिकेट दिया गया और रक्षाबंधन पर बची हुई महिलाओं, जिन्होंने रजिस्ट्रेशन कराया है, के खाते में 2500 रुपये पहुंच जाएंगे। गौरतलब है कि इससे पहले मंगलवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी थी कि दिल्ली लक्ष्मी योजना के तहत पात्र महिलाओं को स्वीकृति पत्र मिलेंगे और 1 सितंबर से हर महीने 2,500 रुपये सीधे उनके बैंक खाते में पहुंचेंगे, जो जरूरतों का संबल बनेंगे, सपनों को नई हिम्मत देंगे और दिल्ली की बहनों को अपने फैसले आत्मविश्वास के साथ लेने की शक्ति देंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि इस योजना को अभूतपूर्व उत्साह मिल रहा है, जो अपने आप में बहुत कुछ कहता है। लाखों महिलाएं पहले ही पंजीकरण करा चुकी हैं और बड़ी संख्या में बहनें लगातार इस सशक्तीकरण की यात्रा से जुड़ रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

युवती की एआई से आपत्तिजनक फोटो बनाकर वायरल कीं

नई दिल्ली। सराय रोहिल्ला निवासी युवती की फोटो में एआई से छेड़छाड़ कर सोशल मीडिया पर वायरल करने का मामला सामने आया है। इस बाबत पीड़िता ने उत्तर जिला के साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दी थी जिसके आधार पर मंगलवार को एफआईआर दर्ज कर ली गई है। 22 वर्षीय पीड़िता इग्नू से एमए की पढ़ाई कर रही है। पीड़िता ने बताया कि उसे इंस्टाग्राम पर अजीब अजीब के मैसेज आ रहे थे। फिर कुछ लोगों ने बताया कि किसी ने पीड़िता की फोटो-वीडियो एआई से बना कर इंस्टाग्राम पर वायरल कर दी है। उसने अपनी अश्लील फोटो-वीडियो जब खुद देखे तो इसकी लिखित शिकायत 22 जुलाई को साइबर पुलिस स्टेशन में की। जांच से जुड़े वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इंस्टाग्राम से पोस्ट साझा करने वाले की जानकारी मांगी गई है। आईपी एड्रेस आने के बाद आरोपी को दबोच लिया जाएगा।

हत्या के दस साल पुराने मामले में दो आरोपी बरी

नई दिल्ली। मंडोली जेल के पास वर्ष 2016 में सहकर्मी की चाकू मारकर हत्या के मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने दो आरोपियों को बरी कर दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरविंदर सिंह की अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष का मामला मजबूत संदेह तक ही सीमित रहा और आरोपियों के खिलाफ दोष साबित करने के लिए भरोसेमंद व पुख्ता सबूत नहीं हैं। अदालत ने कहा कि ठोस संदेह सबूतों की जगह नहीं ले सकता है। मामला 28 अक्तूबर 2016 का है। शाहनवाज को मंडोली जेल के पास चाकू मारा गया था। अभियोजन के अनुसार, किसी महिला को लेकर नसीम और शाहनवाज के बीच विवाद था। इसी के चलते नसीम और अजीम ने कथित तौर पर शाहनवाज की हत्या की साजिश रची थी।

हर अस्पताल में बनेगा फ्लू कॉर्नर, कम से कम पांच आइसोलेशन बेड रखे जाएंगे

नई दिल्ली। राजधानी में बुधवार को एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) के 138 नए मामले सामने आए हैं। बढ़ते मामलों को देखते हुए दिल्ली सरकार ने सभी सरकारी अस्पतालों के इमरजेंसी विभाग में समर्पित फ्लू कॉर्नर बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कम से कम पांच आइसोलेशन बेड रखने के निर्देश जारी किए हैं। अस्पतालों को फ्लू से निपटने के लिए अलर्ट मोड पर किया गया है। दिल्ली में कुल एच1एन1 के मामलों की संख्या 2446 पहुंच गई है। बड़े अस्पतालों में इन्फ्लूएंजा और दूसरी संबंधित बीमारियों के मरीजों के लिए 10 या उससे अधिक आइसोलेशन बेड की व्यवस्था की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बुधवार को सभी सरकारी अस्पतालों के मेडिकल डायरेक्टर और मेडिकल सुपरिंटेंडेंट के साथ वर्चुअल बैठक की। अस्पतालों को इमरजेंसी, जांच, आइसोलेशन, दवाओं और 24 घंटे मेडिकल स्टाफ की उपलब्धता मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। लोगों को घबराने के बजाय सतर्क रहने की सलाह दी है। संदिग्ध मरीजों में लक्षण मिलने पर तुरंत जांच कराने और जरूरत के अनुसार स्वैब लेकर जांच के लिए भेजने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए वायरल ट्रांसपोर्ट मीडियम और सैंपल लेने से जुड़े जरूरी सामान का पर्याप्त स्टॉक रखने को कहा गया है। दिल्ली में अब तक इन्फ्लूएंजा-ए के कुल 3177 मामले दर्ज किए गए हैं। 24 घंटे डॉक्टर, दवाओं का पर्याप्त स्टॉक : अस्पतालों को शिफ्ट के हिसाब से ड्यूटी रोस्टर तैयार करने और डॉक्टरों तथा मेडिकल स्टाफ की चौबीसों घंटे उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है। इमरजेंसी में सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों की तैनाती भी होगी।

चिल्ला रोड पर ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर सख्ती, 136 चालान

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। मयूर विहार के चिल्ला रोड स्थित अमीचंद चौक रेड लाइट पर बुधवार को स्थानीय पुलिस, पीसीआर स्टाफ और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने विशेष चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों, विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। पुलिस ने वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, निर्धारित नियमों का पालन करने और सुरक्षित तरीके से वाहन चलाने के लिए जागरूक भी किया। चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले 124 चालकों के चालान किए गए, जबकि एक ही दोपहिया वाहन पर तीन लोगों के सवार होने के मामले में 12 चालान काटे गए। इस तरह यातायात नियमों के उल्लंघन पर कुल 136 चालान किए गए। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य सड़क पर यातायात अनुशासन बनाए रखना और लापरवाही से वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर रोक लगाना रहा। वहीं, नियमों का पालन करने वाले 10 वाहन चालकों और उनके साथ सफर कर रहे लोगों को पुलिस की ओर से तोहफे देकर सम्मानित किया गया। इनमें पीछे बैठी पांच महिलाएं और दो बच्चे भी शामिल थे। पुलिस की ओर से किए गए इस प्रोत्साहन का उद्देश्य लोगों को यह संदेश देना था कि यातायात नियमों का पालन केवल कार्रवाई के डर से नहीं, बल्कि अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए। अभियान के दौरान पुलिस ने लोगों से हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपील की।

दिल्ली के दो प्रसिद्ध होटलों के किचन में कॉकरोच-गंदगी मिली

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

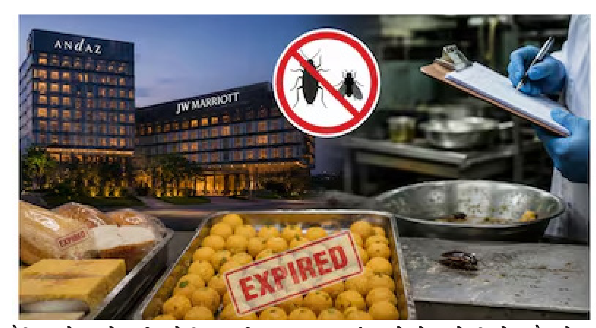

नई दिल्ली। दिल्ली के एयरोसिटी स्थित अंदाज हयात और जेडब्ल्यू मैरियट के किचन में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की जांच में बड़ी कमियां मिली हैं। जांच के दौरान अंदाज के किचन में वेज और नॉनवेज खाने को अलग रखने की व्यवस्था में कमी मिली। इसके अलावा कॉकरोच, मक्खियां और बदबू की शिकायतें दर्ज हुईं। कुछ ब्रेड पैकेट एक्सपायर्ड स्टिकर के साथ भी मिले। हलवाई एरिया में करीब 87 किलो एक्सपायर्ड मिठाइयां मिलीं, जिन्हें मौके पर नष्ट किया गया। पेस्ट्री सेक्शन में एक्सपायर्ड केक बेस, मक्खियां और कॉकरोच मिले। नई दिल्ली के जेडब्ल्यू मैरियट होटल में करीब दो दिन चली जांच में 59 कमियां दर्ज की गईं। कुछ खाद्य उत्पादों के लिए जरूरी एफएसएसएआई लाइसेंस या एंडोर्समेंट उपलब्ध नहीं मिला। पैक्ड उत्पादों की लेबलिंग में भी गड़बड़ी सामने आई। फफूंद लगे सेब और सड़े टमाटर भी मिले। कई खाद्य पदार्थ खुले में रखे मिले और वेज-नॉनवेज स्टोरेज में भी गड़बड़ी मिली। बेकरी में कॉकरोच और टूटे कंटेनर पाए गए। इसके पहले भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा नियमों के गंभीर उल्लंघन और अनुपालन में कमी पाए जाने के बाद दिल्ली और दमन की दो खाद्य कारोबार इकाइयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की थी। एफएसएसएआई ने नई दिल्ली स्थित मार्शे रिटेल प्राइवेट लिमिटेड का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से 30 दिनों के लिए निलंबित कर दिया था। वहीं, दमन के रिंगनवाड़ा स्थित एसडीपी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ मानकों का पालन न करने वाले घी उत्पादों और मिलावट की आशंका को लेकर प्रतिबंध का आदेश जारी था। एफएसएसएआई ने बताया कि मार्शे रिटेल के मामले में निरीक्षण और उसके बाद किए गए फॉलो-अप निरीक्षण में प्रतिष्ठान के डिजाइन, संचालन संबंधी नियंत्रण, स्वच्छता, व्यक्तिगत साफ-सफाई, खाद्य संचालकों के प्रशिक्षण और अनिवार्य रिकॉर्ड रखने में कमियां पाई गईं।

क्षमा करना ही शक्ति की सर्वोच्च कसौटी है : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बुधवार को बाड़ा हिंदू राव में ईद मिलाद-उन-नबी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शक्ति की परीक्षा केवल दंड देने की क्षमता से नहीं होती, बल्कि उसकी सर्वोच्च कसौटी यह है कि प्रतिशोध लेने की सामर्थ्य होने के बावजूद व्यक्ति क्षमा करने का रास्ता चुनता है। पैगंबर मुहम्मद के जीवन का उल्लेख करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि उनका जीवन ईमानदारी, विश्वसनीयता, करुणा, धैर्य और क्षमा का शाश्वत संदेश देता है। उन्होंने पैगंबर मुहम्मद द्वारा सहन किए गए अत्याचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन पर पत्थर तक बरसाए गए, लेकिन बाद में जब मक्का विजय का अवसर आया, तब उनके पास प्रतिशोध लेने का पूरा अधिकार और सामर्थ्य था। इसके बावजूद उन्होंने क्षमा का मार्ग चुना। गुप्ता ने कहा कि वे बदला ले सकते थे, अपनी शक्ति का इस्तेमाल कर सकते थे और पुराने हिसाब चुकता कर सकते थे, लेकिन उन्होंने क्षमा करना चुना। विधानसभा अध्यक्ष कहा कि पैगंबर मुहम्मद अपनी ईमानदारी और विश्वसनीयता के लिए इतने प्रसिद्ध थे कि उनके विरोधी भी अपनी अमानतें सुरक्षित रखने के लिए उनके पास छोड़ जाते थे। उन्होंने कहा कि पैगंबर की शिक्षाएं समाज को कमजोरों के साथ खड़े होने, असहायों का सहारा बनने, महिलाओं और बेसहारा लोगों की देखभाल करने तथा भूखों को भोजन उपलब्ध कराने का स्पष्ट दायित्व देती हैं। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यदि हमने भोजन कर लिया और हमारा पड़ोसी भूखा रह गया, तो हमारी जिम्मेदारी पूरी नहीं हुई। उन्होंने उस भावना का भी स्मरण किया कि किसी रोते हुए व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाना भी मानव सेवा का एक महान कार्य है। उन्होंने कहा कि दूसरे मनुष्य की सेवा करना स्वयं में एक गहरा नैतिक दायित्व है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि ईद मिलाद-उन-नबी का महत्व केवल स्मरण करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्ममंथन का अवसर भी है कि पैगंबर के बताए मूल्य हमारे दैनिक जीवन में कितने दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि जब हम धैर्य, सत्यनिष्ठा और कमजोरों के साथ खड़े होने की बात करते हैं, तो हमें पैगंबर मुहम्मद द्वारा दिखाए गए मार्ग को स्मरण करना चाहिए। दिल्ली की गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक समरसता का उल्लेख करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह दिल्ली की तस्वीर है और हमारे शहर का संदेश भी। यहां अजान की आवाज सुनाई देती है और नमाज अदा की जाती है, वहीं पास में मंदिर की घंटियां भी गूंजती हैं। ईद पर एक-दूसरे को बधाइयां दी जाती हैं, मिठाइयां बांटी जाती हैं और यही आत्मीयता दीपावली के अवसर पर भी दिखाई देती है। यही हमारी संस्कृति, हमारी संस्कार और हमारी तहजीब है। इस अवसर पर विधायक इमरान हुसैन (बल्लीमारान विधानसभा क्षेत्र) तथा ऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के मुख्य इमाम डॉ. इमरान उमर अहमद इलियासी मौजूद रहे।

दिल्ली: खिचड़ीपुर फ्लाईओवर पर दर्दनाक हादसा, 24 वर्षीय युवक की मौत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर इलाके में खिचड़ीपुर फ्लाईओवर पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस और एम्बुलेंस के पहुंचने में देरी का आरोप लगाया। युवक की पहचान 24 वर्षीय निखिल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक गाजियाबाद से अपने घर जनकपुरी जा रहा था, तभी फ्लाईओवर पर वह हादसे का शिकार हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि करीब 30 से 40 मिनट बाद पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची थी। इसको लेकर लोगों में नाराजगी भी देखने को मिली। हालांकि, देरी से पहुंचने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लाल बहादुर शास्त्री हॉस्पिटल भेज दिया। साथ ही, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए आगे की जांच की जा रही है। हादसा किस वाहन या किस परिस्थिति में हुआ, इसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाने में लगी है। मृतक के चाचा सतीश ने बताया कि उन्हें फोन पर निखिल के एक्सीडेंट की जानकारी मिली थी। वह अपने बड़े भाई के घर से लौट रहा था। उन्होंने कहा कि अभी हादसे के सही कारण का हमें पता नहीं चला है। जांच के बाद ही कुछ चीजें स्पष्ट हो पाएंगी। इससे पहले, दिल्ली के ग्रेटर कैलाश-1 में कैलाश कॉलोनी मेट्रो स्टेशन के पास रविवार शाम को एक एसयूवी ने पैदल जा रही दंपति को टक्कर मार दी। इस घटना में महिला की मौत हो गई और उसके पति घायल हो गए। मृतक महिला की पहचान 71 वर्षीय शशि के रूप में हुई। एसयूवी चालक ने कई और गाड़ियों को भी टक्कर मारी थी। हालांकि, हादसे के बाद ड्राइवर तपन अहीर को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

दिल्ली : होटल की चौथी मंजिल से कूदने से 37 वर्षीय व्यक्ति की मौत, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली स्थित एक होटल की चौथी मंजिल से कथित तौर पर कूदने के बाद 37 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, दोपहर करीब 3 बजे पीसीआर कॉल के जरिए सूचना मिली कि ले मेरिडियन होटल की चौथी मंजिल पर स्थित स्विमिंग पूल क्षेत्र से एक व्यक्ति ने छलांग लगा दी है। मृतक की पहचान दिविज मारिया (37) के रूप में हुई है, जो नई दिल्ली के निवासी थे। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दिविज मारिया ने करीब छह महीने पहले गुरुग्राम स्थित एक कंपनी की नौकरी छोड़ दी थी। पुलिस के मुताबिक, वह पिछले कुछ महीनों से डिप्रेशन का इलाज भी करा रहे थे। वह विवाहित थे। घटना के बाद उन्हें तुरंत डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना स्थल का निरीक्षण करने के लिए क्राइम टीम को बुलाया गया। टीम ने मौके से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रख लिया गया है। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 194 के तहत जांच संबंधी कार्रवाई शुरू कर दी है और घटना की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए आगे की जांच की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, घटना से पहले दिविज मारिया की गतिविधियों और अन्य संबंधित पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियों का इंतजार है और जांच को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

39 लाख की जूडियो फ्रेंचाइजी ठगी का खुलासा, लापता युवती बरामद; फायरिंग में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहदरा। जिले में पुलिस ने तीन अलग-अलग मामलों में बड़ी कामयाबी हासिल की है। साइबर थाना पुलिस ने जूडियो फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर 39.53 लाख रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले आरोपी को बिहार से गिरफ्तार किया है। वहीं फर्श बाजार थाना पुलिस ने लापता युवती को गुजरात के गांधीधाम से सुरक्षित बरामद किया, जबकि विवेक विहार थाना पुलिस ने ज्वाला नगर में फायरिंग के मामले में दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से देसी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किया। शाहदरा के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि तीनों मामलों में पुलिस ने तकनीकी सुरागों के आधार पर कार्रवाई की। गांधी नगर निवासी सुशांत जैन से जूडियो फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर करीब 39 लाख 53 हजार रुपये की ठगी की गई थी। ठगों ने जूडियो की फर्जी वेबसाइट बनाकर खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताया और अलग-अलग मदों में रकम जमा कराई। जांच में बैंक खातों के लेनदेन का विश्लेषण करने पर शेखपुरा, बिहार निवासी 23 वर्षीय सोनू चौधरी की भूमिका सामने आई। पुलिस के मुताबिक सोनू साइबर ठगों को बैंक खाते उपलब्ध कराता था। उसने पश्चिम बंगाल समेत विभिन्न इलाकों से 100 से अधिक खाते जुटाकर ठगों को दिए थे। उसके पास से तीन मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। फर्श बाजार थाना पुलिस ने घर से बिना बताए निकली युवती को तकनीकी निगरानी के आधार पर 21 अगस्त को गुजरात के गांधीधाम से सुरक्षित बरामद कर लिया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि युवती ने गांधीधाम क्षेत्र में रहने वाले एक रिश्तेदार को फोन किया था। मोबाइल लोकेशन मिलने के बाद पुलिस टीम गुजरात पहुंची और स्थानीय स्तर पर तलाश कर युवती को बरामद किया। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि तकनीकी निगरानी और लगातार प्रयासों से पुलिस को यह सफलता मिली। विवेक विहार थाना पुलिस ने 24 अगस्त को ज्वाला नगर में हुई फायरिंग के मामले में अतुल उर्फ बॉबी और भास्कर को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार कस्तूरबा नगर क्षेत्र में गश्त के दौरान मुखबिर से मिली सूचना पर दोनों को पकड़ा गया। तलाशी में अतुल के कब्जे से एक देसी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद हुआ। दोनों के खिलाफ हथियार संबंधी मामला दर्ज किया गया है। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने कहा कि पुलिस फायरिंग में शामिल अन्य लोगों और हथियार के स्रोत का भी पता लगा रही है।

विवादित बयान पर कंगना रनौत को माफी मांगनी चाहिए : उदित राज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

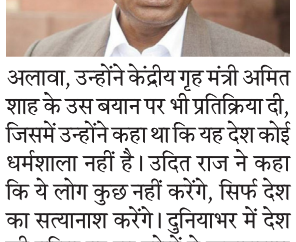

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने अभिनेत्री कंगना रनौत के संदर्भ में कहा कि उन्हें किसी की भी जिंदगी में तांकझांक करने का हक नहीं है। ये तो भारत है, तो कुछ चीजों को नजरअंदाज कर दिया जा रहा है। अगर अमेरिका होता है, तो अब ऐसे लोगों को सलाखों के पीछे भेज दिया जाता। मैं तो कुल मिलाकर यही कहूंगा कि अगर कंगना में थोड़ी सी भी नैतिकता है, तो उन्हें सामने आकर कृति सेनन से माफी मांगनी चाहिए। कुछ भी कहने से पहले अभिनेत्री को खुद पर आत्मचिंतन करना चाहिए। इसके बाद ही किसी नतीजे पर पहुंचना चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि यह देश कोई धर्मशाला नहीं है। उदित राज ने कहा कि ये लोग कुछ नहीं करेंगे, सिर्फ देश का सत्यानाश करेंगे। दुनियाभर में देश की गरिमा पर इन लोगों ने कुठाराघात किया है। अब आगे देखते हैं कि ये लोग क्या कुछ करते हैं। 2004 से लेकर 2014 तक 88 हजार बांग्लादेशियों को निर्सावित किया गया और अब इस सरकार ने क्या किया? इन लोगों के शासन में शरणार्थियों की संख्या बढ़ी है। ये लोग शरणार्थियों का स्वागत कर रहे हैं। आखिर अब तक इन लोगों ने किसी भी शरणार्थी को बाहर का रास्ता क्यों नहीं दिखाया? इसके विपरीत, ये लोग हम पर ही आरोप लगाते हैं कि कांग्रेस पार्टी तुष्टिकरण की राजनीति करती है। बांग्लादेशियों को शरण देती है। ये तो आरोप भाजपा की ओर से लगाए जा रहे हैं। वहीं, अभिषेक बनर्जी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने 39 उन सांसदों को नोटिस जारी किया है, जो दूसरे दल में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने इस पूरे मामले को प्रोसेस में डाल दिया है लेकिन कुछ भी होने वाला नहीं है। महाराष्ट्र में हम लोगों ने देखा कि सरकार ने क्या किया? डेढ-दो सालों तक आप इस पर फैसला ही नहीं देते हैं। अब अगर ऐसी स्थिति में आप याचिका पर विचार कर ही लेते हैं, तो इससे क्या ही प्राप्त हो जाएगा। इससे पार्टियों को बहुत बड़ा नुकसान होता है। लिहाजा, सुप्रीम कोर्ट भी दबाव की स्थिति में है। उन्होंने इलाहबाद हाईकोर्ट की ओर से हिजाब के संदर्भ में दिए फैसले पर कहा कि यह देश धर्मनिरपेक्ष है। ऐसी स्थिति में शैक्षणिक संस्थानों के जो नियम हैं, उसे मानने के लिए सभी लोग बाध्य होने चाहिए। उसके साथ किसी भी प्रकार का समझैता नहीं होना चाहिए। धार्मिक मामला व्यक्तिगत होना चाहिए।

कागजी जंजाल खत्म करने की तैयारी, सिंगल फाइल सिस्टम पर होंगे पीडब्ल्यूडी के प्रोजेक्ट

नई दिल्ली। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में परियोजनाओं से जुड़ी कागजी कार्रवाई को कम करने और अलग-अलग स्तरों पर बनने वाली फाइलों की बहुलता से बचने की दिशा में पहल शुरू हो गई है। विभाग अब सिंगल फाइल सिस्टम लागू करने की संभावनाएं तलाश रहा है। इसके लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन हुआ है, जो इस व्यवस्था के कार्यान्वयन को लेकर अपनी रिपोर्ट 15 दिन में सौंपेगी। विभाग के अनुसार, दिल्ली के भौगोलिक क्षेत्र के कॉम्पैक्ट होने को देखते हुए विभाग में कागजी कार्रवाई की बहुलता से बचने के लिए सिंगल फाइल सिस्टम के कार्यान्वयन की संभावनाओं का अध्ययन किया जाएगा। इसके लिए समिति गठित की गई है। समिति को 15 दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश इंजीनियर-इन-चीफ की मंजूरी के बाद जारी किया गया है। सिंगल फाइल सिस्टम लागू होने की स्थिति में किसी परियोजना से संबंधित कागजी प्रक्रिया को एक ही फाइल में करने की दिशा में काम किया जाएगा। इससे एक ही परियोजना से जुड़े दस्तावेजों और पत्राचार के अलग-अलग फाइलों में बंटने की समस्या को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। फिलहाल पीडब्ल्यूडी ने सिंगल फाइल सिस्टम को लागू नहीं किया है। विभाग ने पहले इसकी व्यवहार्यता और कार्यान्वयन की संभावनाओं का अध्ययन करने का फैसला किया है। समिति की रिपोर्ट के बाद यह स्पष्ट होगा कि नई व्यवस्था किस तरह लागू की जा सकती है और किन तरह की परियोजनाओं को इसके दायरे में लाया जाएगा।

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

एम्स व बारापुला फेज-एक समेत तीन फ्लाईओवरों की होगी मरम्मत

नई दिल्ली। दिल्ली में आवागमन की लाइफलाइन माने जाने वाले तीन फ्लाईओवर उम्र बढ़ने के लिए मरम्मत कराई जाएगी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने नेहरू नगर, एम्स और बारापुला फेज-1 फ्लाईओवर की मरम्मत का खाका तैयार किया है। इस काम के लिए चार महीने का समय तय किया गया है। पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने बताया कि एम्स फ्लाईओवर वर्ष 2003, बारापुला फेज-एक और नेहरू नगर फ्लाईओवर वर्ष 2010 में बने थे। वाहनों के लगातार आवागमन और तापमान में बदलाव के कारण फ्लाईओवर के विभिन्न हिस्सों के बीच होने वाले विस्तार और संकुचन को संभालने के लिए लगाए गए एक्सपेंशन जॉइंट और बेयरिंग में समस्या देखी गई है। खराब एक्सपेंशन ज्वाइंट को हटाकर नए सिंगल-स्ट्रिप सील एक्सपेंशन ज्वाइंट लगाए जाएंगे। बेयरिंग की मरम्मत और उनका सुधार किया जाएगा। इसके लिए जहां जरूरत होगी, वहां मौजूदा आरसीसी हिस्से को हटाकर माइक्रो-कंक्रीट डाला जाएगा।

डीयू में स्नातक की सीट स्वीकार करने का आज अंतिम मौका

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में विभिन्न स्नातक प्रोग्राम की खाली सीटों को भरने के लिए शुरू हुए स्पॉट राउंड के तहत आवंटित सीट को स्वीकार करने का आज अंतिम मौका है। छात्र आवंटित सीट को बृहस्पतिवार तक स्वीकार कर सकेंगे। जबकि 29 अगस्त तक फीस का भुगतान करके सीट को पक्का किया जा सकेगा। डीयू ने स्नातक की 13,400 खाली सीटों को भरने के लिए 23 अगस्त से स्पॉट राउंड शुरू किया था। डीयू दाखिला डीन प्रो. हनीत गांधी के अनुसार इन खाली सीटों पर 22,241 हजार पंजीकरण किए गए। इसके आधार पर डीयू ने 5,646 सीटों का आवंटन किया है। अब छात्रों के पास दाखिले का अंतिम मौका है। 31 अगस्त को दाखिला प्रक्रिया पर पूरी तरह से विराम लग जाएगा। यदि इस स्पॉट राउंड के बाद भी सीटें खाली रहती हैं, तो दाखिले नहीं होंगे। सीट आवंटन का पहला राउंड जुलाई में शुरू हुआ था लेकिन अब तक कई कॉलेजों में कई प्रोग्राम की सीटें नहीं भरी हैं। ऐसे में लगातार राउंड आयोजित किए जा रहे हैं।

फर्जी इंस्टा खाता बनाकर बदनाम करने वाला स्टॉकर गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले के साइबर पुलिस ने एक शातिर डिजिटल स्टॉकर जीतू कुमार को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी सोशल मीडिया पर इस्तेमाल करके एक महिला का फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाकर उसको मानसिक रूप से प्रताड़ित और बदनाम कर रहा था। आरोपी महिला के नाम और तस्वीर का इस्तेमाल कर उसके पति व परिचितों को अश्लील सामग्री भेजता था। आरोपी के पास से मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। डीसीपी राहुल अलवाल के मुताबिक, पीड़िता ने पुलिस को शिकायत दी थी कि कोई अज्ञात व्यक्ति बार-बार उसके नाम से फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बना रहा है। जब भी पुलिस या मेटा द्वारा किसी एक अकाउंट को ब्लॉक या डिलीट किया जाता, आरोपी तुरंत उसी नाम और तस्वीर के साथ नया अकाउंट बना लेता था। इस शिकायत पर पुलिस ने आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। टीम ने तकनीकी जांच करते हुए मेटा से फर्जी खातों की जानकारी जुटाई। जांच में सामने आया कि ये सभी अकाउंट एक ही मोबाइल नंबर से बनाए गए थे, जो जीतू कुमार के नाम पर पंजीकृत था।

जामिया में एनएसयूआई का प्रदर्शन, प्रशासन पर जबरदस्ती का आरोप

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया में दाखिला प्रक्रिया और परीक्षा परिणामों को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों को जबरन परिसर से हटाने का एनएसयूआई ने आरोप लगाया है। एनएसयूआई से जुड़े एक छात्र नेता ने कहा कि प्रशासन ने शांतिपूर्ण चल रहे सेंट्रल कैंटीन में अनिश्चितकालीन शांतिपूर्ण धरने पर बैठे छात्रों को अभद्रता की और यहां से हटाया। एनएसयूआई का कहना है कि छात्र दाखिले और परीक्षा परिणामों से जुड़े कथित अनियमितताओं तथा पारदर्शिता की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। संगठन के प्रतिनिधियों ने प्रॉक्टोरियल टीम, डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर और कई शिक्षकों की मौजूदगी में विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ बातचीत भी की थी। हालांकि, संगठन का दावा है कि बातचीत के बावजूद प्रशासन ने छात्रों की मांगें स्वीकार नहीं कीं और न ही कोई ठोस आश्वासन या लिखित प्रतिबद्धता दी।

जलभराव पर दफ्तरों में बैठकर नहीं, मौके पर रहकर संभालें हालात : एलजी

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी में भारी बारिश के बाद जलभराव की स्थिति पर उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने जलभराव को आपदा मानते हुए सभी विभागों और एजेंसियों को युद्धस्तर पर काम करने के निर्देश दिए हैं। एलजी ने साफ कहा कि बाढ़ जैसे हालात में विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ अधिकारी दफ्तरों में बैठकर निगरानी नहीं करेंगे, बल्कि मौके पर मौजूद रहकर राहत और बचाव के काम की जिम्मेदारी संभालेंगे। साथ ही संवेदनशील स्थानों पर पंप लगाने का काम भी तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। एलजी ने देर शाम हुई बैठक में राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में कम समय में हुई भारी और रिकॉर्ड बारिश से पैदा हुए जलभराव की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में दिल्ली जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी, एनडीएमसी, एमसीडी, यातायात पुलिस और प्रशासन समेत संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। एलजी ने निर्देश दिया कि जलभराव की स्थिति को लेकर पूरी सरकारी मशीनरी एक साथ काम करे। विभागों के बीच तालमेल में किसी तरह की कमी नहीं होनी चाहिए। सभी विभागाध्यक्ष और इंजीनियरिंग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी चौबीसों घंटे जमीन पर सक्रिय रहें। बाढ़ की स्थिति में अधिकारी खुद सड़कों पर जाकर राहत कार्यों की निगरानी करेंगे। एलजी ने कहा कि केवल जलभराव के बाद राहत पहुंचाना पर्याप्त नहीं है। ऐसी स्थिति पैदा ही न हो, इसके लिए पहले से तैयारी करनी होगी। उन्होंने शहर के सभी चिन्हित संवेदनशील स्थानों पर पंप लगाने का काम युद्धस्तर पर तेज करने के निर्देश दिए। उनका कहना था कि जलभराव को रोकने के लिए जरूरी संसाधनों की तैनाती में किसी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि मौजूदा स्थिति पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, लेकिन पिछले तीन मानसून की तुलना में हालात बेहतर हैं। बैठक में यह भी बताया गया कि पिछले करीब एक दशक में ड्रेनेज और इससे जुड़ी दूसरी व्यवस्थाओं में हुई अनदेखी से कई पुरानी समस्याएं पैदा हुई हैं। इन विरासत में मिली समस्याओं को पूरी तरह दूर करने में समय लग रहा है। सोशल मीडिया की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई : एलजी ने मीडिया, सोशल मीडिया और दूसरे माध्यमों से मिलने वाली नागरिकों की शिकायतों के तत्काल समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। कार्रवाई केवल कागजों पर नहीं दिखनी चाहिए, बल्कि उसका असर जमीन पर नजर आना चाहिए।

रक्षाबंधन से पहले आनंद विहार बस अड्डे पर उमड़ी भीड़, डेढ़ लाख के करीब पहुंची यात्रियों की संख्या

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आनंद विहार बस अड्डे पर रक्षाबंधन पर घर जाने वाले लोगों की बुधवार को यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ी। बड़ी संख्या में लोग अतिरिक्त छुट्टी लेकर बुधवार को ही अपने घर और गांवों की ओर रवाना हो गए। आम दिनों में आनंद विहार बस अड्डे से रोजाना करीब 80 हजार से एक लाख यात्री सफर करते हैं, लेकिन 26 अगस्त को यात्रियों की संख्या बढ़कर करीब डेढ़ लाख पहुंच गई। इससे बस अड्डे पर दिनभर यात्रियों की आवाजाही और बसों में भीड़ बनी रही। यूपीएसआरटीसी के स्टेशन मास्टर इंद्रपाल ने बताया कि आनंद विहार बस अड्डे से आम दिनों में यूपी रोडवेज की बसों से करीब 35 से 40 हजार यात्री रोजाना सफर करते हैं। बुधवार को यह संख्या बढ़कर करीब 65 से 70 हजार पहुंचने का अनुमान है। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बसों के फेरे बढ़ाने और उपलब्ध बसों का अधिकतम इस्तेमाल करने पर भी जोर रहा। दिल्ली से बदायूं जा रही बस के परिचालक अजब सिंह ने बताया कि आम दिनों में उनकी बस में करीब 25 से 30 यात्री सफर करते हैं, लेकिन बुधवार को बस कुछ ही देर में पूरी भर गई। भीड़ अधिक होने के कारण कुछ यात्रियों को खड़े होकर भी सफर करना पड़ा। यात्री अनिल ने बताया कि ईद मिलाद की छुट्टी बुधवार को है, जबकि 28 अगस्त को रक्षाबंधन की छुट्टी है। ऐसे में उन्होंने बृहस्पतिवार की एक अतिरिक्त छुट्टी लेकर बुधवार को ही गांव जाने का फैसला किया, ताकि त्योहार परिवार के साथ मना सकें। बृहस्पतिवार को बस अड्डे पर भी भीड़ रहने की उम्मीद : रक्षाबंधन को देखते हुए बस अड्डे पर बृहस्पतिवार को भी भीड़ रहने की उम्मीद है। जिन लोगों को किसी वजह से छुट्टी नहीं मिली, उनका पूरा प्रयास रहेगा कि बृहस्पतिवार को दफ्तर समाप्त करने के बाद वह अपने घरों के लिए निकल गए।

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में छात्र-छात्राओं के लिए बनेंगे 24 मंजिला हॉस्टल

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) के छात्र-छात्राओं के रहने की सुविधा बेहतर होगी। उनके लिए अलग-अलग 24 मंजिल के दो हॉस्टलों का निर्माण किया जाएगा। जिनमें पार्किंग के साथ खेल, मनोरंजन और कैंटीन की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इस निर्माण कार्य के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह प्रक्रिया सितंबर माह के अंत तक पूरी हो जाएगी और इसी वर्ष निर्माण कार्य भी शुरू करा दिया जाएगा। विभाग ने ढाई साल में दोनों हॉस्टल बनाकर तैयार करने का लक्ष्य रखा है। इस पर करीब 475 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। पीडब्ल्यूडी के अधिकारी ने बताया कि दोनों हॉस्टल में तीन बेसमेंट बनेंगे। जिसमें पार्किंग की सुविधा होगी। छात्राओं का हॉस्टल 47 हजार वर्ग मीटर में बनेगा। उसमें 1322 छात्राओं के लिए 693 कमरे बनेंगे। इसी तरह छात्रों का हॉस्टल 54 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में बनेगा, जिसमें 1561 छात्रों के रहने के लिए 798 कमरे बनाए जाएंगे। हर कमरे में टॉयलेट अटैच होगा। इसके अलावा दोनों हॉस्टलों के लिए अलग-अलग सब स्टेशन और सुरक्षा भवन भी बनाए जाएंगे। दोनों हॉस्टल में दो फ्लोर पर डाइनिंग व कैफेटेरिया बनेगा। प्रत्येक में फ्लोर पर एक वक्त में 360 छात्र-छात्राओं के बैठने की व्यवस्था होगी। कई टीवी रूम बनाए जाएंगे, जिसमें वे अपने पसंदीदा चैनल के साथ मनोरंजन के लिए कंटेंट देख सकेंगे। रीडिंग रूम बनाए जाएंगे, जिसमें कमरे से अलग जाकर पढ़ाई कर सकेंगे। खेलने के लिए परिसर में भूतल पर मैदान होगा। इसके अलावा कई फ्लोर पर पूल गेम व कैरम खेलने की व्यवस्था होगी। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए ईवी चार्जिंग स्टेशन बनेगा। लिफ्ट की सुविधा होगी। इन हॉस्टलों को दिव्यांगों के अनुरूप बनाया जाएगा। पुराने हॉस्टल की स्थिति पुराने हॉस्टल नहीं पर्याप्तमेडिकल कॉलेज प्रशासन के अनुसार मौजूदा हॉस्टल इमारतें वर्ष 1965 से 1982 के बीच बनी थीं, जो अब काफी पुरानी हो चुकी हैं। पिछले कुछ वर्षों में छात्र-छात्राओं की संख्या लगातार बढ़ी है। पहले जहां हर साल करीब 150 छात्रों का दाखिला होता था, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 250 तक पहुंच गई है।

दिल्ली लक्ष्मी योजना की पहली 2500 महिलाओं को स्वीकृति पत्र दिए गए

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को ह्यदिल्ली लक्ष्मी योजनाह्न की पहली 2,500 लाभार्थी महिलाओं स्वीकृति पत्र प्रदान दिए। इसके बैंक खातों में एक सितंबर को दिल्ली लक्ष्मी योजना पैसा आएंगा। लक्ष्मी योजना के तहत अब तक 9,20,590 रजिस्ट्रेशन और 6,63,215 आवेदन फाइनल रूप से जमा किए गए। तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, कपिल मिश्रा, सांसद और विधायक मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज दिल्ली लक्ष्मी योजना की ऐतिहासिक शुरूआत हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने नारी सशक्तिकरण का जो संकल्प लिया था, आज वह संकल्प दिल्ली की बहनों के जीवन में नई शक्ति बनकर उतरा है। योजना की पहली 2,500 लाभार्थी बहनों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। उन्होंने कहा कि मेरी बहनों, आपकी खुशी ही हमारी खुशी है, आपका विश्वास ही हमारी ताकत है और आपका आशीर्वाद ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार आपके सम्मान, स्वावलंबन और उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी निष्ठा से काम करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी योजनाओं का केंद्र महिलाएं है। महिलाओं के कल्याण के लिए लखपति, फ्री साइकिल और पिंक कार्ड जैसे योजनाएं दिल्ली में चल रही है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के कर्ज को चुकाने में ही हमें एक साल लग गए। इसके बाद भी राजधानी के विकास के लिए अन्य योजनाओं का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने अपने वादे को पुरा करते हुए दिल्ली लक्ष्मी योजना के लिए बजट में 5100 करोड़ रुपये करोड़ रुपये रखे हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि तालकटोरा स्टेडियम में ह्यदिल्ली लक्ष्मी योजनाह्न के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने से देश मजबूत होता है। इसी सोच और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित यह पहल महिलाओं को 2,500 प्रति माह की सीधी आर्थिक सहायता देगी, जिससे उनकी गरिमा, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि ह्यनारी शक्ति को आधुनिक, समावेशी और सशक्त विकसित दिल्ली की नींव बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

दिल्ली में बढ़ते एच1एन1 मामलों पर डीएमए की चिंता, 2,000 से ज्यादा केस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) के बढ़ते मामलों को लेकर दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए) ने चिंता जताई है। एसोसिएशन के अनुसार, दिल्ली में अब तक 2,000 से अधिक एच1एन1 मामले सामने आ चुके हैं। डीएमए ने लोगों से घबराने की बजाय सतर्क रहने और संक्रमण से बचाव के लिए जरूरी सावधानियां अपनाने की अपील की है। डीएमए ने कहा कि वह दिल्ली में इन्फ्लूएंजा की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और संक्रमण से जुड़ी बीमारी और मृत्यु दर की निगरानी कर रही है। मौसमी इन्फ्लूएंजा के मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए लोगों को व्यक्तिगत और श्वसन स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी गई है। एसोसिएशन ने कहा कि खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को रूमाल या टिश्यू से ढकें। साबुन और पानी से नियमित रूप से हाथ धोएं या अल्कोहल आधारित सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। बिना हाथ धोए आंख, नाक और मुंह को छूने से बचें। डीएमए ने भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचने, फ्लू जैसे लक्षण वाले लोगों से दूरी बनाए रखने, पर्याप्त आराम करने, पौष्टिक भोजन और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ लेने की सलाह दी है। सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से बचने और फ्लू के लक्षण होने पर एन95 मास्क पहनने की भी अपील की गई है। डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को अस्पतालों, क्लीनिकों और ओपीडी में मास्क पहनने की सलाह दी गई है। डीएमए ने फ्लू जैसे लक्षण होने पर हाथ मिलाने या गले मिलने से बचने की सलाह दी है। साथ ही बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक या एंटीवायरल दवाएं नहीं लेने और बीमार होने पर रिश्तेदारों व दोस्तों से मिलने से परहेज करने को कहा है। एसोसिएशन ने कहा कि जिन लोगों ने हाल ही में यात्रा की है या ऐसे क्षेत्रों से लौटे हैं जहां इन्फ्लूएंजा के मामले बढ़े हुए हैं, वे कम से कम 10 दिनों तक अपने स्वास्थ्य पर नजर रखें। यदि इस दौरान फ्लू जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें। बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों और सार्वजनिक परिवहन में मास्क का इस्तेमाल करने की भी सलाह दी गई है। डीएमए के अनुसार, दिल्ली सरकार ने मौसमी इन्फ्लूएंजा के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए अस्पतालों में पर्याप्त बेड, डॉक्टर, दवाइयां और जरूरी चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने की तैयारी की है। जिला चिकित्सा अधिकारियों, सर्विलांस अधिकारियों और अस्पतालों को इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी और गंभीर श्वसन संक्रमण के मामलों की स्क्रीनिंग, रिपोर्टिंग और निगरानी के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

दिल्ली पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद झपटमार को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को एक स्नैचिंग (झपटमारी) मामले में 25 साल के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के विश्लेषण और लगभग 30 किलोमीटर लंबे रास्ते की जांच-पड़ताल के बाद की गई। दक्षिण-पश्चिम जिले के सरोजिनी नगर पुलिस स्टेशन की टीम ने नेपाल के रहने वाले आरोपी विकास गुरुंग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान एक चोरी की स्कूटी, सोने का पेंडेंट, चांदी की पायल की एक जोड़ी और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, इस गिरफ्तारी से दिल्ली के अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में दर्ज स्नैचिंग, चोरी और सामान खोने से जुड़े पांच मामलों और घटनाओं को सुलझाने में मदद मिली है। जांच तब शुरू हुई जब 3 अगस्त को सरोजिनी नगर पुलिस स्टेशन में स्नैचिंग की एक घटना के सिलसिले में एफआईआर दर्ज हुई। इस केस को सुलझाने के लिए एक टीम बनाई गई। पुलिस ने बताया कि टीम ने टेक्निकल और फील्ड जांच की, जिसमें स्थानीय पूछताछ और अलग-अलग जगहों से मिले सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच भी शामिल थी। जांच के दौरान, संदिग्ध व्यक्ति और अपराध में इस्तेमाल हुई गाड़ी की पहचान और मूवमेंट का पता लगाने के लिए 100 से ज्यादा उउळश कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच की गई। जांच करने वालों ने अलग-अलग कैमरों के फुटेज को जोड़कर एक लगातार विजुअल ट्रेल बनाया और लगभग 30 किलोमीटर के रास्ते की फिज़िकल तौर पर पुष्टि की। टेक्निकल एनालिसिस और फील्ड वेरिफिकेशन समेत लगातार 16 दिनों की कोशिशों के बाद पुलिस ने गुरुंग की पहचान की और उसे पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने सरोजिनी नगर केस और झपटमारी व चोरी की कई अन्य घटनाओं में अपनी भूमिका कबूल की। पुलिस ने बताया कि वह इन कथित अपराधों को अंजाम देने के लिए चोरी की स्कूटी का इस्तेमाल कर रहा था। पुलिस के मुताबिक, गुरुंग ने 11वीं क्लास तक पढ़ाई की है और 2022 में नौकरी की तलाश में नेपाल से भारत आया था। शुरू में उसने अलग-अलग जगहों पर हाउसकीपर और हेल्पर के तौर पर काम किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने खुलासा किया कि करीब छह महीने पहले, जब वह मुनिरका में रह रहा था, तो उसने एक व्यक्ति को नशे की हालत में एक स्कूटी के पास सोते हुए देखा, जिसकी चाबी इग्निशन में ही लगी हुई थी। उसने गाड़ी चुरा ली और बाद में स्कूटी लेकर करोल बाग रहने चला गया। इसके बाद आरोपी ने अपने खर्च पूरे करने के लिए दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में झपटमारी और चोरी की घटनाओं को अंजाम देने के लिए चोरी की गाड़ी का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया।

डीयू ने सार्वजनिक संपत्ति को गंदा करने की शिकायत के लिए पोर्टल शुरू किया

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) छात्र संघ चुनाव में कैंपस और आसपास के क्षेत्र को पोस्टर, पेंटिंग से बचाने के लिए पोर्टल शुरू किया है। इस पोर्टल पर केवल जियो-टैग्ड फोटो और वीडियो स्वीकार किए जाएंगे और शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। चुनाव के दौरान किसी भी तरह के सार्वजनिक या निजी संपत्ति पर पोस्टर, बैनर, पेंटिंग अथवा अन्य प्रचार सामग्री से विरूपण की सूचना देने के लिए विशेष ऑनलाइन पोर्टल उपलब्ध कराया गया है। पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने वाले व्यक्ति को अपना नाम, मोबाइल नंबर, ई-मेल और पूरा पता और वैध पहचान पत्र भी अपलोड करना होग। डीयू प्रशासन के अनुसार इस पहल के जरिए चुनाव प्रचार के दौरान सार्वजनिक स्थलों और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखने का प्रयास किया जा रहा है। डीयू ने स्पष्ट किया है कि शिकायतकर्ता की ओर से दी गई जानकारी को गोपनीय रखा जाएगा। चुनाव संबंधी शिकायतों और कार्रवाई के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल, लिंगदोह समिति की सिफारिशों तथा दिल्ली हाईकोर्ट के दिशा-निदेर्शों को आधार बनाया गया है। चुनाव अधिकारी कार्यालय ने छात्रों से अपील की है कि वे चुनाव के दौरान दीवारों के बदरंग करने की कोई घटना सामने आने पर उसका प्रमाण उपलब्ध कराते हुए पोर्टल के जरिए सूचना दें। इसके आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

आईआईटी दिल्ली में अब तक 160 छात्रों ने की आत्महत्या व्यवस्था में सुधार के लिए छात्र कर रहे प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली के एमएससी के छात्र ऋषिकेश कुमार की आत्महत्या की घटना के बाद छात्रों द्वारा व्यवस्था में बदलाव को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इसे लेकर आईआईटी-दिल्ली में बीटेक के दूसरे वर्ष के छात्र सक्षम ने सिस्टम में सुधार और छात्रों की सुरक्षा के लिए कड़े उपायों की मांग की है। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश पूर्वांचल कम्युनिटी का हिस्सा थे। आईआईटी-दिल्ली में पूर्वांचल कम्युनिटी द्वारा सरस्वती पूजा आयोजित की जाती है, जिसमें मैं उनसे पहली बार मिला था। पूजा में उन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के साथ स्टेज होस्ट किया था। वह भी बिहार से ही आते थे और पूर्वांचल कम्युनिटी में हमारे एक साथी कार्यकर्ता थे। पूजा में ही मेरी उनसे पहचान और बातचीत हुई थी। ऋषिकेश जी फिजिक्स विभाग से आते थे। इसलिए जब भी मुझे फिजिक्स के प्रोजेक्ट्स में कोई समस्या होती थी, मैं उनसे सहायता लेता था। हालांकि, हम दोनों के बीच काफी पर्सनल कनेक्शन नहीं था कि हम दोनों को एक-दूसरे के निजी जीवन के बारे में जान सकें। हम काम तक ही बात करते थे लेकिन उनकी सुसाइड की खबर मिलने के बाद छात्रों में आक्रोश काफी ज्यादा बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि हम मूल रूप से शिक्षा व्यवस्था के अंदर बदलाव लाना चाहते हैं। यहां बात केवल ऋषिकेश की नहीं है। उनके अलावा पिछले 30 महीनों में जिन सात लोगों ने आत्महत्या की और अब तक जिन छात्रों ने आईआईटी दिल्ली में आत्महत्या की है, हम उनके लिए यह प्रदर्शन कर रहे हैं। यहां बात सिर्फ एक व्यक्ति विशेष की नहीं है बल्कि व्यवस्था की है। हम शिक्षा व्यवस्था में बदलाव की बात कर रहे हैं ताकि इस प्रकार की आत्महत्या की घटनाओं पर रोक लगे। हम इस प्रकार की घटनाओं पर रोक के लिए एक समाधान की मांग कर रहे हैं। दिखावे के लिए किसी इस्तीफे का कोई लाभ नहीं है। इस्तीफे से इस बात की कोई गारंटी नहीं मिलती कि जो दूसरा आएगा, वह इस प्रकार की घटनाओं पर रोक लगा देगा। सक्षम ने कहा कि क्या सरकार एक और छात्र की आत्महत्या का इंतजार कर रही है, जिसके बाद वह व्यवस्था में बदलाव लाएंगे? हम चाहते हैं कि आईआईटी दिल्ली में एक स्वतंत्र मेंटल हेल्थ केयर सेल बनाई जाए, जिसके लिए स्वतंत्र तरीके से सभी प्रकार की सुनवाई हो और उसका एडमिनिस्ट्रेशन से कोई लेनदेन न हो। वहीं, अगर किसी छात्र को लगे कि उसका कोई नहीं सुन रहा, तो मेंटल हेल्थ उसको सुने।

दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन ने एनसीआर में स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई, जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए) ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में स्वाइन फ्लू (एच1एन1) के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई है। खबरों के अनुसार, अब तक 2000 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन दिल्ली में इन्फ्लूएंजा की स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है और इस संक्रमण से होने वाली बीमारी और मौतों की निगरानी कर रही है। इन्फ्लूएंजा के मामलों में मौसमी बढ़ोतरी को देखते हुए डीएमए ने लोगों से सतर्क रहने और बचाव के जरूरी उपाय अपनाने की अपील की है। एसोसिएशन ने लोगों को सलाह दी है कि वे सांस से जुड़ी स्वच्छता का ध्यान रखें, साफ-सफाई बनाए रखें, भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें और इन्फ्लूएंजा के लक्षण दिखने पर समय रहते डॉक्टर की सलाह लें। डीएमए ने स्वाइन फ्लू से संक्रमण से बचने के लिए उपाय बताए हैं। डीएमए ने कहा कि खांसते या छींकते समय अपना मुंह और नाक रूमाल या टिश्यू से ढकें। साबुन और पानी से बार-बार हाथ धोएं या अल्कोहल-बेस्ड हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। बिना धुले हाथों से अपनी आँखों, नाक और मुंह को छूने से बचें। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें, खासकर तब जब इन्फ्लूएंजा का असर ज्यादा हो। एच1एन1 या इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी से पीड़ित लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। इसके अलावा, पर्याप्त आराम करें और अच्छी नींद लें और खूब तरल पदार्थ पिएं और पौष्टिक भोजन करें। दोबारा इस्तेमाल होने वाले रूमाल को ठीक से साफ करें और इस्तेमाल किए गए टिश्यू को सुरक्षित रूप से फेंक दें। सार्वजनिक जगहों पर थूकने से बचें। फ्लू के लक्षण होने पर वायरस को फैलने से रोकने के लिए एन95 मास्क पहनें। हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को खुद को और मरीजों को बचाने के लिए क्लीनिक, अस्पतालों और ओपीडी में मास्क जरूर पहनना चाहिए। डीएमए ने कहा कि दूसरों से मिलते समय हाथ मिलाने या गले मिलने से बचें, खासकर तब जब फ्लू जैसे लक्षण हों। किसी योग्य डॉक्टर की सलाह के बिना दवाएं, खासकर एंटीबायोटिक्स या एंटीवायरल दवाएं न लें। अगर आपको फ्लू जैसे लक्षण हैं, तो संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए रिश्तेदारों, दोस्तों या अन्य लोगों से मिलने से बचें। डीएमए ने इन्फ्लूएंजा के असर वाले इलाकों से लौटने वाले लोगों को सलाह दी है कि वे कम से कम 10 दिनों तक अपनी सेहत पर नजर रखें और अगर उन्हें फ्लू जैसे लक्षण दिखें तो नजदीकी हेल्थ सेंटर पर रिपोर्ट करें। भीड़-भाड़ वाली जगहों, बाजारों और पब्लिक ट्रांसपोर्ट में फेस मास्क का इस्तेमाल करें। दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन के अनुसार, दिल्ली सरकार ने इन्फ्लूएंजा के मामलों में मौसमी बढ़ोतरी से निपटने के लिए अस्पतालों को तैयार करने के कदम उठाए हैं, जिसमें पर्याप्त बेड, डॉक्टर, दवाइयाँ और जरूरी मेडिकल उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) और गंभीर एक्यूट रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन (एसएआरआई) के मामलों की स्क्रीनिंग, रिपोर्टिंग और निगरानी के संबंध में चीफ डिस्ट्रिक्ट मेडिकल ऑफिसर, डिस्ट्रिक्ट सर्विलांस ऑफिसर और अस्पतालों को भी निर्देश जारी किए गए हैं।

अंकित शर्मा हत्याकांड: उम्रकैद की सजा के खिलाफ ताहिर हुसैन ने हाईकोर्ट का किया रुख

नई दिल्ली। दिल्ली दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) हत्या मामले में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन ने निचली अदालत के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। ताहिर हुसैन की अपील पर दिल्ली हाईकोर्ट अगले सप्ताह सुनवाई कर सकता है। आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या 2020 के नॉर्थ ईस्ट दिल्ली दंगों के दौरान दयालपुर इलाके में हुई थी। उनका शव चांदबाग इलाके में एक नाले से बरामद किया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि अंकित के शरीर पर 40 से ज्यादा घाव थे। इस मामले में ताहिर हुसैन समेत 5 लोगों को कड़कड़डूमा कोर्ट ने 31 जुलाई को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। उम्रकैद की सजा के खिलाफ अब ताहिर हुसैन ने हाईकोर्ट का रुख किया है। वहीं, अंकित शर्मा के भाई अंकुर शर्मा ने कहा कि हमारी जंग जारी रहेगी। हमारी लीगल टीम भी काम कर रही है। हाईकोर्ट ताहिर हुसैन जाएंगे तो हम भी हाईकोर्ट में लड़ेंगे और हमें भरोसा है कि हमें जीत मिलेगी। इसके पहले अंकित शर्मा हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा पाए जावेद की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया था। दिल्ली हाईकोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर को होगी। जावेद के वकील ने बताया था कि अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि अभियोजन पक्ष घटना के समय आरोपी की भूमिका साबित करने में विफल रहा। इसके बाद दोषी जावेद ने दिल्ली हाईकोर्ट में निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी है। वहीं, मामले में दोषी ठहराए गए नाजिम और कासिम ने भी निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। 12 अगस्त को जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह और जस्टिस विकास महाजन की बेंच के सामने यह मामला सुना गया। बाद में हाईकोर्ट ने नाजिम और कासिम की सजा के खिलाफ अपील पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया। अदालत ने कहा, हम नोटिस जारी करेंगे। ये अपीलें 13 जुलाई के उस फैसले से जुड़ी हैं जिसके तहत अपील करने वाले को दोषी ठहराया गया था। उन्हें अलग-अलग धाराओं के तहत उम्रकैद की सजा सुनाई गई है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

गुरुग्राम/फरीदाबाद

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, गुरूवार, 27 अगस्त , 2026

संक्षिप्त खबरें

फरीदाबाद : डंपर की टक्कर से दो पुलिसकर्मियों की मौत

फरीदाबाद। फरीदाबाद के सोहना रोड पर बुधवार को तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार दो पुलिसकर्मियों को टक्कर मार दी। हादसे में ट्रैफिक पुलिसकर्मी नवीन और उसके साथी अभिषेक की मौत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों पुलिसकर्मी सडक पर गिर गए। जानकारी के अनुसार नवीन और अभिषेक बाइक पर सवार होकर सोहना रोड से गुजर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों सडक पर जा गिरे। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों घायल पुलिसकर्मियों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद नवीन को मृत घोषित कर दिया। वहीं अभिषेक की भी कुछ समय बाद मौत हो गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की मौत की सूचना मिलने के बाद पुलिस विभाग में भी शोक का माहौल है। पुलिस हादसे की पूरी परिस्थितियों की जांच कर रही है और डंपर ड्राइवर के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

पलवल : 11 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म का आरोप, आरोपी फरार

पलवल। पलवल जिले के हसनपुर थाना क्षेत्र में मस्जिद के एक कमरे में 11 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। बच्ची के पिता मस्जिद में इमाम हैं। आरोप है कि मस्जिद में ठहरे उनके एक रिश्तेदार ने बच्ची को कमरे में बुलाकर वारदात को अंजाम दिया। बच्ची के पिता की शिकायत पर हसनपुर थाना पुलिस ने आरोपित के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत के अनुसार, बच्ची छठी कक्षा में पढ़ती है। बुधवार सुबह वह स्कूल जाने से पहले अपनी मां का मोबाइल फोन चार्ज करने के लिए चार्जर लेने मस्जिद में स्थित अपने पिता के कमरे की ओर गई थी। इसी दौरान वहां ठहरे आरोपित साजिद ने कथित तौर पर बच्ची को पकड़ लिया और कमरे को अंदर से बंद कर उसके साथ दुष्कर्म किया। बताया गया है कि बच्ची के शोर मचाने पर उसके परिजन मौके पर पहुंचे। परिजनों को आता देख आरोपित वहां से फरार हो गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद हसनपुर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया। मामले की जांच एसआई रंजना को सौंपी गई है। जांच अधिकारी ने नाबालिग बच्ची को मेडिकल जांच के लिए जिला नागरिक अस्पताल पलवल पहुंचाया। पुलिस द्वारा मामले से जुड़े तथ्यों और घटनास्थल की जांच की जा रही है। हसनपुर थाना पुलिस के अनुसार, आरोपित की तलाश के लिए टीम लगाई गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपित को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। मामले में पुलिस द्वारा नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

फरीदाबाद में स्वाइन फ्लू के छह केस मिले, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

फरीदाबाद। जिले में स्वाइन फ्लू के मामले बढने लगे हैं। जिला स्वास्थ्य विभाग ने बुधवार को स्वाइन फ्लू के दो नए मामलों की पुष्टि की है। अब तक इस वर्ष स्वाइन फ्लू के छह मामले हो गए हैं। मरीजों का निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग अब संक्रमित मरीजों के परिवार की भी स्वास्थ्य जांच कराएंगे। विभाग ने सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्र प्रभारियों को सतर्क रहने के आदेश दिए हैं। साथ ही बुखार व खांसी के सभी मरीजों की गंभीरता से जांच करने को कहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयंत आहूजा ने बताया कि स्वाइन फ्लू को लेकर घबराने की नहीं, इलाज पर ध्यान देने की जरूरत है। उनका कहना है कि विभाग की टीमें पूरी तरह से अलर्ट है और स्वाइन फ्लू से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना पर तुरंत एक्शन ले रही हैं।

फरीदाबाद : फर्जी सीबीआई अधिकारी बनकर सवा करोड़ की ठगी, छह आरोपित गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर एक वरिष्ठ नागरिक से एक करोड़ 24 लाख 45 हजार रुपये की ठगी करने के मामले में साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने बुधवार को छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान उत्तरप्रदेश निवासी रौनक पाल, राकेश पाल, शुभम राय, अमन दुबे, ओमकार व रणजीत के रुप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी ओमकार व रणजीत बिहार, झारखण्ड व छत्तीसगढ से युवाओं को बुलाकर फर्म का खाता खुलवाते थे तथा आगे ठगो को देते थे। वहीं अमन दुबे फर्म के लिए जगह व कागज तैयार करवाता था। शुभम पाल, राकेश पाल व रोनक पाल तीनों विदेश में बैठे ठगो के साथ टेलीग्राम के जरिए संपर्क में थे और अपने फोन में थर्ड पार्टी ऐप रखते थे। जिससे उनके फोन का एक्सेस ठगो के पास चला जाता था। ठगी की वारदात के समय ओटीपी प्राप्त करने के लिए सिम को फोन में डालकर रखते थे। उसके बाद सिम को निकाल देते थे। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि घटनाक्रम में सात आरोपितों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। बता दें कि सेक्टर-85 फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि पिछले दिनों उसके मोबाइल पर एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने स्वयं को सीबीआई अधिकारी बताया और कहा कि शिकायतकर्ता के नाम से बेंगलुरु में एक बैंक खाता संचालित हो रहा है, जिसका उपयोग मनी लॉन्ड्रिंग और मानव तस्करी जैसे गंभीर अपराधों में किया गया है। ठगों ने उसको गिरफ्तारी और कानूनी कार्रवाई का भय दिखाते हुए उसकी संपत्ति एवं बैंक खातों में जमा धनराशि को जांच एवं सत्यापन के लिए आरबीआई तथा सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार निर्धारित खातों में जमा कराने और जांच पूर्ण होने पर राशि को वापस भेजने बारे कहा गया। ठगो ने आरबीआई, आयकर विभाग तथा सर्वोच्च न्यायालय की मोहर लगे फर्जी दस्तावेज भी शिकायतकर्ता को भेजे। ठगों के झांसे में आकर शिकायतकर्ता ने अप्रैल 2026 में अपने विभिन्न बैंक खातों से अलग-अलग बैंक खातों में कुल एक लाख 24 हजार 45 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिया। बाद में जब उसने अपनी धनराशि वापस लेने के लिए ठगों से संपर्क करने का प्रयास किया तो सभी मोबाइल नंबर बंद मिले।

गुरुग्राम में तोडफोड़ से गुस्साए लोग, लघु सचिवालय के सामने की महापंचायत

-बोले, नहीं टूटने देंगे अपने आशियाने, डीटीपी के रवैये पर जताया रोष

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। डीएलएफ और पुराने गुरुग्राम में चल रही तोडफोड़ की कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। बुधवार को सेंकड़ों मकान मालिक और नागरिक लघु सचिवालय के बाहर एकत्र हुए और प्रशासन के खिलाफ महापंचायत की। महापंचायत में लोगों ने जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) आरएस भाट और नगर निगम के रवैये का कड़ा विरोध किया। लोगों नेआरोप लगाया कि प्रशासन की मिलीभगत से ही कॉलोनियां बसीं, और अब नियमों का हवाला देकर आम लोगों के बने-बनाए मकानों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। लोगों ने कहा कि हरियाणा में आज तक दक्षिण हरियाणा से कोई मुख्यमंत्री नहीं बना, इसलिए गुरुग्राम के लोगों का दर्द कोई नहीं समझ रहा। महापंचायत में मुख्य मांगें रखी गई कि शहर में अब तक बने सभी मकानों और कॉलोनियों को तत्काल प्रभाव से नियमित किया जाए। कोई भी नागरिक अवैध निर्माण के पक्ष में नहीं है, लेकिन बने-बनाए घर किसी भी सूरत में नहीं टूटने दिए जाएंगे। सरकार ने खुद स्टिल्ट प्लस चार और पीजी संचालन जैसे नियम लागू किए हैं, अब अचानक कार्रवाई उत्पीड है। साथ ही कहा कि यदि निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ है तो नगर निगम और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण कंपाउंडिंग फीस के तौर पर जुमार्ना लगा दे। लोग नक्शा पास कराने की फीस और जुमार्ना भरने को तैयार हैं, बस उनके घर सुरक्षित रहें। महापंचायत के अंत में सर्वसम्मति से फैसला लिया गया कि सभी मांगों को लेकर डीसी उत्तम कुमार को ज्ञापन सौंपा जाएगा। चेतावनी दी गई कि यदि तोडफोड़ नहीं रुकी तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

गुरुग्राम के दौलताबाद में पीएचसी बनेगी सीएचसी, सीएम ने दी मंजूरी

प्रात : किरण संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ तथा सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने करनाल जिले के तीन गांवों में नए उप-स्वास्थ्य केंद्र खोलने तथा गुरुग्राम जिले के दौलताबाद स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अपग्रेड करने के महत्वपूर्ण प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बुधवार को बताया कि राज्य सरकार ग्रामीण अंचलों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने करनाल जिले के गांव चांद समंद, खिराजपुर और नलवी कलां में एक-एक नया उप-स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की है। इन नए केंद्रों के खुलने से स्थानीय ग्रामीणों को अपने घर के समीप ही प्राथमिक चिकित्सा और बुनियादी स्वास्थ्य जांच की सुविधाएं आसानी से मिल सकेंगी। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि गुरुग्राम जिले के गांव दौलताबाद स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अपग्रेड करने की भी मंजूरी दे दी है। दौलताबाद पीएचसी के अपग्रेड होने से क्षेत्र के आसपास के दर्जनों गांवों के निवासियों को अब विशेषज्ञ डॉक्टरों, आधुनिक जांच सुविधाओं, बेहतर आपातकालीन सेवाओं तथा अधिक बिस्तरों की सुविधा मिल सकेगी, जिससे उन्हें बड़ी बीमारियों के प्राथमिक इलाज के लिए शहर के दूर-दराज अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

गुरुग्राम में लिव-इन पार्टनर संग रह रहे युवक ने की खुदकुशी

-पुलिस के दरवाजा खटखटाते ही युवक ने खुद को मारी गोली

-बहन राखी बांधने आई थी, कमरे में गर्लफ्रेंड व दोस्त भी थे मौजूद

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। सेक्टर-14 के राजीव नगर गली नंबर-3 में लिव-इन में रह रहे एक युवक ने सुसाइड कर लिया। दावा है कि यूपी पुलिस के चार जवान सिविल वर्दी में उसके कमरे पर आए थे और दरवाजा खटखटाते ही उसने बाथरूम में घुसकर खुद को गोली मार ली। मृतक की पहचान यूपी के बिजनौर निवासी दीगेंद्र (23) के रूप में हुई है। वह यहां अपनी गर्लफ्रेंड के साथ लिव-इन में रहता था। रक्षाबंधन पर उसकी बहन भी राखी बांधने आई हुई थी। उसका दोस्त पंकज भी करीब डेढ़ महीने से उसके साथ ही छिपकर रह रहा था, जो किसी केस में फरार बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह करीब 6 बजे यूपी पुलिस के जवान कमरे पर पहुंचे। कमरा अंदर से बंद था। दरवाजा खटखटाते ही दीगेंद्र और पंकज बाथरूम में चले गए। कुछ देर बाद ही अंदर से गोली चलने की आवाज आई। आवाज सुनते ही यूपी पुलिस के जवान मौके से चले गए। चीख सुनकर आसपास के लोग इक्ठा हो गए और सेक्टर-14 थाना पुलिस को सूचना दी गई। सेक्टर-14 थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने दोस्त पर लगाया हत्या का आरोप परिवार का कहना है कि दीगेंद्र करीब डेढ़ साल पहले गर्लफ्रेंड के साथ गुरुग्राम आया था। इससे पहले वह हरिद्वार में बेकरी का काम करता था। परिजनों ने उसके दोस्त पंकज पर हत्या का शक जताया है। पुलिस के अनुसार दीगेंद्र पर पहले से ही हत्या सहित कई क्रिमिनल केस दर्ज हैं। सेक्टर-14 थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि प्रथम द्दष्टया मामला सुसाइड का लग रहा है। परिजनों के आरोपों और यूपी पुलिस के आने की बात की भी जांच की जा रही है।

गुरुग्राम: आईसीएटी ने मल्टी एक्सल स्लीपर बस के लिए पहला अनुपालन प्रमाण पर किया जारी

-सिनैटी ऑटोमोटिव प्रॉ. लि. को दिया गया प्रमाण पत्र

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। देश के यात्री परिवहन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (आईसीएटी) ने एआईएस-119 और एआईएस-153 के अंतर्गत 15-मीटर मल्टी एक्सल शयनयान बस के लिए अपना प्रथम अनुपालन प्रमाणपत्र जारी किया है। यह प्रमाणन केंद्रीय मोटरयान नियमावली के लागू प्रावधानों के अनुसार किया गया है। यह प्रमाणपत्र सिनैटी ऑटोमोटिव प्रॉ. लि. द्वारा निर्मित 15-मीटर मल्टी एक्सल स्लीपर बस के लिए प्रदान किया गया है। यह उपलब्धि यात्री परिवहन श्रेणी में अनुमत सबसे लंबी बस संरचनाओं में से एक के परीक्षण एवं प्रमाणन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। प्रमाणपत्र औपचारिक रूप से आईसीएटी निदेशक सौरभ दलेला द्वारा सिनैटी ऑटोमोटिव प्रॉ. लि. के प्रबंध निदेशक नरेश कुमार यादव व आईसीएटी अधिकारियों की उपस्थिति में बुधवार को प्रदान किया गया। इस बस को लंबी दूरी के यात्री परिवहन की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। इसमें संरचनात्मक द्दढ़ता, आपातकालीन सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा, यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही तथा यात्रा-सुविधा जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। बस के पूर्ण शयनयान रूप में 42 शयन-स्थान तथा मिश्रित शयनयान रूप में 21 शयन-स्थान और 42 बैठने के स्थान उपलब्ध हैं। यह व्यवस्था लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए सुविधा एवं आराम को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। वाहन का परीक्षण एवं प्रमाणन वाहन सुरक्षा, संरचनात्मक द्दढ़ता, यात्री व्यवस्था एवं यात्रा-सुविधा से संबंधित निर्धारित आवश्यकताओं के अनुरूप किया गया है। इसके लिए संबंधित वाहन मानकों तथा केंद्रीय मोटरयान नियमावली में निर्धारित प्रावधानों का पालन किया गया है।

गुरुग्राम: शराब ठेके से एक करोड़ के गबन का आरोप, कर्मचारी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। सेक्टर-38 स्थित शराब ठेके पर स्टॉक बेचकर करीब एक करोड़ रुपये का गबन कर लिया गया। गबन के मामले में सदर थाना पुलिस ने एक आरोपी कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बुधवार को बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार पांच अगस्त 2026 को ठेका मालिक ने सदर थाने में शिकायत दी थी कि उसके ठेके पर काम करने वाले कर्मचारियों ने शराब का स्टॉक बेच दिया और बिक्री की रकम का गबन कर लिया, जिससे उसे करीब एक करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। शिकायत के बाद आरोपी कर्मचारी ठेका छोडकर फरार हो गए थे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गुरुग्राम से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान प्रदीप उर्फ विक्की, निवासी अग्रवाल मोहल्ला, मैनपुरी, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी में है। रिमांड के दौरान यह पता लगाया जाएगा कि ठेके से कितना स्टॉक बेचा गया, गबन की रकम कहां गई और इस वारदात में और कौन-कौन शामिल है।

चीन से रिश्ते सुधरे तो वीजा, उड़ान व सप्लाई चेन की अड़चनें होंगी कम: दीपक मैनी

–ग्लोबल कंपनियों को मिल सकता है नया प्लेटफॉर्म

–मैन्युफैक्चरिंग और कारोबार को मिलेगी रफ्तार

गुरुग्राम। प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन दीपक मैनी ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की चीन यात्रा को भारत की बदलती आर्थिक और कूटनीतिक रणनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है। भारत रूस, चीन और जापान के साथ अलग-अलग क्षेत्रों में मजबूत रिश्ते बनाकर एक ऐसा संतुलन तैयार कर रहा है, जिसका फायदा आने वाले समय में देश के उद्योग और कारोबार को मिल सकता है। दीपक मैनी ने कहा कि रूस से ऊर्जा, चीन से सीमा पर शांति और जापान से निवेश व तकनीक भारत की आर्थिक रफ्तार को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि चीन के साथ संबंधों में सुधार का सबसे बड़ा फायदा कारोबार के माहौल पर पड़ेगा। सीमा पर लंबे समय तक शांति रहने से भारत और चीन के बीच व्यापारिक गतिविधियों को अधिक स्थिरता मिल सकती है।

गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे पर चलते ट्रक में लगी भीषण आग

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। द्वारका एक्सप्रेसवे पर धनकोट-बसई फ्लाईओवर के पास बुधवार अलसुबह एक चलते ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरा ट्रक आग के गोले में बदल गया। केबिन से धुआं निकलता देख चालक ने समय रहते ट्रक रोककर कूदकर अपनी जान बचा ली। हादसे में चालक को चोट नहीं आई, लेकिन ट्रक और उसमें रखा सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार ट्रक जयपुर हाइवे से दिल्ली की ओर से जा रहा था। जब चालक ट्रक लेकर धनकोट फ्लाईओवर से ठीक पहले पहुंचा तो ट्रक के केबिन से अचानक धुआं निकलने लगा। चालक ने वाहन को सडक किनारे रोककर बाहर छलांग लगा दी। कुछ ही देर बाद इंजन से तेज लपटें उठीं और आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। एक्सप्रेसवे से गुजर रहे लोगों ने पुलिस और फायर विभाग को सूचना दी। सूचना पर बजघेड़ा थाना पुलिस और दमकल की दो गाडियां मौके पर पहुंचीं। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हादसे के कारण एक्सप्रेसवे पर कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित रहा। सुरक्षा के मद्देनजर वाहनों को सर्विस लेन से निकाला गया। बाद में क्रेन से जले हुए ट्रक को हटाकर ट्रैफिक सामान्य किया गया। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग का कारण बताया जा रहा है।

जीएमडीए बनाने की राजनीति करने वाले शहर की बबार्दी पर जवाब दें: पंकज डावर

-बोले, जो गुडगांव की किस्मत बदलने की बात करते थे वे डूबे गुडगांव को देखने तक नहीं आते

-कार्यक्रम में नहीं बुलाने पर गिरता है सम्मान, गुडगांव की बदहाली पर कुछ नहीं होता

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर ने गुरुग्राम की बदहाली पर हरियाणा सरकार के साथ-साथ गुडगांव के सांसद एवं केंद्रीय मंत्री को भी घेरा है। उन्होंने कहा कि अपनी ही पार्टी के नेताओं द्वारा कार्यक्रम में नहीं बुलाए जाने पर जिस नेता का सम्मान गिर जाता है, गुडगांव की बदहाली पर उन्हें ऐसा महसूस नहीं होता। जनता से वोट लेकर दिल्ली जा बैठे सांसद के लिए गुडगांव दूर हो गया है। जिस जनप्रतिनिधि को जनता के साथ खड़े रहना चाहिए, वे जनता से दूर बनाए हुए हैं। पंकज डावर ने कहा कि केंद्र में मंत्री राव इंद्रजीत सिंह कहते थे कि जीएमडीए बनने से गुडगांव की तकदीर सुधर जाएगी। जीएमडीए भी बन गया और गुडगांव को महानगर का भी तमगा मिल गया, मगर हुआ क्या। उन्होंने कहा कि आज राव इंद्रजीत सिंह गुडगांव की बिगड़ी तकदीर पर सिवाय एकाध बैठक के कुछ नहीं करते। अधिकारियों की बैठकें लेकर गुडगांव की जनता को दिखाते हैं कि वे यहां के लिए गंभीर है, मगर गंभीरता की तब पोल खुल जाती है जब मॉनसून की बारिश में गुडगांव डूब जाता है। डूबे गुडगांव को तो वे देखने तक नहीं आते। पंकज डावर ने कहा कि उन्हें अपनी ही पार्टी के नेताओं द्वारा कार्यक्रम में नहीं बुलाने पर सम्मान गिर जाता है, मगर जनता से जो वायदे किए थे उन्हें पूरा नहीं करने पर उनका सम्मान कहीं से भी नहीं गिरता। कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष पंकज डावर ने कहा कि सिर्फ हरियाणा सरकार ही नहीं, बल्कि केंद्र में गुडगांव की नुमाइंदगी करने वाले यहां के सांसद एवं केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी गुडगांव की बदहाली के बराबर के दोषी हैं। बात सिर्फ बरसात में गुडगांव के डूबने की ही नहीं, बल्कि यहां की जनता के लिए अन्य सुविधाओं की भी है। उनकी बेटी हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री हैं, लेकिन गुडगांव का अस्पताल बीमार है। बीमार क्या वह तो मृत अवस्था में है।

गुरुग्राम: जलभराव से निजात के समाधान के लिए पहुंची आईआईटी गांधीनगर की टीम

-आईआईटी गांधीनगर के प्रोफेसर्स ने सुभाष चौक व राजीव चौक का किया दौरा

-उच्च क्षमता वाले स्टोरेज टैंक और इंजेक्शन वेल बनाने की योजना पर होगा काम

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। शहर में जलभराव की समस्या के प्रभावी एवं स्थायी समाधान की दिशा में कार्य तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में बुधवार को आईआईटी गांधीनगर के प्रो. विवेक कपाडिया एवं प्रो. उदित भाटिया ने एमसीजी एवं जीएमडीए अधिकारियों के साथ शहर के जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। एमसीजी अतिरिक्त निगमायुक्त यश जालुका, पार्षद कुलदीप यादव व जीएमडीए के कार्यकारी अभियंता अमित गोदारा ने आईआईटी टीम को विस्तृत जानकारी दी। टीम ने बुधवार को सुभाष चौक एवं राजीव चौक के आसपास के क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान जलभराव की स्थिति, पानी के संग्रहण एवं निकासी की संभावनाओं को देखते हुए स्थायी समाधान के लिए प्रस्तावित तकनीकी व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। जलभराव वाले स्थानों के आसपास उच्च क्षमता के अंडरग्राउंड स्टोरेज टैंक और इंजेक्शन वेल विकसित करने की योजना पर तेजी से कार्य शुरू किया गया है। योजना के तहत बारिश के दौरान आने वाले पानी को पहले स्टोरेज टैंक में एकत्रित करने और इंजेक्शन वेल के माध्यम से पानी को जमीन के भीतर पहुंचाने की व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। 48 से 80 लीटर प्रति सेकंड क्षमता के होंगे इंजेक्शन वेल प्रस्तावित योजना के अनुसार जलभराव संभावित स्थानों पर 48 लीटर प्रति सेकंड से लेकर 80 लीटर प्रति सेकंड क्षमता वाले इंजेक्शन वेल स्थापित किए जाएंगे। इनका उद्देश्य कम से कम समय में अधिक से अधिक वर्षा जल को जमीन के भीतर पहुंचाना होगा। इसके साथ ही स्टोरेज टैंक में बारिश के पानी को तत्काल संग्रहित करने की व्यवस्था की जाएगी, जिससे जलभराव वाले स्थानों पर पानी जमा न हो सके और नागरिकों को परेशानी से राहत मिले। आईआईटी गांधीनगर के प्रोफेसर्स के साथ किए जा रहे इस कार्य का उद्देश्य गुरुग्राम की स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप तकनीकी एवं दीर्घकालिक जल प्रबंधन व्यवस्था विकसित करना है। जलभराव वाले क्षेत्रों के आधार पर स्टोरेज क्षमता और इंजेक्शन वेल की क्षमता तय करने पर काम किया जा रहा है। स्काडा तकनीक से होगी स्मार्ट जल प्रबंधन व्यवस्था गुरुग्राम में प्रस्तावित यह व्यवस्था स्काडा तकनीक आधारित होगी, जिसे सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड से लिंक किया जाएगा। इससे जलस्तर एवं जल प्रबंधन से संबंधित आंकड़ों की बेहतर निगरानी और तकनीकी विश्लेषण में मदद मिलेगी। एमसीजी एवं जीएमडीए का फोकस केवल बारिश के दौरान पानी निकालने तक सीमित न रहकर जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान विकसित करने पर है। स्टोरेज टैंक एवं उच्च क्षमता वाले इंजेक्शन वेल के माध्यम से वर्षा जल के प्रभावी प्रबंधन की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल है।

पलवल : चार्जिंग पर लगाते ही हैक हुआ मोबाइल, चार बैंक खातों से लाखों उड़ाए

पलवल। साइबर ठगों ने सिहौल गांव निवासी एक युवक के मोबाइल फोन को कथित तौर पर हैक कर उसके चार अलग-अलग बैंक खातों से एक लाख 72 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित के अनुसार, उसने 23 अगस्त को अपना मोबाइल फोन चार्जिंग पर लगाया था। इसी दौरान फोन अचानक ऑटोमेटिक अपडेट मोड में चला गया। कुछ देर बाद उसके बैंक खातों से रुपये ट्रांसफर होने लगे। जिला साइबर क्राइम थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। साइबर क्राइम थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि सिहौल निवासी गौरव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 23 अगस्त को उसने अपना मोबाइल फोन चार्जिंग पर लगाया था। इसी दौरान मोबाइल अचानक ऑटोमेटिक अपडेट मोड में चला गया।

☛ रेलयात्री कृपया ध्यान दें! ☛

रक्षाबंधन विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि

रक्षाबंधन त्यौहार के अवसर पर रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा निम्न विशेष रेलगाड़ियां निम्नलिखित समय-सारणी के अनुसार संचालित करने का निर्णय लिया गया है:-

04415/04416 दिल्ली सराय रोहिल्ला - रींगस जं. - दिल्ली सराय रोहिल्ला अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04415		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04416	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	19:10	दिल्ली सराय रोहिल्ला	06:30	----
00.40	----	रींगस जं.	----	02.00

चलने के दिन: 04415 दिल्ली सराय रोहिल्ला से दिनांक 27.08.2026 एवं 28.08.2026 को एवं **04416 रींगस जं.** से दिनांक 28.08.2026 एवं 29.08.2026 को।
ठहराव: दिल्ली छावनी, गुड़गाँव, पटौदी रोड, रेवाड़ी जं., नारनौल एवं नीम का थाना स्टेशन।
स्थान: सामान्य श्रेणी।

04012/04011 दिल्ली जं. - वाराणसी जं. - दिल्ली जं. विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (वाया नई दिल्ली) — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04012		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04011	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	21:10	दिल्ली जं.	10:20	----
11:45	----	वाराणसी जं.	----	19:50

चलने के दिन: 04012 दिल्ली जं. से दिनांक 27.08.2026 को एवं **04011 वाराणसी जं.** से दिनांक 28.08.2026 को।
ठहराव: नई दिल्ली, गाज़ियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद जं., रामपुर, बरेली जं., शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ जं. एवं सुलतानपुर जं. स्टेशन।
स्थान: प्रथम वाता., वाता-2 टीयर, वाता-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

04546/04545 चण्डीगढ़ जं. - लखनऊ जं. - चण्डीगढ़ जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04546		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04545	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	19:40	चण्डीगढ़ जं.	02:10	----
09:30	----	लखनऊ जं.	----	13:00

चलने के दिन: 04546 चण्डीगढ़ जं. से दिनांक 27.08.2026 को एवं **04545 लखनऊ जं.** से दिनांक 28.08.2026 को।
ठहराव: अम्बाला छावनी, बराड़ा, जगाधरी वर्कशॉप, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर जं., मुरादाबाद जं., बरेली जं., शाहजहाँपुर एवं हरदोई स्टेशन।
स्थान: वाता-2 टीयर, वाता-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

उपरोक्त रेलगाड़ी के मार्ग में आने वाले ठहरावों और समय-सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट: www.enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें:- www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
2957/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सम्पादकीय

शिक्षित राष्ट्र के बिना विश्व गुरु की अवधारणा बेमानी

हमारे देश में पिछले एक दशक से भारत को विश्वगुरु बनाने का ढोल पीटा जा रहा है। इसी विमर्श के समानांतर इस समय देश में शिक्षा को लेकर भी बड़ी बहस छिड़ी हुई है। अतः इसी सन्दर्भ में यह सवाल भी जरूरी हो गया है कि क्या शिक्षा के बिना या शिक्षित हुये बिना भी भारत विश्वगुरु बन सकता है ? नीति आयोग और शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि पिछले एक दशक में देशभर में लगभग 94,000 सरकारी स्कूल या तो पूरी तरह बंद किये जा चुके हैं या उनका अन्य स्कूलों में विलय कर दिया गया है। ।वक्रूए अर्थात यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफोर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन के हालिया आंकड़े व नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, एक साल के भीतर देश भर में 4,791 स्कूल बंद हुए हैं। इसकी वजह से शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी निजी स्कूलों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। परिणामस्वरूप शिक्षा गरीबों की पहुँच से दूर हो चुकी है। और जो स्कूल चल भी रहे हैं उनमें से अधिकांश की हालत किसी से छुपी नहीं है। यहाँ अक्टूबर 2022 की गुजरात की उस घटना का जिक्र भी प्रासंगिक है जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गांधीनगर के अडालज में ह्यमिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंसह्न के शुभारंभ के दौरान अस्थाई रूप से बनाये गये एक मॉडल क्लासरूम में बच्चों के साथ बैठे नजर आये थे। सरकार के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य गुजरात के सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब और डिजिटल बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करना बताया गया था। उस समय विपक्षी नेताओं ने दावा किया कि प्रधानमंत्री जिस क्लासरूम में बैठे थे, वह एक अस्थायी या कृत्रिम क्लासरूम था। संबंधित तस्वीरों का हवाला देते हुए दीवारों और खिड़कियों के पेंटिंग के स्टिकर होने का दावा किया गया था और इसे ह्यफोटो शूटह्न करार दिया था। परन्तु अधिकारियों ने इसके जवाब में यह कहा था कि यह आगामी डिजिटल स्मार्ट स्कूलों का एक मॉडल प्रस्तुतीकरण था जो यह प्रदर्शित करने के लिए था कि भविष्य के क्लास रूम कैसे नजर आयेंगे। तो सवाल यह है कि गत चार वर्षों में मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस योजना के तहत अब तक उन मॉडल क्लासरूम की तरह देश में कितने आधुनिक क्लासरूम व आधुनिक स्कूल बनाये गये ? दूसरी ओर इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार के दौरान अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प ने 25 फरवरी 2020 को नई दिल्ली के मोतीबाग स्थित सर्वोदय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दौरा किया था। दिल्ली के सरकारी स्कूलों और यहाँ की शिक्षा व्यवस्था को देखने के लिए कई अन्य विदेशी मेहमान और प्रतिनिधिमंडल भी आ चुके हैं। समय-समय पर विभिन्न देशों के शिक्षाविद, राजनयिक और प्रतिनिधिमंडल दिल्ली के सरकारी स्कूलों की बुनियादी संरचना, कक्षाओं और शैक्षणिक गतिविधियों का निरीक्षण करने दिल्ली आते रहे हैं। क्या इसी तरह के आधुनिक सरकारी स्कूल पूरे देश में संचालित नहीं हो सकते ? क्या वजह है कि देश के अधिकांश राज्यों में अनेकानेक सरकारी स्कूल भवन जर्जर हैं ? कहीं स्कूल में भैंसों के तबेले हैं तो कहीं पेड़ के नीचे व खुले आसमान तले क्लास लगाई जा रही है। कहीं क्लासरूम नहीं। कहीं अध्यापक नहीं तो कहीं बिजली व पीने का पानी नहीं तो कहीं शौचालय नहीं। कहीं बच्चे रोज नदी पार कर स्कूल आते जाते हैं तो कहीं कीचड़ और दलदल भरी गड्ढेदार सड़कों से गुजर कर स्कूल आना जाना होता है। यदि देश की सरकारें शिक्षा के प्रति गंभीर होतीं और उनका भारत को विश्वगुरु बनाने का ढिंढोरा महज ढोल पीटना न होता तो आज सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले को महाराष्ट्र में शिक्षा पर घटते बजट और सरकारी मराठी माध्यम के स्कूलों के बंद होने पर गहरी चिंता जताते हुये यह न कहना पड़ता कि ह्ननासिक कुंभ मेले के लिए लगभग 32,000 करोड़ का भारी-भरकम बजट तय किया गया है। अगर इस राशि का मात्र 0.1% यानी लगभग 32 करोड़ भी शिक्षा पर खर्च किया जाता, तो राज्य के 100 से 125 बंद हो रहे मराठी स्कूलों को बचाया जा सकता था। आखिर जस्टिस प्रसन्ना को क्यों कहना पड़ा कि देश में छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन शिक्षा का बजट बढ़ने के बजाय घट रहा है, जो पिछले कई वर्षों से 13% के आंकड़े को भी नहीं छू सका है । उन्होंने गढ़चिरौली की एक घटना का उदाहरण भी दिया जहां जरूरी सुविधाओं की कमी के कारण फर्श पर सोने की वजह से तीन छात्राओं की सांप के काटने से मौत हो गई थी। जस्टिस प्रसन्ना ने यह भी बताया कि उन्होंने स्वयं 10वीं कक्षा तक की पढ़ाई जिला परिषद के मराठी मीडियम स्कूल से की थी, जिसने उनके करियर में कभी बाधा नहीं डाली बल्कि उनके दृष्टिकोण को और व्यापक बनाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि प्राथमिक शिक्षा और स्वास्थ्य हर नागरिक का मूलभूत अधिकार है।

बदलते समय का रक्षाबंधन

डॉ. सत्यवान सौरभ

रक्षाबंधन का धागा सिर्फ कलाई पर नहीं, दिल पर बंधता है। यह एक वादा है—साथ निभाने का, सुरक्षा का और बिना कहे समझ लेने का। बहन की राखी में वह मासूम दुआ होती है, जो शब्दों में नहीं कही जाती और भाई की आँखों में वह संकल्प होता है, जो हर चुनौती से लड़ने का हौसला देता है। समय चाहे जितना बदल जाए, दूरियाँ कितनी भी बढ़ जाएँ, यह धागा हर बार रिश्तों की गर्माहट लौटा लाता है। रक्षाबंधन महज एक उत्सव नहीं, बल्कि एक एहसास है—जो हर वर्ष हमें अपने रिश्तों की ओर लौटने का अवसर देता है। भारत विविधताओं से भरा देश है, जहाँ हर त्योहार केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं होता, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रिश्तों को भी मजबूत करता है। इन्हीं विशेष पर्वों में से एक है रक्षाबंधन, जो भाई-बहन के रिश्ते की मिठास, प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। हालांकि बदलते समय, समाज, तकनीक और सोच के साथ रक्षाबंधन के मायने भी बदल रहे हैं। यह परिवर्तन केवल रस्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि इस पर्व की आत्मा, उद्देश्य और सामाजिक संदर्भ में भी स्पष्ट दिखाई देता है। रक्षाबंधन की जड़ें भारतीय इतिहास, पौराणिक कथाओं और सामाजिक परंपराओं में गहराई से जुड़ी हुई हैं। द्रौपदी और श्रीकृष्ण की कथा हो या रानी कर्णावती द्वारा हुमायूँ को राखी भेजने की लोकप्रिय ऐतिहासिक कथा—राखी लंबे समय से स्नेह, विश्वास और संरक्षण के भाव से जुड़ी रही है। परंपरागत रूप से बहन भाई की कलाई पर राखी बाँधती थी और भाई उसकी रक्षा करने का संकल्प लेता था। इस रिश्ते में प्रेम, विश्वास और समर्पण की गहरी भावना निहित थी। लेकिन आज रक्षाबंधन का दायरा केवल रक्त संबंधों तक सीमित नहीं रहा। कई महिलाएँ अपने मित्रों, सहकर्मियों, शिक्षकों, सैनिकों और यहाँ तक कि प्रकृति को भी राखी बाँधती हैं। यह बदलाव बताता है कि रक्षा अब केवल किसी एक व्यक्ति का दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक जिम्मेदारी का व्यापक भाव बन चुकी है। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन यह है कि रक्षा का रिश्ता अब एकतरफा नहीं रहा। आज बहनें भी अपने भाइयों से कहती हैं—मैं भी तेरी रक्षा करूँगी। यह वाक्य बदलते सामाजिक संबंधों की पूरी तस्वीर सामने रखता है। भाई और बहन दोनों एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी, सहायक और संरक्षक हो सकते हैं। तकनीक ने भी रक्षाबंधन मनाने के तौर-तरीकों को बदल दिया है। पहले राखी भेजने के लिए डाकघर जाना पड़ता था, जबकि आज डिजिटल राखियाँ, वीडियो कॉल, ऑनलाइन गिफ्टिंग और वर्चुअल समारोह रिश्तों को जोड़ने के नए माध्यम बन गए हैं। विदेशों या दूर-दराज के शहरों में रहने वाले भाई-बहन भले शारीरिक रूप से एक-दूसरे से दूर हों, लेकिन वीडियो कॉल के माध्यम से राखी बाँधने और शुभकामनाएँ देने की परंपरा ने दूरी को कम करने का नया रास्ता दिया है। कुछ लोग डिजिटल माध्यमों को भावनाओं की कमी से जोड़ सकते हैं, लेकिन वास्तविकता यह भी है कि तकनीक ने दूरियों के बीच भावनात्मक संपर्क बनाए रखना आसान किया है। माध्यम बदला है, भावना नहीं। उपहारों के संदर्भ में भी रक्षाबंधन की परंपरा बदल रही है। पहले भाई द्वारा बहन को मिठाई और उपहार देना प्रेम की अभिव्यक्ति माना जाता था। आज कई बहनों की प्राथमिकता अलग है। वे कहती हैं—भैया, गिफ्ट नहीं चाहिए, थोड़ा समय चाहिए; फुर्सत चाहिए; समझ चाहिए। यह बदलाव आधुनिक महिला की बदलती आकांक्षाओं को दर्शाता है। आज की बहन आत्मनिर्भर है। वह केवल आर्थिक उपहार नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा, मानसिक सहयोग, सम्मान, संवाद और बराबरी की भागीदारी चाहती है। इसलिए रिश्तों में वस्तुओं की जगह समय और संवेदनशीलता का महत्व बढ़ रहा है। परंपरागत रूप से रक्षाबंधन का अर्थ था—भाई बहन की रक्षा करेगा। आज यह अवधारणा व्यापक हो रही है। लड़कियाँ आत्मनिर्भर हैं और अपने भाइयों की आर्थिक, भावनात्मक, शैक्षणिक तथा सामाजिक रूप से मदद कर रही हैं। भाई भी बहनों के सपनों और निर्णयों का साथ दे रहे हैं। इस प्रकार रक्षाबंधन अब केवल संरक्षण का नहीं, बल्कि परस्पर सहयोग और साझेदारी का पर्व बनता जा रहा है। इसी बदलाव का एक सुंदर विस्तार प्रकृति और समाज के प्रति जिम्मेदारी में भी दिखाई देता है।

चीनी की मिठास पर महंगाई की कड़वाहट

वैश्विक चीनी कीमतों का भी चीनी की कीमतों और बाजार की भावना पर प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, इस पूरी कहानी का एक महत्वपूर्ण पहलू देश का इथेनॉल अनिवार्य नियम है। भारत में पेट्रोल में इथेनॉल का मिश्रण एक क्रमिक प्रक्रिया रही है, जिसके तीन उद्देश्य हैं: आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करना, किसानों को एक और बाजार उपलब्ध कराना और चीनी मिलों को आय का एक और स्रोत प्रदान करना। इसलिए, चीनी की कीमतों में वृद्धि का एकमात्र कारण इथेनॉल को नहीं माना जाना चाहिए। लेकिन घरेलू चीनी की उपलब्धता पर इसके प्रभाव को नजरअंदाज करना भी एक गलती होगी अगर उपलब्ध चीनी का इस्तेमाल इथेनॉल उत्पादन के लिए किया जाता है, तो चीनी की कीमतों पर और दबाव पड़ सकता है, जिससे घरेलू चीनी भंडार प्रभावित होंगे। अब सरकार के नीतिगत फैसलों की असली परीक्षा है। खाद्य मुद्रास्फीति का सीधा असर परिवारों पर पड़ेगा, और ऊर्जा सुरक्षा एक दीर्घकालिक लक्ष्य है। इथेनॉल कार्यक्रम को बंद करने की मांग नहीं की जा रही है, बल्कि इसे बाजार की स्थितियों के अनुरूप ढालने के लिए अधिक लचीला बनाने की मांग की जा रही है।

डॉ. प्रियंका सौरभ
(लेखक)

भारत में त्योहारों का मौसम न केवल साल का एक खास समय होता है, बल्कि जीवन का भी एक अहम हिस्सा होता है। मिठाइयाँ, पारंपरिक भोजन, धार्मिक अनुष्ठान, मेहमाननवाजी और उपभोग में बढ़ोतरी। यही कारण है कि चीनी की कीमतों में हाल ही में हुई बढ़ोतरी पर गहराई से नजर डालना बेहद जरूरी है। कुछ शहरों में खुदरा चीनी की कीमतें 42-45 से बढ़कर 62-65 हो जाना और थोक व मिल से चीनी की कीमतें ऊँची बनी रहना, इसे महज एक मौसमी घटना कहना बहुत सरल व्याख्या होगी। यहाँ एक बड़ा नीतिगत मुद्दा है: क्या भारत खाद्य अनाज, कच्चे माल और ऊर्जा नीति के एक हिस्से के रूप में चीनी के बीच सही संतुलन बना पा रहा है? लागत में वृद्धि कई कारकों के कारण होती है। पहला कारण मौसमी मांग है—यानी गर्मियों में होने वाली अतिरिक्त मांग। त्योहारों के दौरान चीनी की खपत में उल्लेखनीय वृद्धि होती है, जिससे आपूर्ति पर भारी दबाव पड़ता है। वहीं दूसरी ओर, चीनी उत्पादन के मौसम के अंत में चीनी मिलों में स्टॉक कम होने लगता है, जिससे आपूर्ति और मांग का अंतर कम हो जाता है। वैश्विक चीनी कीमतों का भी चीनी की कीमतों और बाजार की भावना पर प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, इस पूरी कहानी का एक महत्वपूर्ण पहलू देश का इथेनॉल अनिवार्य नियम है। भारत में पेट्रोल में इथेनॉल का मिश्रण एक क्रमिक प्रक्रिया रही है, जिसके तीन उद्देश्य हैं: आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करना, किसानों को एक और बाजार उपलब्ध कराना और चीनी मिलों को आय का एक और स्रोत प्रदान करना। इसलिए, चीनी की कीमतों में वृद्धि का एकमात्र कारण इथेनॉल को नहीं माना जाना चाहिए। लेकिन घरेलू चीनी की उपलब्धता पर इसके प्रभाव को नजरअंदाज करना भी एक गलती होगी अगर उपलब्ध चीनी का इस्तेमाल इथेनॉल उत्पादन के लिए किया जाता है, तो चीनी की कीमतों पर और दबाव पड़ सकता है, जिससे घरेलू चीनी भंडार प्रभावित होंगे। अब सरकार के नीतिगत फैसलों की असली परीक्षा है। खाद्य मुद्रास्फीति का सीधा असर परिवारों पर पड़ेगा, और ऊर्जा सुरक्षा एक दीर्घकालिक लक्ष्य है। इथेनॉल कार्यक्रम को बंद करने की मांग नहीं की जा रही है, बल्कि इसे बाजार की स्थितियों के अनुरूप ढालने के लिए अधिक लचीला बनाने की मांग की जा रही है। घरेलू चीनी भंडार स्थिर होने पर, इथेनॉल उत्पादन के लिए अधिक गुंजाइश रखी जा सकती है। हालांकि, खाद्य आपूर्ति सीमित होने और कीमतें बढ़ने की आशंका को देखते हुए, घरेलू खाद्य उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अल्पकालिक अनुकूलन उपायों के लिए गुंजाइश होनी चाहिए। सरकार द्वारा 10 लाख टन चीनी के आयात और स्टॉक सीमा जैसे अन्य उपायों की घोषणा से त्योहारी मौसम से पहले बाजार को कुछ समय के लिए राहत मिलेगी और बाजार में स्थिरता आएगी। लेकिन एक सवाल उठता है जिस पर विचार करना जरूरी है: क्या कीमतें बढ़ने के बाद ही हस्तक्षेप करना चाहिए? कृषि उत्पादों से संबंधित नीतियों की प्रभावशीलता का एक संकेतक कमी का पूवार्नुमान लगाने की क्षमता है। यदि सरकार के पास उत्पादन, घरेलू खपत और इथेनॉल की ओर संभावित बदलाव का विश्वसनीय अनुमान हो, तो संभावित स्टॉक की कमी का आसानी से पता लगाया जा सकता है। इसलिए चीनी आयात को केवल एक प्रतिक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि एक नीतिगत दृष्टिकोण के रूप में देखा जाना चाहिए, जो पूवार्नुमानित और समयबद्ध हो। अनावश्यक आयात किसानों और मिलों के लिए हानिकारक हो सकता है और उत्पाद की कमी होने पर इससे बचना चाहिए; हालांकि, आवश्यकता पड़ने पर आयात न करने से उपभोक्ता को अधिक कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। पारदर्शिता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कमोडिटी बाजार केवल बाजार में उपलब्ध वस्तुओं तक ही सीमित नहीं है; यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि बाजार में उनकी छवि कैसी है। देश के भंडार की स्थिति जाने बिना, व्यापारी और उपभोक्ता अटकलों, अफवाहों और अपेक्षाओं से प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए, सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इथेनॉल के उत्पादन, भंडार, खपत और डायवर्जन से संबंधित अधिक विश्वसनीय और नियमित जानकारी उपलब्ध हो। अधिक जानकारी से जमाखोरी और कृत्रिम कमी का पता लगाने में मदद मिलेगी और नीति निमार्ताओं को किसी भी वास्तविक कमी के बारे में प्रारंभिक चेतावनी मिल सकेगी। कुछ मामलों में, स्टॉक सीमा आवश्यक हो सकती है, लेकिन केवल स्टॉक सीमा ही बाजार की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। चीनी की बढ़ती कीमतों का एक और पहलू सामाजिक प्रभाव है। खाद्य मुद्रास्फीति का असर अक्सर सभी पर समान रूप से नहीं पड़ता। प्रति किलोग्राम कुछ रुपये की अतिरिक्त कीमत भी निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के बजट पर भारी पड़ सकती है, जबकि उच्च आय वर्ग के परिवार शायद इसे वहन कर सकें। यह त्योहारों के मौसम की बात है, जब भोजन और मिठाइयों पर खर्च का दबाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। छोटे मिठाई की दुकानों, बेकरियों और स्थानीय खाद्य व्यवसायों के लिए एक और चुनौती है। बड़ी कंपनियों के विपरीत, उनके पास कच्चे माल की लगातार बढ़ती लागत को वहन करने के लिए पर्याप्त क्षमता नहीं होती है।

वंदेमातरम - राष्ट्र भावना, इतिहास और सियासत

बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की रचना ने भारत की धरती को मां के रूप में देखने और उसके प्रति श्रद्धा व्यक्त करने की भावना को व्यापक बनाया। स्वतंत्रता आंदोलन में यह गीत अंग्रेजी शासन के विरुद्ध राष्ट्रीय चेतना का महत्वपूर्ण प्रतीक बना। इसलिए वंदेमातरम को केवल शब्दों और धुनों में सीमित कर देना उसके ऐतिहासिक महत्व को छोटा करना होगा। इसके साथ स्वतंत्रता संग्राम की स्मृतियां, बलिदान की कहानियां और देश के प्रति भावनात्मक समर्पण जुड़ा हुआ है। लेकिन किसी भी राष्ट्रीय प्रतीक का सम्मान तभी सार्थक होता है, जब उसे राजनीतिक हथियार बनाने के बजाय राष्ट्रीय एकता के सूत्र के रूप में देखा जाए। वर्तमान राजनीतिक विवाद का सबसे गंभीर प्रश्न यही है कि क्या राष्ट्रवाद किसी एक राजनीतिक दल की संपत्ति हो सकता है? भारत का राष्ट्रवाद किसी पार्टी के कार्यालय से पैदा नहीं हुआ। इसकी जड़ें हजारों वर्षों की सांस्कृतिक चेतना, स्वतंत्रता आंदोलन, संविधान और देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाओं में हैं। भारतीय जनता पार्टी ने अपने राजनीतिक विकास के साथ राष्ट्रवाद और सनातन सांस्कृतिक चेतना को अपनी राजनीति का प्रमुख आधार बनाया। दूसरी ओर कांग्रेस की राजनीति का स्वर समय के साथ बदलता रहा है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

मानवीय जीवन में जब अहंकार को हकीकत से बड़ा बना दिया जाता है, सत्य सामने दिखाई देने के बावजूद लोभ या स्वार्थ के कारण असत्य का साथ दिया जाता है और पूर्वजों की कृतियों को क्षुद्र राजनीतिक या व्यक्तिगत हितों की अग्नि में स्वाहा किया जाता है, तब दुर्भाग्य को आमंत्रण मिलता है। धर्मग्रंथों और भारतीय चिंतन परंपरा का मूल संदेश भी यही है कि सत्य, मयार्दा और कर्तव्य को क्षणिक स्वार्थ से ऊपर रखना चाहिए। आज भारतीय राजनीति जिस दौर से गुजर रही है, उसमें यह सवाल और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। राष्ट्र भावना जैसे विषय भी राजनीतिक दलों की विचारधारात्मक प्रतिस्पर्धा के केंद्र में आते जा रहे हैं। वंदेमातरम इसका सबसे प्रमुख उदाहरण बनता दिखाई दे रहा है। जिस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान करोड़ों भारतीयों में मातृभूमि के प्रति भाव जगाया, वही आज राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है। वंदेमातरम का इतिहास भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से गहराई से जुड़ा हुआ है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की रचना ने भारत की धरती को मां के रूप में देखने और उसके प्रति श्रद्धा व्यक्त करने की भावना को व्यापक बनाया। स्वतंत्रता आंदोलन में यह गीत अंग्रेजी शासन के विरुद्ध राष्ट्रीय चेतना का महत्वपूर्ण प्रतीक बना। इसलिए वंदेमातरम को केवल शब्दों और धुनों में सीमित कर देना उसके ऐतिहासिक महत्व को छोटा करना होगा। इसके साथ स्वतंत्रता संग्राम की स्मृतियां, बलिदान की कहानियां और देश के प्रति भावनात्मक समर्पण जुड़ा हुआ है। लेकिन किसी भी राष्ट्रीय प्रतीक का सम्मान तभी सार्थक होता है, जब उसे राजनीतिक हथियार बनाने के बजाय राष्ट्रीय एकता के सूत्र के रूप में देखा जाए। वर्तमान राजनीतिक विवाद का सबसे गंभीर प्रश्न यही है कि क्या राष्ट्रवाद किसी एक राजनीतिक दल की संपत्ति हो सकता है? भारत का राष्ट्रवाद किसी पार्टी के कार्यालय से पैदा नहीं हुआ। इसकी जड़ें हजारों वर्षों की सांस्कृतिक चेतना, स्वतंत्रता आंदोलन, संविधान और देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाओं में हैं। भारतीय जनता पार्टी ने अपने राजनीतिक विकास के साथ राष्ट्रवाद और सनातन सांस्कृतिक चेतना को अपनी राजनीति का प्रमुख आधार बनाया। दूसरी ओर कांग्रेस की राजनीति का स्वर समय के साथ बदलता रहा है। कभी उसका राष्ट्रवादी स्वर स्वतंत्रता आंदोलन का प्रमुख आधार था, तो बाद के दशकों में उसने धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और विविधता को अपनी राजनीतिक पहचान के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में सामने रखा। यह राजनीतिक दृष्टिकोणों का अंतर हो सकता है, लेकिन राष्ट्र को किसी दल की वैचारिक सीमा में बांध देना उचित नहीं होगा। वंदेमातरम को लेकर कांग्रेस की ओर से ऐतिहासिक संदर्भ, 1937 के निर्णय और समावेशिता का तर्क सामने आता है। इतिहास को समझने के लिए इन संदर्भों की चर्चा निश्चित रूप से होनी चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि क्या इतिहास का कोई पुराना निर्णय आज की राष्ट्रीय भावना के लिए अंतिम और अपरिवर्तनीय राजनीतिक हथियार बन सकता है? 1937 में परिस्थितियां अलग थी। स्वतंत्रता आंदोलन अपने निर्णायक चरण में था। विभिन्न समुदायों और राजनीतिक धाराओं को साथ लेकर चलने की आवश्यकता थी। उस समय वंदेमातरम के कुछ अंशों को लेकर जो राजनीतिक समझ बनी, उसका अपना ऐतिहासिक संदर्भ था। आज परिस्थितियां अलग हैं। भारत एक स्वतंत्र, संप्रभु और लोकतांत्रिक गणराज्य है। उसके पास अपना संविधान है, संसद है और लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं। इसलिए इतिहास को समझना चाहिए, लेकिन इतिहास को वर्तमान राजनीति का स्थायी हथियार बनाना कितना उचित है, यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में सरकार के फैसलों का विरोध विपक्ष का अधिकार ही नहीं, बल्कि उसकी जिम्मेदारी भी है। सरकार गलत करे तो विपक्ष को सवाल उठाने चाहिए। संसद में बहस होनी चाहिए। जनता के बीच वैकल्पिक दृष्टिकोण रखा जाना चाहिए। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब विरोध का आधार केवल यह रह जाए कि फैसला सरकार ने किया है। यदि कोई निर्णय राष्ट्रीय हित में है, तो केवल इसलिए उसका विरोध नहीं किया जा सकता है कि उसे विरोधी दल की सरकार ने लिया है। इसी प्रकार यदि सरकार कोई गलत निर्णय लेती है, तो केवल इसलिए उसका समर्थन नहीं किया जा सकता कि वह अपनी पार्टी की सरकार है। राष्ट्रहित को दलहित से ऊपर रखने की कसौटी यहीं से शुरू होती है। वंदेमातरम के मामले में सबसे अधिक चिंता इस बात की होनी चाहिए कि कहीं राष्ट्रीय भावना राजनीतिक ध्रुवीकरण की शिकार न हो जाए। भाजपा के लिए यह राष्ट्र सम्मान और राष्ट्रवाद का प्रश्न हो सकता है। कांग्रेस इसे ऐतिहासिक परंपरा, संवैधानिकता और समावेशिता के संदर्भ में देख सकती है। अन्य दलों के अपने दृष्टिकोण हो सकते हैं। लेकिन आम भारतीय के लिए वंदेमातरम इन राजनीतिक व्याख्याओं से कहीं बड़ा है। एक किसान के लिए राष्ट्र उसकी मिट्टी है। एक सैनिक के लिए राष्ट्र उसकी मातृभूमि है। एक विद्यार्थी के लिए राष्ट्र उसके सपनों का भविष्य है। एक श्रमिक के लिए राष्ट्र उसकी मेहनत का मैदान है। एक नागरिक के लिए राष्ट्र उसके अधिकारों और कर्तव्यों का साझा घर है। इसलिए राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से बचाना सभी दलों की जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक और महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है कि क्या संसद और संसद द्वारा बनाए गए कानून व्यक्तिगत अथवा दलगत हितों से ऊपर हैं? लोकतंत्र का उत्तर स्पष्ट है कि हां। संसद जनता की संप्रभु इच्छा का प्रतिनिधि संस्थान है। वहां बनाए गए कानूनों और लिए गए निर्णयों पर बहस, आलोचना और न्यायिक समीक्षा की व्यवस्था संविधान ने स्वयं दी है।

कहानी : छत वाला कमरा और इश्क वाला लव

अंजू शर्मा

ये कमबख्त मन भी ना, कोई किताब होती तो झट से बंद कर रख देती शेल्फ पर, पर मन तो मन है। नहीं होना बंद, नहीं टंगना शेल्फ पर। तो क्या चाहिए इसे? अब कहां की सैर पर निकलना चाहता है? कभी-कभी काम में डूबे रहने के बाद आंखें आराम मांगती हैं पर सोने जाओ तो निद्रालोक के द्वार पर बड़ा-सा ताला टंगा मिलता है। ऐसी ही एक रात, यूं ही अनमने ही, नैना ने फेसबुक पर लॉगिन किया। रात का एक बज चुका था। घरवालों के साथ घर भी नींद के आगोश में डूब चुका है पर ये दिल है कि मांगें मोर। चैटिंग? उंह, बोरिंग! तो...? बस यूं ही की-बोर्ड पर खेलते होम पर कुछ खास लगा नहीं नैना को जो मन को राहत मिलने का सबब बनता। काफी दिन से मित्र बनने के लिए ढेरों रिक्वेस्ट पेंडिंग थी। उसने फ्रेंड रिवेस्ट चेक करने के लिए क्लिक किया। दूसरे ही नंबर पर एक नाम से नैना की अर्धसुप्त चेतना को हल्का सा झटका लगा। सांसों के स्पंदन ने इस एक झटके के बाद गति पकड़ ली और तभी जैसे कमरे में कही से इलायची की भीनी-भीनी महक घुलते हुए हौले से उसे छूकर गुजर गई। अनुराग मिश्रा! वह लगभग चीख उठी। धत्त पगली... पर अनुराग मिश्रा तो जाने कितने होंगे। दिल की धड़कनें चलते-चलते अनायास-सी मानों ट्रेड मिल पर सवार थी। नैना कुछ पल रुकी और फिर दिल थामकर उसने प्रोफाइल पिक पर क्लिक कर दिया। पिक में एक दीवार से टेक लगाकर खड़े सुदर्शन पुरुष की पूरी फोटो थी। धाड़-धाड़ बजती धड़कनों के बीच कांपते हाथों से जूम किया तो लगा दिल उछलकर हलक में फंस गया हो। फैले हुए पिक्सेल के बावजूद ये वही था। वही माने अनु, यानि अनुराग मिश्रा। वही बेतरतीब दाढ़ी-मूंछ से झांकती चमकीली, भूरी आंखें जो सदा से जाने किस तलाश में थी और जो जाने एक वक्त में कितनी बातें कह जाने में माहिर थी। वही निकोटिन की परत चढ़े पतले और खामोश, आलसी, निठल्ले होंठ जो बोलने का काम अक्सर आंखों को सौंप पर निश्चित हो जाते थे। शायद अब भी उनके पीछे एक इलाइची दबी होगी जिसे सिगरेट की बू को धोखे से पीछे धकेलने का कांट्रैक्ट मिला होगा। गोरा रंग वक्त की सलवटों में कुछ दब सा गया था। बाल पहले जैसे घने तो नहीं थे, पर थे उतने ही काले और चमकदार। अजीब बात थी दाढ़ी में चांदी यहां-वहां से चमक कर उम्र के सरक गए डेढ़ दशकों की चुगली कर रही थी। कंधे कुछ झुक गये थे अलबत्ता इकहरा जिस्म अब भी उम्र के दबाव में आने से साफ इनकार करता मालूम होता था। तसवीर को निहारती नैना जैसे जड़ हो गई थी। उसे लगा उसके पांव जैसे एक बीते समय में लौटती टाइम मशीन पर बांध दिए गए थे। अगले कुछ पलों में दशकों का फासला यूं तय हुआ मानों यह कभी था ही नहीं। बीता समय धुंध के एक बादल में बदल गया जिसे चीरते हुए टाइम मशीन अब वही थी, उसी छत वाले कमरे में जहां 15 साल पहले नैना थी। वे दो घर थे पर दो जैसे नहीं थे। उन्हें अलग करने की शायद कोशिशें ही नहीं हुई कभी और इतिहास गवाह है कि शायद होती तो कामयाब ही नहीं होती। उन्हें खून के रिश्ते या जात-बिरादरी ने नहीं खालिस दुनियावी दिल से जुड़े संबंधों ने जोड़ा हुआ था जिसकी तसदीक करता था साझा आंगन और छतों को जोड़ता वो रास्ता को मुंडेर के ऐन बीचों-बीच बना था। और वही छत पर बना था वह कमरा जो युवा पीढ़ियों का साझा कमरा था। तीन पीढ़ियां एक दूसरे से दोस्ती के धागे में बंधी हर नई पीढ़ी को विरासत में ये संबंध सौंप देती थी। चैथी पीढ़ी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई जब सिंह फैमिली के बड़े बेटे के यहां बेटा आदित्य जन्मा। दोनों घर जश्न के माहौल में डूब गए। नैना, दुबे परिवार की तीसरी पीढ़ी से थी। बिन मां-बाप की बच्ची कब सिंह फैमिली के अपने से बड़े बेटों को मां पुकारते देख उनकी मां को मां कहने लगी उसे याद नहीं। फिर होश संभालने पर भी कोई और संबोधन जांच ही नहीं। तो अब उनकी मां उसकी मां थी और बाऊजी उसके बाऊजी। मां दूधपीती बच्ची को छोड़ इस दुनिया से रुखसत हो गई। पता नहीं पिता के जाने के बाद रुखसती ने मां को चुना या मां ने रुखसती को पर नैना अकेली रह गई। निःसंतान चाची ने मां बनकर उसे सीने से लगा जरूर लिया था पर अकेलापन तो उसे विरासत में मिला था और यही अकेलापन उसे किताबों की दुनिया में ले गया उसका किताबी कीड़ा होना अक्सर दूसरों के लिए कौतूहल का विषय था। देवेन भैया, सिंह परिवार के सबसे छोटे-बेटे, अक्सर नैना को चिढ़ाते, नैना खाए बिना रह जाएगी पर किताबों में इसकी जान बसती है। अलग किया कि नैना खल्लास। देवेन भैया के दोस्त तो स्कूल के समय से अक्सर घर आते थे। नैना सबको जानती थी पर उसका संकोची स्वभाव कारण रहा होगा कि कभी किसी से कोई बात नहीं होती थी। शब्द उसके इर्द-गिर्द चक्कर लगाते पर मौका काम ही पाते।

संक्षिप्त खबरें

मकान में वृद्ध ने फांसी लगाकर दी जान, परिवार ने पुलिस को बताए बिना किया अंतिम संस्कार

मीरजापुर। राजगढ़ थाना क्षेत्र के नदिहार बाजार में बीती रात 60 वर्षीय वृद्ध ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बुधवार सुबह जानकारी होने पर परिजन शव को नीचे उतारकर पैतृक गांव ले गए और पुलिस को सूचना दिए बिना अंतिम संस्कार कर दिया। घटना की जानकारी पुलिस को नहीं दी गई थी। कोन भरूहवा गांव निवासी त्रिभुवन मौर्य किसान थे। उनका पैतृक मकान गांव में था, जबकि करीब एक किलोमीटर दूर नदिहार बाजार में भी उनका दूसरा मकान था। परिवार के अन्य सदस्य भरूहवा स्थित मकान में रहते थे। त्रिभुवन मौर्य नदिहार बाजार वाले घर में अकेले रहते थे और अपना भोजन स्वयं बनाते थे। उनके एक पुत्र ने उसी मकान के एक कमरे में दुकान खोल रखी है। मंगलवार शाम रोज की तरह दुकान बंद करने के बाद पुत्र भरूहवा स्थित घर चला गया। बुधवार सुबह करीब दस बजे वह नदिहार बाजार स्थित दुकान खोलकर बैठा था। काफी देर तक पिता दिखाई नहीं दिए तो वह उन्हें देखने घर के पीछे वाले कमरे में पहुंचा। वहां पर उसने पिता का शव फांसी के फंदे से लटका देखा। घटना पर आसपास के लोग और परिवार के सदस्य मौके पर पहुंच गये। परिजनों ने शव को नीचे उतारा और भरूहवा ले जाकर बिना पुलिस को सूचना दिए अंतिम संस्कार कर दिया। राजगढ़ थाना प्रभारी बालमुकुंद मिश्रा ने घटना की जानकारी से अनभिज्ञता जताई है।

हाथरस में बारावफात का जुलूस धूमधाम से निकला

हाथरस। उत्तर प्रदेश में हाथरस जिले के कस्बा सादाबाद में बारावफात का जुलूस बड़े ही उत्साह और धार्मिक माहौल के बीच धूमधाम से निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। जुलूस में ऊंट, घोड़े, रिक्शे और बड़े-बड़े झंडे विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। जुलूस कस्बे के प्रमुख बाजारों और विभिन्न मार्गो से होकर निकला, जहां लोगों ने धार्मिक उत्साह के साथ जुलूस का स्वागत किया। बारावफात को लेकर कस्बे में पहले से ही तैयारियां की गई थीं। निर्धारित समय पर जुलूस शुरू हुआ और धीरे-धीरे कस्बे के प्रमुख बाजारों की ओर बढ़ा। जुलूस में शामिल लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। बड़े-बड़े झंडों के साथ ऊंट और घोड़े जुलूस की शोभा बढ़ा रहे थे, जबकि सजाए गए रिक्शे भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहे। जुलूस के दौरान कस्बे में धार्मिक वातावरण बना रहा। जुलूस को लेकर पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। एसडीएम रितु सिरोही और सीओ विजय सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर मौजूद रहे और जुलूस की व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रखी। अधिकारियों ने जुलूस के मार्ग का निरीक्षण किया तथा पुलिसकर्मियों को सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। स्थानीय लोगों ने भी जुलूस के दौरान आपसी भाईचारे और सौहार्द का परिचय दिया। बाजार क्षेत्र में भीड़ होने के बावजूद लोगों ने व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया। पुलिसकर्मियों ने भी यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास किए। बारावफात का यह जुलूस सादाबाद कस्बे के विभिन्न बाजारों और प्रमुख मार्गो से होकर शांतिपूर्ण ढंग से निकला। जुलूस में शामिल लोगों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। ऊंट, घोड़े, रिक्शे और बड़े-बड़े झंडे जुलूस की प्रमुख विशेषता रहे।

अगासोद स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग से मुरादाबाद रेल मंडल की तीन ट्रेनें होंगी प्रभावित

मुरादाबाद। यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के कारण 24 अक्टूबर तक अलग-अलग तिथियों में नॉन इण्टरलॉकिंग में ब्लॉक के कारण मुरादाबाद मंडल मे संचालित तीन रेलगाड़ियां प्रभावित होंगी। जिसमें दो ट्रेनें निरस्त एवं एक परिवर्तित मार्ग से संचालित होगी। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मण्डल में वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक महेश यादव ने बताया कि अगासोद स्टेशन पर झांसी मंडल के अंतर्गत बीना वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलखंड में अगासोद बीना के मध्य तीसरी रेल लाइन के लिए यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के कारण 24 अक्टूबर तक अलग-अलग तिथियों में नॉन इण्टरलॉकिंग में ब्लॉक के कारण मुरादाबाद मंडल मे संचालित तीन रेलगाड़ियां प्रभावित होंगी। जिसमें दो ट्रेनें निरस्त एवं एक परिवर्तित मार्ग से संचालित होगी। रेलगाड़ी संख्या 05073 साप्ताहिक गाड़ी 29 सितम्बर, 6 अक्टूबर एवं 13 अक्टूबर को निरस्त रहेंगी। रेलगाड़ी संख्या 05074 साप्ताहिक गाड़ी 26 सितम्बर, 3 अक्टूबर एवं 10 अक्टूबर को निरस्त रहेंगी। इसके अलावा रेलगाड़ी संख्या 18477 पुरी-योगनगरी ऋषिकेश 7 अक्टूबर को परिवर्तित मार्ग द्वारा संचालित की जाएगी।

स्नातक में पढ़ने वाली 50 हजार बेटियों को अक्टूबर-नवंबर में दी जाएंगी स्कूटी : मुख्यमंत्री योगी

-मुख्यमंत्री ने ह्यलोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्राह्न योजना का किया शुभारंभ, 60 वर्ष व उससे अधिक आयु की प्रदेश की महिलाएं परिवहन निगम की बसों में कर सकेंगी निःशुल्क यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षाबंधन से ठीक पहले नारी शक्ति को कई सौगातें दीं। उन्होंने घोषणा की कि स्नातक में पढ़ने वाली 50 हजार बेटियों को अक्टूबर-नवंबर में स्कूटी दी जाएंगी। मुख्यमंत्री ने बुधवार को ह्यलोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्राह्न योजना का शुभारंभ किया, जिसके तहत उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में 60 वर्ष व उससे अधिक आयु की प्रदेश की महिलाएं निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी। योगी ने रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में 27 से 29 अगस्त तक महिला व एक सहकर्मी को निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा दिए जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की महिलाएं अब चूल्हे से चेक, चेक से कारोबार और कारोबार से टेक्नोलॉजी तक पहुंच रही हैं। इंदिरा प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बुधवार को कहा कि यूपी में लगभग साढ़े 12 करोड़ आधी आबादी है। सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन व नेतृत्व की यात्रा में सहभागी है। हर बेटी-बहन-माता आत्मनिर्भर महसूस करे, यही हमारी नीति है। डबल इंजन सरकार ने बेटी के जन्म से लेकर उसकी पढ़ाई, सुरक्षा, रोजगार, आय और उसके सपनों की उड़ान को ईकोसिस्टम से जोड़ने का काम किया है। उन्होंने बहनों से अपील की कि रक्षाबंधन पर अपने भाई के साथ ही सैनिकों, पूर्व सैनिकों व पुलिस के जवानों को रक्षासूत्र बांधकर सुरक्षा के ईकोसिस्टम को मजबूती प्रदान करने में योगदान दें। योगी ने कहा कि देश जब मुगल आक्रांताओं की चपेट में था, उस समय लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने सुशासन, आध्यात्मिक/सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण व महिला स्वावलंबन का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया था। काशी विश्वनाथ, सोमनाथ समेत देश में सैकड़ों मंदिर का पुनरुद्धार लोकमाता ने किया था। लखनऊ, कानपुर, आगरा, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, झांसी सभी जनपदों में अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास का निर्माण किया जा रहा है। प्रत्येक हॉस्टल में 500 कामकाजी महिलाओं के निःशुल्क रहने की व्यवस्था रहेगी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कारण पहली बार आधी आबादी को शासन की योजनाओं से जोड़ने के लिए व्यापक कार्ययोजना बनी। जीवन के हर पड़ाव पर सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन की गारंटी दी है। सरकार का हर निर्णय, योजना व बजट इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए समर्पित है। आधी आबादी को पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिले, सरकार ने इसे सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले ह्यदेख सपाई-बिटिया घबराईह्न का नारा तत्कालीन गवर्नेंस मॉडल का नाम था, जब हर बेटी की सुरक्षा पर संकट था। सुरक्षा, सम्मान नहीं था तो स्वावलंबन कहां से होता। इंटीग्रेटेड हेल्पलाइन, कमांड सिस्टम, सीसीटीवी नेटवर्क, महिला बीट सिस्टम, महिला हेल्पडेस्क भी नहीं थी। पेंशन व छात्रवृत्ति बिचौलिए तय करते थे। पुष्टाहार पर माफिया का कंट्रोल था। उत्सव से पहले उपद्रव होते थे। कर्फ्यू लगने पर माताओं-बहनों को सर्वाधिक परेशानी होती थी। लैंड, सैंड, वन, पशु, नकल व भू-माफिया प्रदेश की पहचान थे।

वाराणसी: गंगा के जलस्तर में गिरावट जारी, 67.97 मीटर पर पहुंचा जलस्तर, तटवर्ती इलाकों में निगरानी

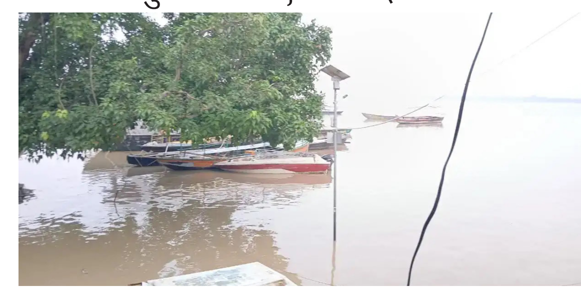

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। गंगा के जलस्तर में गिरावट का क्रम बुधवार को भी जारी रहा। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार आधा सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से पानी घट रहा था। जलस्तर में गिरावट से तटवर्ती इलाके के लोग राहत महसूस कर रहे हैं। गंगा का जलस्तर 67.97 मीटर दर्ज किया गया, जो चेतावनी बिंदु से लगभग दो मीटर नीचे है। गंगा के जलस्तर में पिछले दिनों लगातार बढ़ोत्तरी हो रही थी। जलस्तर तेजी से बढ़ रहा था। गंगा चेतावनी बिंदु के करीब पहुंच गई थीं। घाट और आसपास के इलाके जलमग्न हो गए थे। ऐसे में चुनौती बढ़ गई थी। घाट किनारे रहने वाले लोग बाढ़ की आशंका को लेकर सशंकित थे। पिछले दो दिनों से गंगा के जलस्तर में गिरावट हो रही है। सोमवार से जलस्तर में कमी का सिलसिला बुधवार को भी जारी रहा। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक जलस्तर में आधा सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गिरावट हो रही थी। जलस्तर 67.97 मीटर दर्ज किया गया। वाराणसी में गंगा का चेतावनी बिंदु 70.26 मीटर और खतरे का बिंदु 71.26 मीटर है। एनडीआरएफ, जल पुलिस के साथ ही प्रशासन नजर बनाए हुए हैं।

रक्षाबंधन के अवसर पर 27 से 29 अगस्त तक नि :शुल्क यात्रा कर सकेंगी माताएं-बहनें

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेश की माताओं, बेटियों और बहनों को विशेष उपहार दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम व सिटी बसों में 27 अगस्त की सुबह 6 बजे से 29 अगस्त की मध्यरात्रि तक की निःशुल्क यात्रा जा सकेगी। निगम की बसों में महिला यात्री एक सहयोगी के साथ निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी। इस अवसर पर सीएम ने ह्यलोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्राह्न का शुभारंभ करते हुए विशेष बसों को झंडी दिखाकर रवाना किया। इन बसों में 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं ने निशुल्क यात्रा की। विशेष बसों को दिखाई झंडी, महिलाओं के साथ ली सेल्फी इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बारिश के बीच झंडी दिखाकर विशेष बसों को रवाना किया। बसों में बैठी महिलाओं ने इस उपहार के लिए हाथ जोड़कर सीएम का अभिनंदन किया तो सीएम योगी ने भी हाथ हिलाकर उनके प्रति आभार जताया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बस में यात्रा करने वाली महिलाओं के साथ सेल्फी भी ली। मुख्यमंत्री ने महिलाओं को दिए स्मार्ट कार्ड, बैग, साड़ी व मिठाई मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन से पहले आयोजित कार्यक्रम में मंच पर ह्यलोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्राह्न योजना के तहत 60 वर्ष या इससे अधिक आयु की महिलाओं को स्मार्ट कार्ड प्रदान किए। सीएम ने उपहार स्वरूप इन महिलाओं को बैग, साड़ी व मिठाई भी दी। मुख्यमंत्री ने महिलाओं से संवाद कर उनका हालचाल जाना, सभी को रक्षाबंधन की बधाई भी दी। सीएम के हाथों उपहार पाने वाली महिलाओं में राजरानी, गणेश देवी, कलावती, मिठाना, प्रभुदेई, शम्मी, शांति देवी, मंजूलता, शिवकली, द्रौपदी व मीरा आदि शामिल रहीं।

झांसी : सुकवा-डुकवा डैम ओवरफ्लो, 30 हजार क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया

प्रात : किरण संवाददाता

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित बबीना ब्लॉक क्षेत्र में पिछले 24 घंटे से अधिक समय से लगातार हो रही भारी बारिश के चलते बेतवा नदी पर बना सुकवा-डुकवा डैम ओवरफ्लो हो गया है। डैम का जलस्तर बढ़ने के बाद सुरक्षा की दृष्टि से 30 हजार क्यूसेक से अधिक पानी बेतवा नदी में छोड़ा जा रहा है। डैम से पानी छोड़े जाने के कारण बेतवा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा है, जिसके चलते नदी के निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है। लगातार बारिश और जलभराव के कारण क्षेत्र में नदी के जलस्तर पर प्रशासन और सिंचाई विभाग की ओर से निगरानी रखी जा रही है। लोगों को नदी के आसपास जाने से बचने और निचले इलाकों में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। जलस्तर बढ़ने से नदी किनारे बसे क्षेत्रों में भी लोगों की चिंता बढ़ गई है। सुकवा-डुकवा डैम के अवर अभियंता अमित कुमार सिंह ने बताया कि डैम के निर्माण के बाद यह पहली बार है, जब यहां ओवरफ्लो हुआ है। उन्होंने कहा कि डैम में लगातार पानी की आवक पर नजर रखी जा रही है। यदि बारिश का सिलसिला आगे भी जारी रहता है और जलस्तर में और बढ़ोतरी होती है तो डैम से छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा भी बढ़ाई जा सकती है। अमित कुमार सिंह के अनुसार, माता टीला डैम के 15 गेट खोलकर पहले से पानी छोड़ा जा रहा था। माता टीला डैम से छोड़ा गया पानी सुकवा-डुकवा डैम में पहुंचने के कारण यहां जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। इसके साथ ही क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से भी डैम में पानी की आवक बढ़ गई। सिंचाई विभाग की टीम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

वाराणसी में शानो-शौकत से निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी, लहराया तिरंगा

सरकार की आमद मरहबा, दिलदार की आमद मरहबाह्न के नारों से गूंजा शहर, अंजुमनों ने पेश किया नातिया कलाम

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद की पैदाइश यानी ईद मिलादुन्नबी का पर्व बुधवार को पूरी अकीदत और एहतराम के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर शहर और ग्रामीण अंचलों में परंपरागत जुलूस-ए-मोहम्मदी शानो-शौकत के साथ निकाले गए। जुलूसों में ह्यसरकार की आमद मरहबा, दिलदार की आमद मरहबाह्न के नारों और नातिया कलाम से शहर की फिजाएं गूंजती रहीं। बड़ी संख्या में बुजुर्ग, युवा और बच्चे शामिल हुए। लोग पारंपरिक कुर्ता-पायजामा पहनकर और सिर पर रंग-बिरंगे साफे बांधकर जुलूस में शामिल हुए। हाथों में इस्लामी परचम के साथ विशाल तिरंगे भी लहराते नजर आए। विभिन्न अंजुमनों ने नबी की शान में नातिया कलाम पेश किए, जिससे पूरे मार्ग पर धार्मिक और उल्लासपूर्ण माहौल बना रहा। शहर में मरकजी दावते इस्लामी जुलूसे मोहम्मदी कमेटी और मुफ्ती बोर्ड के सदर व जनरल सेक्रेटरी की निगरानी में मुख्य जुलूस रेवड़ी तालाब स्थित अजगरी मैदान से सुबह निकाला गया। इसमें शिवाला, बजरडीहा, ककरमत्ता और मदनपुरा समेत विभिन्न इलाकों के जुलूस भी शामिल हुए।

ब्रह्मानंद मौदहा बांध में बजा शायरन, नहीं हुए फाटक बंद

प्रात : किरण संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में स्थापित मौदहा ब्रह्मानंद बांध में उस वक्त हड़कंप मच गया जब बांध के फाटक बंद किए जा रहे थे तो एकदम से सायरन की आवाज ने सभी को चौंका दिया। बांध के छह फाटक बंद करने की भरपूर कोशिश की गई पर फाटक बंद नहीं हुए, बांध के फाटक बंद कराने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों ने एड़ी चोटी का जोर लगाया गया, सायरन भी बजता रहा। पर फाटक बंद नहीं हो सके, बांध के फाटक बंद न होने से लगातार पानी बहकर बर्बाद हो रहा है। बता दे कि महीने पूर्व ही इस बांध में मरम्मत के लिए सिंचाई विभाग ने करोड़ों खर्च किए हुए थे,वहीं आसपास के ग्रामीणों में ऐसी स्थित को देखकर भय जैसा माहौल बना हुआ हैं। मौदहा बांध के गेटों के संचालन एवं जल निकासी के संबंध में मंगलवार को शाम सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता सी मंगलम का कहना है कि बांध के गेटों के अनुरक्षण का कार्य माह जून एवं जुलाई में कराया गया था। अनुरक्षण कार्य पूर्ण होने के उपरांत गेटों का संचालन किया जा चुका है तथा वर्तमान में जलाशय में जलभराव की स्थिति को देखते हुए गेटों की बैलेंसिंग एवं सुचारु संचालन का कार्य किया जा रहा है। विभाग के अनुसार 21 अगस्त 2026 को जलाशय से अतिरिक्त जल की निकासी के लिए क्रमशः तीन तथा चार गेट खोले गए थे। इस दौरान लगभग 3,000 से 9,000 क्यूसेक तक जल प्रवाह नदी में प्रवाहित किया गया। गेटों के संचालन से पूर्व बांध के डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में आमजन की सुरक्षा के दृष्टिगत चेतावनी हेतु सायरन बजाया गया तथा जल निकासी के उपरांत गेटों को बंद किया गया। वर्तमान में जलाशय का जलस्तर 147.20 मीटर दर्ज किया गया है तथा जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। बांध में पर्याप्त जल संचय हो जाने के कारण अतिरिक्त जल की निकासी की जा रही है। गेटों के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक बैलेंसिंग का कार्य भी कराया जा रहा है। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि 24 अगस्त 2026 को बांध के नीचे एकत्र ग्रामीणों को चेतावनी देकर वहां से हटाया गया तथा गेटों की स्थिति सामान्य पाई गई। सिंचाई विभाग द्वारा अवगत कराया गया है कि जल की निकासी एवं गेटों के संचालन की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। सिंचाई विभाग ने आमजन से अपील की है कि बांध से छोड़े जा रहे पानी के दृष्टिगत बेतवा नदी एवं बांध के डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में अनावश्यक रूप से न जाएं तथा अपने पशुओं को भी नदी से दूर रखें। जल प्रवाह आगामी कुछ दिनों तक बने रहने की संभावना को देखते हुए सभी लोग सावधानी बरतें और प्रशासन एवं सिंचाई विभाग द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

सीतापुर में पेड़ से टकराई अनियंत्रित कार 2 श्रद्धालुओं की मौत 2 घायल

प्रात : किरण संवाददाता

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर के मिश्रिख थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह लगभग 9 बजे के आसपास दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। कल्ली चौराहे के पास एक अनियंत्रित कार सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसे में कार सवार दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि श्रद्धालु बनारस से नैमिषारण्य दर्शन के लिए आ रहे थे। कल्ली चौराहे के पास अचानक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मृतकों में दोनों सगे भाई हैं इस हादसे में आकाश गुप्ता पुत्र राजीव गुप्ता (30) और यश गुप्ता पुत्र राजीव गुप्ता (25) की मौत हो गई। वहीं नंदनी गुप्ता (50) और कार चालक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों घायलों को पहले मछरेहटा अस्पताल ले जाया गया वहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

महोबा : मूसलाधार बारिश बनी काल, मकान ढहने से बुजुर्ग दंपति की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में लगातार हो रही तेज मूसलाधार बारिश के कारण श्रीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक पक्का मकान बीती रात मंगलवार को भरभरा कर ढह गया। इस हादसे में मलबे में दबकर बुजुर्ग दंपति की मौत हो गई, जबकि कई लोग दबकर घायल हो गए। पुलिस ने ग्रामीणों के साथ रेस्क्यू कर मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। बुधवार को पुलिस ने मृतकों के शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम भेजते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। श्रीनगर थाना क्षेत्र के सिजहरी गांव निवासी चतुर्भुज (80) का पक्का मकान बारिश के कारण अचानक ढह गया। हादसे के वक्त मकान के एक हिस्से में पत्नी बुधिया के साथ सो रहे दंपति मलबे के नीचे दब गए। मकान के दूसरे हिस्से में सो रहे उनके बेटे, बहू और 05 साल की नातिन बाल-बाल बच गए, हालांकि मासूम बच्ची को मामूली चोटें आई हैं। चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। चरखारी क्षेत्राधिकारी दीपक दुबे ने बताया कि थाना श्रीनगर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम सिजहरी में लगातार हो रही तेज बारिश के कारण मंगलवार की रात एक मकान गिर गया, जिससे उसमें मौजूद बुजुर्ग दंपति चतुर्भुज तथा उनकी पत्नी बुधिया मलबे में दब गए। सूचना प्राप्त होते ही थाना पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की सहायता से राहत एवं बचाव कार्य करते हुए दोनों को मलबे से बाहर निकाला तथा एम्बुलेंस की सहायता से उपचार के लिए जिला अस्पताल महोबा भिजवाया गया, जहां उपचार के दौरान दोनों की दुःखद मृत्यु हो गई। वहीं मलबे में दबे अन्य चार व्यक्तियों को सकुशल रेस्क्यू कर लिया गया है। प्रकरण में पुलिस एवं प्रशासनिक स्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

लखनऊ : नहर से दो युवकों के शव बरामद, शिनाख्त में जुटी पुलिस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मानकनगर थानाक्षेत्र में बुधवार को नहर से दो युवकों की लाश बरामद हुई हैं। मृतकों की पहचान के साथ घटना की जांच में पुलिस जुट गई है। मानक नगर थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बताया कि बुधवार की सुबह सूचना प्राप्त हुई कि कनौसी पुल के पास नहर के रेगुलेटर में फंसे हुये दो शव दिखाई दे रहे हैं। सूचना पर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची तथा शवों को नहर से बाहर निकलवाया गया। दोनों शव पुरुषों के हैं, जिनकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। मृतकों की उम्र क्रमशः 40 वर्ष एवं 20 वर्ष प्रतीत हो रही है। करीब 20 वर्षीय युवक अज्ञात के दाहिने हाथ पर महाकाल लिखा हुआ (टैटू) है, जिसके आधार पर उसकी शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

वाराणसी: सीने पर मोबाइल रखकर सोया, आकाशीय बिजली से युवक की मौत की आशंका, परिजनों में मचा कोहराम

वाराणसी। चोलापुर थाना क्षेत्र के रूपचंदपुर गांव में मंगलवार की रात युवक सीने पर मोबाइल रखकर सोया, लेकिन सुबह नहीं उठा। परिजन आननफानन में उसे अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बारिश के दौरान मोबाइल के चलते आकाशीय बिजली की चपेट में आने से युवक की मौत की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घटना की छानबीन में जुटी रही। रूपचंदपुर गांव निवासी विनय यादव (25) मंगलवार रात खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया था। कमरे की खिड़की खुली थी। बताया गया कि सोने के दौरान विनय ने अपना मोबाइल फोन सीने पर रखा हुआ था। बुधवार सुबह करीब चार बजे बारिश शुरू हुई। सुबह मां उसे जगाने गईं, लेकिन शरीर में कोई हरकत नहीं हुई। इस पर मां रोने-चिल्लाने लगीं। परिजन आनन-फानन में उसे लेकर पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार घटना के समय विनय मोबाइल चला रहा था। बारिश के दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर चोलापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया।

वाराणसी: बीएचयू विधि संकाय ने हासिल की शानदार राष्ट्रीय रैंकिंग, सुप्रीम कोर्ट की रिपोर्ट में भी मिली विशेष पहचान

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के विधि संकाय ने कानूनी शिक्षा, शोध और प्रो-बोनो कानूनी सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2026 की विभिन्न राष्ट्रीय रैंकिंग में विधि संकाय ने देश के प्रमुख विधि संस्थानों में अपनी मजबूत स्थिति दर्ज कराई है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक रिपोर्ट में भी संकाय के ऐतिहासिक क्लिनिकल लीगल एजुकेशन और कानूनी सहायता कार्यों को विशेष पहचान मिली है। –इंडिया टुडे सर्वे में वैल्यू-फॉर-मनी लॉ कॉलेजों में अव्वल बुधवार को बीएचयू के जनसम्पर्क कार्यालय ने बताया कि इंडिया टुडे बेस्ट कॉलेज सर्वे 2026 में विधि संकाय ने देश के 10 सर्वश्रेष्ठ वैल्यू-फॉर-मनी लॉ कॉलेजों की सूची में पहला स्थान हासिल किया। संकाय का रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट (आरओआई) स्कोर 78.53 रहा। सभी विधि संस्थानों की समग्र रैंकिंग में संकाय 1428.1 के कंपोजिट स्कोर के साथ 13वें स्थान पर रहा।

—द वीक-हंसा रिसर्च सर्वे में आठवीं रैंक

विधि संकाय ने द वीक-हंसा रिसर्च सर्वे 2026 में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए देशभर में आठवां स्थान हासिल किया। यह उपलब्धि बीएचयू की विश्वविद्यालय स्तर की राष्ट्रीय रैंकिंग में तीसरी प्रमुख रैंकिंग के साथ सामने आई है।

—आउटलुक और आईआईआरएफ रैंकिंग में भी मजबूत प्रदर्शन

आउटलुक सर्वे 2026 में बीएचयू के विधि संकाय को देशभर में 11वीं रैंक मिली। वहीं, आईआईआरएफ लॉ रैंकिंग 2026 में संकाय ने भारत में 13वां और उत्तर प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया। आईआईआरएफ में संकाय का कुल इंडेक्स स्कोर 70.84 रहा।

—सुप्रीम कोर्ट की रिपोर्ट में बीएचयू के क्लिनिकल लॉ मॉडल का उल्लेख

राष्ट्रीय रैंकिंग के अलावा विधि संकाय के ऐतिहासिक योगदान को सुप्रीम कोर्ट की सेंटर फॉर रिसर्च एंड प्लानिंग की अक्टूबर 2024 की रिपोर्ट लीगल एड थ्रू लॉ स्कूल्सः ए रिपोर्ट ऑन वर्किंग ऑफ लीगल एड सेल्स इन इंडिया में भी विशेष रूप से रेखांकित किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, बीएचयू ने 1970 के दशक की शुरूआत में क्लिनिकल लीगल एजुकेशन के शुरूआती पाठ्यक्रमों में से एक शुरू किया था। इसके तहत सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में क्लिनिक आधारित कानूनी सहायता, न्यायालयों के भ्रमण और अधिवक्ताओं के साथ इंटर्नशिप जैसी गतिविधियों को जोड़ा गया था।

—कानूनी सहायता के जरिए न्याय तक पहुंच का मॉडल

रिपोर्ट में विधि संकाय के लगातार प्रभाव का उल्लेख करते हुए वर्ष 2017 में इलाहाबाद हाई कोर्ट में लीगल एड एंड सर्विसेज क्लिनिक द्वारा दायर क्रिमिनल पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (पीआईएल) का भी जिक्र किया गया है। इस पहल के माध्यम से कैदियों की दिहाड़ी बढ़ाने और जेलों में भीड़ कम करने के लिए अतिरिक्त सुधार गृहों की आवश्यकता जैसे मुद्दे उठाए गए थे। इन उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विधि संकाय के प्रमुख एवं डीन प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि बीएचयू लॉ स्कूल अपनी गौरवशाली विरासत को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ईद मिलादुन्नबी पर काशी में बदला जुलूस का स्वरूप, अनुमति वाली गाड़ियों की ही एंट्री, भेलूपुर में सघन चेकिंग

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद (स.) की पैदाइश की खुशी में ईद मिलादुन्नबी बुधवार को काशी में पूरी अकीदत और एहतराम के साथ मनाई जा रही है। मुस्लिम बहुल इलाकों में आकर्षक सजावट की गई है और जगह-जगह धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पर्व को लेकर पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए हैं। इस बार रेवड़ी तालाब से निकलने वाले मदहे सहाबा के जुलूस के स्वरूप में बड़ा बदलाव किया गया है। पिछले वर्षों में जहां जुलूस में करीब 1500 से अधिक चार पहिया वाहन शामिल होते थे, वहीं इस बार प्रशासन ने वाहनों की संख्या सीमित कर दी है। प्रशासन की ओर से निर्धारित संख्या में वाहनों को ही जुलूस में शामिल होने की अनुमति दी गई है और अधिकृत वाहनों को विशेष पास जारी किए गए हैं। जुलूस के दौरान निर्धारित संख्या से अधिक वाहनों के शामिल होने की सूचना पर पुलिस ने होटल ब्रॉडवे के पास चेकिंग शुरू की। एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार के नेतृत्व में पुलिसकर्मी जुलूस में शामिल वाहनों की सूची लेकर मौके पर तैनात रहे। जांच के दौरान कई ऐसे वाहन मिले, जिनके नंबर प्रशासन की अनुमति वाली सूची में दर्ज नहीं थे। पुलिस ने इन वाहनों को आगे जाने से रोक दिया और उनमें सवार लोगों को पैदल जाने के लिए कहा। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक जुलूस के पूरे मार्ग पर लगातार निगरानी की जा रही है। किसी भी वाहन को निर्धारित सूची में नंबर का मिलान होने के बाद ही आगे बढ़ने दिया जा रहा है। प्रशासन का उद्देश्य जुलूस के दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही सुरक्षा सुनिश्चित करना है। एक हजार पुलिसकर्मी, ड्रोन से निगरानी ईद मिलादुन्नबी को लेकर शहर में करीब एक हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया है। एसीपी भेलूपुर ने जुलूस के पूरे मार्ग का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस ड्रोन कैमरों के माध्यम से भी जुलूस और आसपास के क्षेत्रों पर नजर रख रही है। अधिकारियों ने आयोजकों और जुलूस में शामिल लोगों से प्रशासन की ओर से तय नियमों का पालन करने की अपील की है। दालमंडी से रेवड़ी तालाब तक सजावट पर्व को लेकर दालमंडी, नई सड़क, बेनिया, लोहता, सरैयां, ककरमत्ता, मदनपुरा, रेवड़ी तालाब और पीलीकोठी समेत कई इलाकों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। नई सड़क पर रंग-बिरंगी झालरों से विशेष सजावट की गई है। मरकजी यौमुन्नबी कमेटी की ओर से हड़हा सराय से निकलने वाले जुलूस की तैयारियां भी पूरी कर ली गई हैं।

संक्षिप्त खबरें

खाद्य विभाग ने ताराचंद मिष्ठान भंडार के गोदाम मारा छापा

हाथरस। उत्तर प्रदेश में हाथरस जिले के सादाबाद क्षेत्र स्थित जवाहर बाजार में ताराचंद मिष्ठान भंडार के गोदाम पर बुधवार को खाद्य विभाग ने छापा मारा। छापेमारी के दौरान उपजिलाधिकारी रितु सिरोही, संबंधित खाद्य विभाग के अधिकारी तथा पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। खाद्य विभाग की टीम ने मिष्ठान भंडार के गोदाम में पहुंचकर वहां तैयार किए जा रहे घी एवं अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और निर्माण प्रक्रिया की जांच की। टीम ने खाद्य पदार्थ तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री के नमूने भी लिए। जांच के दौरान खाद्य सामग्री तैयार करने के तरीके और साफ-सफाई की व्यवस्था को लेकर अधिकारियों ने नाराजगी जताई तथा संचालक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर उन्हें जांच के लिए भेजा गया। अधिकारियों ने कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद कर्मचारियों और संचालकों में भी अफरा-तफरी का माहौल रहा। खाद्य विभाग की इस कार्रवाई से मिलावटखोरी और मानकों के विपरीत खाद्य सामग्री तैयार करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। अधिकारियों ने लोगों से भी अपील की कि खाद्य पदार्थ खरीदते समय उनकी गुणवत्ता और पैकिंग आदि की जांच जरूर करें।

त्योहारों को लेकर प्रशासन अलर्ट, अपर पुलिस आयुक्त ने देखी सुरक्षा और यातायात व्यवस्था

वाराणसी। आगामी त्योहारों को लेकर कमिश्नरेट पुलिस अलर्ट है। अपर पुलिस आयुक्त शिवहरी मीणा ने मंगलवार की शाम शहर में प्रमुख मार्गों और स्थलों पर भ्रमण कर यातायात और सुरक्षा व्यवस्था देखी। उन्होंने भीड़ प्रबंधन, यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसीपी ने भेलूपुर ब्राडवे होटल, रेवड़ी तालाब, गोदौलिया, रामापुरा, श्री काशी विश्वनाथ धाम, मैदागिन चौराहा समेत विभिन्न स्थानों का भ्रमण किया। उन्होंने प्रमुख मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था आदि को लेकर निर्देश दिए। कहा कि प्रमुख शिवालयों और मार्गो की सतत निगरानी रखी जाए। बारावफात जुलूस के दौरान पूरे मार्ग का सत्यापन कर बाधाओं को समय से दूर कराया जाए। जरूरत के हिसाब से जगह-जगह बैरिकेडिंग कराई जाए। उन्होंने कहा कि जुलूस के दौरान पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी निर्धारित करते हुए प्रत्येक प्वाइंट पर जिम्मेदार अधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। जुलूस के दौरान किसी भी स्थान पर अनावश्क भीड़ इकट्ठा न होने पाए। उन्होंने कहा कि जुलूस वाले मार्गों पर धार्मिक स्थलों, संवेदनशील स्थानों और मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए तथा स्थानीय स्तर पर निगरानी रखी जाए। प्रमुख स्थलों की निगरानी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जाए। यदि किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि नजर आए तो तत्काल उच्चाधिकारियों को सूचना दें। जुलूस के दौरान यातायात व्यवस्था बाधित नहीं होनी चाहिए।

नीमा स्योहारा ने सम्मान समारोह किया आयोजित, डॉ. रंजन वर्मा हुए सम्मानित

डॉक्टर को सेवा भाव से करना चाहिए चिकित्सा कार्य: डॉ. रंजन वर्मा जिला आयुष चिकित्सा अधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा। नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन (नीमा) शाखा स्योहारा ने सम्मान समारोह आयोजित कर नवागत आयुष जिला चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रंजन वर्मा को सम्मानित किया। नीमा शाखा स्योहारा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने नीमा के अध्यक्ष डॉक्टर विनीत देवरा व सचिव डॉ.मौ. इमरान के नेतृत्व मे धामपुर मार्ग पर स्थित आहर रेस्टोरेंट के सभागार में बहुत ही खुशनुमा माहौल मे सम्मान समारोह आयोजित किया। सम्मान समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता नीमा के अध्यक्ष डॉ विनीत देवरा ने की तथा संचालन डॉक्टर मौ.जुनैद चौधरी व डॉक्टर शेख अजीमुद्दीन ने किया। सम्मान समारोह मे मुख्यातिथि के रूप में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रंजन वर्मा व बतौर विशिष्ट अतिथि डॉक्टर संजीव तोमर (पूर्व जिला आयुर्वेदिक जिला पलवल हरियाणा) तथा डॉक्टर मौ. दानिश (बियुमा, बिजनौर) पधारे! अध्यक्ष डॉक्टर विनीत देवरा तथा सचिव मोहम्मद इमरान ने मुख्यातिथि डॉक्टर रंजन वर्मा का शॉल ओढ़ाकर और फूलों का गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया विशिष्ट अतिथि डॉक्टर संजीव कुमार तोमर का नीमा के कोषाध्यक्ष डॉ.परवेज आलम ने शॉल ओढ़ाकर और गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। डॉक्टर मोहम्मद दानिश का डॉ. नाशित अली व डॉक्टर मौ. अकरम ने शॉल ओढ़ाकर और गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया तो वहीं नीमा के वरिष्ठ सदस्य डॉक्टर आसिफ अली खान ने नीमा के अध्यक्ष डॉ विनीत देवरा को भी शॉल ओढ़ाकर और बुके देकर सम्मान किया मुख्य अतिथि डॉ.रंजन वर्मा ने सम्मान समारोह में उपस्थित नीमा के सदस्य डॉक्टरों को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 में भारतीय जनता पार्टी की केंद्र मे सरकार बनने के बाद आयुष चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी की सरकार ने आयुर्वेदिक, यूनानी, योग,होम्योपैथिक पद्धतियों को मिलाकर आयुष मंत्रालय का गठन किया आप लोगों को भी अपनी अपनी पद्धतियों मे चिकित्सा कर इसको और बढ़ावा देना चाहिए और अपने चिकित्सा कार्य को सेवा भाव से करना चाहिए। बीमार व्यक्ति डॉक्टर मे भगवान का रूप देखते है क्योंकि डॉक्टर उनका दर्द दूर कर उन्हें स्वास्थ्य लाभ पहुंचता है डॉक्टर को अपने पेशे के प्रति ईमानदार रहना चाहिए और अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए ताकि लोगो का विश्वास डॉक्टर पर बना रहे। विशिष्ट अतिथि डॉक्टर संजीव तोमर और डॉक्टर दानिश ने कहा कि आयुष चिकित्सा मे कार्य करने के लिए बहुत कुछ है और इसमें ऐसी ऐसी दवाइयां हैं जिससे मरीजों का उपचार करने पर उन्हें अधिक लाभ पहुंचता है और इन दवाइयों का कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है। अपने भाषण में डॉक्टर विनीत देवरा ने कहा कि चिकित्सा का कार्य जीवन यापन करने के साथ एक समाज सेवा भाव का कार्य भी है डॉक्टर को अपने मरीज के साथ ऐसे रिश्ते बनाने चाहिए की विषम परिस्थितियों में भी मरीज डॉक्टर के साथ खड़ा रहे !

ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के मौके पर उत्साहित मुस्लिम समुदाय ने निकाला भव्य जुलूस

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के पवित्र मौके पर जनपद गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र में बुधवार को मुस्लिम समुदाय द्वारा एक भव्य जुलूस निकाला गया। क्षेत्र में कई स्थानों से निकाले गए जुलूस के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। इस मौके पर सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत पुलिस प्रशासन द्वारा विशेष इंतजाम किए गए थे। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिवस के जश्न में आयोजित इस जुलूस में बड़ी संख्या में बच्चे, नौजवान और बुजुर्ग शामिल हुए। जुलूस में शामिल लोग हाथों में धार्मिक झंडे लिए नात-ए-पाक पढ़ते हुए चल रहे थे। इस दौरान ह्लसरकार की आमद मरहबाह्व के नारे गूंजते रहे। जुलूस के के दौरान रास्ते में कहीं स्थान पर आस्थावान लोगों द्वारा अकीदतमंदों के लिए ठंडे शरबत आदि का विशेष इंतजाम किया गया था। ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के इस खास व पवित्र मौके पर क्षेत्रीय मस्जिदों को भव्य रूप से सजाया गया था. जहां जुलूस से पूर्व मुस्लिम समुदाय के धार्मिक गुरुओं ने शांति और भाईचारे का पैगाम देते हुए पैगंबर मोहम्मद साहब के बताए रास्ते नेकी, सच्चाई, अमन, दया और इंसानियत को अपनाने का आह्वान किया। जुलूस के दौरान क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा, और इस तरह पूरा कार्यक्रम बड़े ही अनुशासित माहौल में संपन्न हुआ।

रक्षाबंधन पर योगी सरकार ने महिलाओं की सुविधा का रखा ध्यान

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी । रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेश सरकार ने महिलाओं को बड़ी सौगात दी है। परिवहन निगम की बसों में महिलाओं को तीन दिनों तक मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। यह व्यवस्था 27 अगस्त की सुबह से 29 अगस्त की रात तक लागू रहेगी। सरकार के इस फैसले से रक्षाबंधन पर अपने मायके और रिश्तेदारों के घर जाने वाली महिलाओं को काफी राहत मिलेगी। रक्षाबंधन के दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं के यात्रा करने की संभावना को देखते हुए परिवहन निगम ने विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। महिलाओं को सुरक्षित और सुगम यात्रा उपलब्ध कराने के लिए अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा। परिवहन निगम के अधिकारियों के अनुसार, यात्रियों की संख्या बढ़ने पर आवश्यकता के अनुसार बसों की संख्या भी बढ़ाई जा सकती है। वाराणसी परिक्षेत्र में करीब 500 से अधिक बसों के संचालन की तैयारी है। बसों का संचालन यात्रियों की भीड़ और प्रमुख मार्गों की मांग के अनुसार किया जाएगा। परिवहन निगम की ओर से बसों के संचालन और यात्रियों की सुविधा को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अधिकारियों को दिए गए निर्देश रक्षाबंधन पर महिलाओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए परिवहन विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बसों की उपलब्धता, संचालन और यात्रियों की भीड़ पर लगातार नजर रखी जाएगी। प्रमुख बस अड्डों और व्यस्त मार्गों पर भी विशेष निगरानी की जाएगी। 27 अगस्त सुबह से लागू होगी व्यवस्था महिलाओं के लिए निशुल्क यात्रा की सुविधा 27 अगस्त की सुबह छह बजे से 29 अगस्त की रात 12 बजे तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान प्रदेश सरकार की ओर से निर्धारित व्यवस्था के तहत महिलाएं रोडवेज बसों में बिना किराया दिए यात्रा कर सकेंगी।

बिजनौर पुलिस लाइन के निर्माण कार्यों का एसपी ने किया निरीक्षण

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जनपद बिजनौर के पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण कुमार ने आज नवीन पुलिस लाइन का भ्रमण कर विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिस लाइन परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों, बैरकों, आवासीय भवनों तथा अन्य विकास कार्यों की प्रगति को बारीकी से चेक किया और गुणवत्ता का जायजा लिया। एसपी श्री कृष्ण कुमार ने निर्माण कार्य में लगे अधिकारियों व कार्यदायी संस्था को कार्य में गुणवत्ता और समयबद्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस लाइन पुलिस कर्मियों के लिए है, इसलिए निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप और मजबूत होना चाहिए, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इस अवसर पर उन्होंने परिसर की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारीगण सहित अन्य पुलिस अधिकारी और संबंधित विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

वैंकेटेश्वरा में नए सपनों का आगाज, पुरातन विद्यार्थियों को दी भावभीनी विदाई

नर्सिंग विद्यार्थियों को सफल एवं सुरक्षित कैरियर देने के लिए प्रतिबद्ध संस्थान: डॉ. राजीव त्यागी

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा / मेरठ। श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ नर्सिंग की ओर से नवप्रवेशित 2026-27 बैच के लिए ह्यआगाज-2026ह्ल फ्रेशर बैश तथा पास आउट 2025-26 बैच के लिए ह्यबेस्ट ऑफ लकह्ल फेयरवेल बैश का संयुक्त रूप से शानदार आयोजन किया गया। टैगोर भवन में आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने डांसिंग, सिंगिंग, रैम्प वॉक, नुक्कड़ नाटक, फैशन शो सहित एक दर्जन से अधिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समारोह को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ वेंकटेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, कुलपति डॉ. कृष्ण कान्त दवे, प्रति-कुलपति प्रो. डॉ. मानस रंजन, कुलसचिव डॉ. पीयूष पाण्डेय तथा स्कूल ऑफ नर्सिंग की डीन/ प्रिंसिपल डॉ. ऐना ऐरिक ब्राउन ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि ने कहा कि नई शिक्षा नीति युवाओं के लिए रोजगार एवं करियर की अपार संभावनाएं लेकर आई है। उन्होंने कहा कि नर्सिंग दुनिया का सबसे पुनीत और मानवीय सेवा का क्षेत्र है। नर्सिंग प्रोफेशनल्स की भूमिका किसी भी मायने में चिकित्सकों से कमतर नहीं है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से शिक्षा के साथ सेवा भावना और समर्पण को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि भारतीय नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं मेडिकल प्रोफेशनल्स ने देश-विदेश में उत्कृष्ट सेवाएं देकर भारत का गौरव बढ़ाया है। वेंकटेश्वरा समूह राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मांग के अनुरूप योग्य, समर्पित एवं प्रशिक्षित नर्सिंग प्रोफेशनल तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रति-कुलपति प्रो. डॉ. मानस रंजन ने विद्यार्थियों से हर कार्य में अपना शत-प्रतिशत देने का आह्वान करते हुए कहा कि मेहनत और समर्पण के साथ सफलता निश्चित रूप से कदम चूमेगी। डॉ. ऐना ऐरिक ब्राउन ने कहा कि नर्सिंग पाठ्यक्रम मानव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के बाद कैफ को मिस्टर फ्रेशर और अलफिशा को मिस फ्रेशर चुना गया। वहीं जुनैद को मिस्टर फेयरवेल तथा वैशाली को मिस फेयरवेल का खिताब मिला। संस्थान प्रबंधन एवं प्रशासन ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप दक्ष बनकर देश एवं मानवता की सेवा करने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर डॉ. सुमन कुमारी, प्रो. डॉ. मंजरी राणा, प्रो. डॉ. मनीष कुमार शर्मा, बंकिम जी, सुश्री सरजू, संजीव, डॉ. अंजू, सुश्री हुमा, सुश्री अनुषा, सुश्री निशा, शुऐब, तहसीर साहब, जुबैर साहब, सुश्री हरप्रीत, सुश्री सुमनदीप, सुश्री अलीशा, सुश्री हिमानी, मेरठ परिसर से डॉ. पंकज सिंह एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सुभासपाईयों ने धूमधाम के साथ मनाई सोनार श्री संत शिरोमणि नरहरि महाराज की जयंती

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। कैलसा रोड स्थित रौनक वाटिका के पीछे सुभासपा जिला कार्यालय पर सोनार श्री संत शिरोमणि नरहरि महाराज की जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हे नमन किया। इस दौरान सुभासपा जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि संत शिरोमणि नरहरि महाराज कर्म, भक्ति और समानता के प्रतीक माने जाते हैं। संत नरहरि महाराज जिन्हें नरहरी सोनार के नाम से भी जाना जाता है। महाराष्ट्र की संत परंपरा के प्रमुख संतों में गिने जाते हैं। उनका संबंध स्वर्णकार यानी सोनार समाज से था और वे सोने के आभूषण बनाने का कार्य करते थे। भगवान शिव के अनन्य भक्त माने जाने वाले नरहरि महाराज ने अपने व्यवसाय को ही साधना का माध्यम बनाया और यह संदेश दिया कि कोई भी ईमानदार कर्म छोटा या बड़ा नहीं होता। सच्ची निष्ठा व श्रद्धा से किया गया कार्य स्वयं ईश्वर की आराधना बन जाता है। उन्होने कहा कि संत नरहरि महाराज के जीवन से जुड़े प्रसंगों में भगवान विठ्ठल और शिवभक्ति का विशेष उल्लेख मिलता है। उनकी भक्ति का मूल संदेश बाहरी आडंबर से ऊपर उठकर सच्चे मन से ईश्वर का स्मरण करना और मानवता की सेवा करना था। महाराष्ट्र की संत परंपरा में उन्होंने कर्म की गरिमा, सदाचार और सामाजिक समानता का संदेश दिया। सोनार समाज में उन्हें विशेष श्रद्धा के साथ स्मरण किया जाता है और समाज के लोग उन्हें अपने आराध्य संत एवं प्रेरणास्त्रोत के रूप में देखते हैं। संत नरहरि महाराज का जीवन आज भी यह प्रेरणा देता है कि व्यक्ति अपने पारंपरिक व्यवसाय व जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए आध्यात्मिक जीवन जी सकता है। उनका संदेश किसी एक समाज तक सीमित नहीं बल्कि सभी के लिए है कि मेहनत, ईमानदारी, भक्ति व मानवता को जीवन का आधार बनाया जाए। इसी कारण संत शिरोमणि नरहरि महाराज आज भी सोनार समाज सहित व्यापक संत परंपरा में श्रद्धा और सम्मान के साथ याद किए जाते हैं। इस अवसर पर आदेश अमरोही, अतिकूरहमान जसवीर सिंह चौहान, उस्मान अहमद, कल्लन, भूरे खा पदम सिंह, कमाल जमशेद खान आदि मौजूद रहे।

अमरोहा में ईद-ए-मिलादुन्नबी के जलूस में शामिल हुए विधायक महबूब अली

बोले- आपसी मतभेद भुलाकर प्रेमभाव से रहें, गरीबों व असहायों की करें मदद

जुलूस में उमड़ी भीड़, सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। ईद-ए-मिलादुन्नबी (पैगंबर मोहम्मद साहब का जन्मदिवस) के पावन अवसर पर सदर विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री तथा उत्तर प्रदेश विधानसभा की लोक लेखा समिति के सभापति हाजी महबूब अली ने मंगलवार को जनपद अमरोहा में आयोजित ईद-ए-मिलादुन्नबी के जुलूसों में शिरकत की और लोगों को भाईचारे, प्रेम और मानवता का संदेश दिया। श्री अली ने जलूस में उपस्थित हजारों लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज हजरत मोहम्मद साहब की मिलादत का पवित्र दिन है। यह दिन हमें प्रेम, भाईचारे और आपसी सौहार्द की सीख देता है। उन्होंने अपील की, ह्लहमें अपने आपसी मतभेदों को भुलाकर मिलजुल कर प्रेमभाव से रहना चाहिए। गरीबों, असहायों और पीड़ितों (मजलूमों) के प्रति सद्भावना रखते हुए उनकी सहायता के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।ह्व सदर विधायक महबूब अली ने कहा कि पैगंबर मोहम्मद साहब ने मानवता के कल्याण के लिए जो रास्ता बताया और दिखाया है, हम सभी को उसी पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा, ह्लजब हम सच्चाई, इंसाफ और भाईचारे के रास्ते पर चलेंगे, तभी समाज में खुशहाली, शांति और सद्भाव कायम रह सकता है।ह्व उन्होंने सभी धर्मों के लोगों से अपील की कि वे आपस में मिलजुल कर रहें और किसी भी प्रकार के भेदभाव से बचें। इस मौके पर श्री अली ने जिला प्रशासन द्वारा किए गए इंतजामों की भी सराहना की और कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से जुलूस निकालने के लिए प्रशासन व पुलिस की अहम भूमिका रही। पारंपरिक उत्साह के साथ निकाले गए इस जुलूस में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं व गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने जुलूस में भाग लेकर मिलादुन्नबी की खुशियां मनाईं। पूरे वातावरण में धार्मिक उल्लास व भाईचारे की गर्माहट देखने को मिली। जुलूस के मार्गों पर शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने पर्याप्त इंतजाम किए थे। पुलिस बल के साथ ही अर्धसैनिक बलों की तैनाती भी की गई थी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस मुस्तैदी की सराहना की।गौरतलब है कि महबूब अली अमरोहा सदर से विधायक हैं और पूर्व में प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। वर्तमान में वह विधानसभा की लोक लेखा समिति के सभापति पद पर प्रतिष्ठित हैं। इस अवसर पर कई स्थानीय जनप्रतिनिधि व समाजसेवी भी मौजूद रहे।

वाराणसी: 4 हजार क्विंटल से अधिक चीनी का स्टॉक नहीं रख सकते व्यापारी

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। जिले में चीनी और उससे संबंधित उत्पादों की उपलब्धता और आपूर्ति पर प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। चीनी की जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए व्यापारियों के भंडारण की सीमा निर्धारित कर दी गई है। अब जिले के व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों पर चार हजार क्विंटल से अधिक चीनी का भंडारण नहीं कर सकेंगे। निर्धारित सीमा से अधिक चीनी का भंडारण मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। अपर जिलाधिकारी आपूर्ति अमित कुमार मालवीय के नेतृत्व में बुधवार को जिला खाद्य विपणन अधिकारी अविनाश झा ने व्यापारियों और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में चीनी की उपलब्धता, आपूर्ति और भंडारण की स्थिति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि जिले में किसी भी व्यापारी को 4000 क्विंटल से अधिक चीनी का भंडारण 30 दिन से अधिक अवधि तक करने की अनुमति नहीं होगी। अधिकारियों ने व्यापारियों को निर्देश दिया कि वे चीनी की किसी भी प्रकार से जमाखोरी न करें। यदि किसी व्यापारी के पास निर्धारित सीमा से अधिक चीनी का स्टॉक है तो उसे शासन के निदेर्शों के अनुसार निर्धारित पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज करना होगा। स्टॉक की स्थिति की नियमित समीक्षा भी की जाएगी। हर शुक्रवार को इसकी समीक्षा किए जाने की व्यवस्था की गई है। मूल्य निगरानी प्रकोष्ठ गठित चीनी की कीमत और उपलब्धता पर नजर रखने के लिए जिले में मूल्य निगरानी प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। यह प्रकोष्ठ बाजार में चीनी के मूल्य, स्टॉक और आपूर्ति की निगरानी करेगा। अधिकारियों के अनुसार यदि किसी व्यापारी को चीनी की उपलब्धता या आपूर्ति से संबंधित कोई समस्या आती है तो वह संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर सकता है। जिला खाद्य विपणन अधिकारी अविनाश झा ने बताया कि प्रशासन की ओर से चीनी की उपलब्धता और आपूर्ति की लगातार निगरानी की जा रही है। व्यापारियों से शासन के निदेर्शों का पालन करने और निर्धारित सीमा से अधिक चीनी का भंडारण नहीं करने को कहा गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बाजार में कमी पैदा करने अथवा जमाखोरी की शिकायत मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली-सहारनपुर मार्ग की बदहाली पर लोनी विधायक व नपा अध्यक्ष के बीच जुबानी जंग, एक दूसरे पर फोड़ रहे जिम्मेदारी का ठीकरा

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। विधानसभा क्षेत्र लोनी के मुख्य दिल्ली-सहारनपुर मार्ग की बदहाली और जलभराव को लेकर भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर और नगर पालिका चेयरमैन रंजिता धामा के बीच जुबानी जंग बेहद तीखी हो गई है। दोनों जनप्रतिनिधि जनता की इस बड़ी समस्या का समाधान निकालने के बजाय एक-दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं। उक्त संदर्भ में लोनी विधायक का आरोप है कि सड़कों पर पानी भरने और उनके टूटने की असली जिम्मेदार नगर पालिका है। उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि नगर पालिका चेयरमैन के पद पर पिछले 13 साल से एक ही परिवार का कब्जा है, लेकिन वे आज तक लोनी में जल निकासी की सही व्यवस्था नहीं कर पाए। विधायक ने नगर पालिका पर विकास कार्यों के नाम पर करीब 300 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप को एक बार फिर दोहराया है। उनके अनुसार नगर पालिका के नालों की सफाई न होने से गंदा पानी सड़कों पर आकर उसे क्षतिग्रस्त कर देता है। वहीं दूसरी ओर नगर पालिका चेयरमैन रंजिता धामा ने पलटवार करते हुए कहा कि दिल्ली-सहारनपुर मुख्य मार्ग की बदहाली के लिए सीधे तौर पर विधायक नंदकिशोर गुर्जर जिम्मेदार हैं। चेयरमैन ने विधायक पर क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है और इस नाकामी का ठीकरा उन पर फोड़ते हुए उन्हें ह्यअनपढ़ह्ल तक कह दिया है।

दो नेताओं की सियासती लड़ाई में जनता जी रही नरकीय जीवन

इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि क्षेत्र के दो जनप्रतिनिधियों के इस राजनैतिक वर्चस्व की लड़ाई के बीच लोनी की आम जनता सालों से नरकीय स्थिति में जीने को मजबूर है। पीड़ित नागरिकों का कहना है कि नेता अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं, जबकि सड़कों पर दो-दो फीट पानी भरने और गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। जनता का केवल एक ही सवाल कर रही है कि क्षेत्र की बदहाली का एक दूसरे पर ठीकरा फोड़ने की बजाय यह बताएं कि इस राजनीति से अलग उन्हें एक चलने लायक सुरक्षित सड़क कब मिलेगी!

दिल्ली-सहारनपुर मार्ग की बदहाली को आपात बैठक में विधायक ने कड़क अपनाते हुए अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

लोनी। जनपद गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र में दिल्ली-सहारनपुर मार्ग की बदहाली और जलभराव को लेकर लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ एक आपात बैठक आयोजित की। इस दौरान उन्होंने बारिश के कारण दिल्ली-सहारनपुर रोड पर हुए गड्ढों और जलभराव से आम जनता को हो रही गंभीर परेशानियों को देखते हुए अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत के निर्देश दिए। गौरतलब हो कि बारिश के कारण दिल्ली-सहारनपुर मार्ग पर कई स्थानों पर कई फीट तक पानी भर जाने और बड़े-बड़े गड्ढे बन जाने से रोजाना आने-जाने वाले हजारों वाहन चालकों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग पर एंबुलेंस व अन्य दूसरे वाहनों का मार्बल बने गंदे पानी से लबालब गड्ढों में फंसकर खड़े हो जाना एवं दुर्घटनाग्रस्त होना आम बात बनी हुई है। आम लोगों की इस परेशानी को देखते हुए लोनी विधायक ने यह महत्वपूर्ण बैठक नगरपालिका और लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) सहित विभिन्न संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की। बैठक के दौरान सख्त रुख अपनाते हुए उन्होंने दिल्ली-सहारनपुर मार्ग और लोनी की अन्य प्रमुख सड़कों पर हुए जलभराव और बड़े-बड़े गड्ढों की समस्या को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि काम में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रक्षाबंधन पर योगी सरकार का मातृशक्ति को तोहफा, 60 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को आजीवन मुफ्त बस यात्रा

बिजनौर में राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने कहा - 2017 से शुरू हुआ यूपी का स्वर्णिम काल, मातृशक्ति को स्वावलंबी बनाना सरकार की प्राथमिकता

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

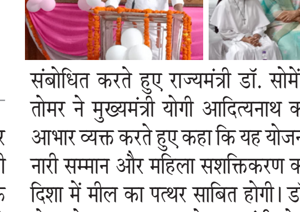

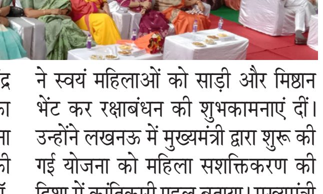

बिजनौर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की महिलाओं को बड़ी सौगात दी है। लखनऊ में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति योजना का शुभारंभ किया। योजना के तहत 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र की महिलाओं को यूपीएसआरटीसी की सभी बसों में आजीवन निःशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। वहीं रक्षाबंधन पर 27, 28 और 29 अगस्त को प्रदेश की सभी महिलाओं के लिए रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा की घोषणा की गई है। यात्रा के लिए केवल आधार कार्ड या वोटर आईडी दिखाना होगा। मुख्यमंत्री के इस ऐतिहासिक निर्णय का सजीव प्रसारण बिजनौर के नजीबाबाद रोड स्थित सेंट मैरी स्कूल के सभागार में किया गया, जहां मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. सोमेंद्र तोमर मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना नारी सम्मान और महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। डॉ. तोमर ने कहा, 2017 से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने स्वर्णिम काल में प्रवेश किया है। सरकार ने न केवल कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ किया है, बल्कि मातृशक्ति के कल्याण के लिए अनेकों ऐतिहासिक योजनाएं चलाई हैं। आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करने के साथ-साथ महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाना हमारी सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार बेटी बचाओ से लेकर बेटी पढ़ाओ, मिशन शक्ति, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना जैसे कार्यक्रमों से महिलाओं को सशक्त कर रही है और आज की यह सौगात उसी कड़ी का एक और सशक्त कदम है। सभागार में आयोजित कार्यक्रम में राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने स्वयं महिलाओं को साड़ी और मिष्ठान भेंट कर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लखनऊ में मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गई योजना को महिला सशक्तिकरण की दिशा में क्रांतिकारी पहल बताया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सांकेतिक कार्ड, साड़ी व मिठाई देकर योजना का शुभारंभ किया और घोषणा की कि अक्टूबर-नवंबर में स्नातक में अध्यनरत 50 हजार मेधावी छात्राओं को स्कूटी भी दी जाएगी। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। सेंट मैरी स्कूल की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर मंत्री जी को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, सदर विधायक सुश्री सूची चौधरी, जिला पंचायत प्रशासक साकेंद्र प्रताप सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह, भाजपा नेत्री हरजिंदर कौर, जिलाधिकारी जसजीत कौर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण और मातृशक्ति उपस्थित रही।

नई नवेली में यामी के किरदार पर आदित्य धर ने ली चुटकी

यामी गौतम की 'नई नवेली' फिल्म का बीते दिन एलान किया गया। इस फिल्म की पहली झलक के साथ रिलीज डेट का भी खुलासा किया गया। यामी गौतम मेरठ के एक परिवार की आदर्श बहू की भूमिका में नजर आएंगी। मगर, बाद में हकीकत पता चलेगी कि वह बहू कोई 'डायन' है। अभिनेत्री के किरदार को लेकर उनके पति और मशहूर निर्देशक आदित्य धर ने रिएक्शन दिया है।

आदित्य धर ने क्या कहा

फिल्म 'नई नवेली' में यामी गौतम की भूमिका पर आदित्य धर ने मजेदार टिप्पणी की है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर यामी की फिल्म का लुक साझा किया है। इसेक साथ लिखा है, 'तो मैंने इसने ही शादी की है'।

यामी गौतम ने भी ली चुटकी

आदित्य धर के ऐसे रिएक्शन पर यामी गौतम ने भी चुटकी ली है। उन्होंने पति को चिढ़ाते हुए मजाकिया अंदाज में कमेंट लिखा है, 'हाहाहा...राइटर साहब...आप फिल्मों में ट्राई क्यों नहीं करते। इंतजार कीजिए 16 अक्तूबर का'। बता दें कि यामी गौतम की यह फिल्म इस साल दशहरा के मौके पर धमाका करेगी।

क्या होगी फिल्म की कहानी

इस फिल्म को आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं, निर्देशन की कमान बालाजी मोहन ने संभाली है। फिल्म की कहानी मेरठ के एक घर में आई बहू पर आधारित है, जिसके डायन होने का शक होता है। मेरठ के एक अस्त-व्यस्त घर में एक आदर्श दुल्हन आती है। उसे स्वर्ग जैसा बना देती है, लेकिन तभी उसके देवर को शक होने लगता है कि उसकी आदर्श दिखने वाली भाभी असल में एक डायन हो सकती है। 'नई नवेली' फिल्म में जी. वी. प्रकाश कुमार का संगीत है। यह दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में ले जाती है, जहां असाधारण घटनाएं घटती हैं और वह पारिवारिक उथल-पुथल से टकराती हैं। इस कड़ी में कई दिलचस्प और अप्रत्याशित मोड़ आते हैं। फिल्म में हॉरर के साथ-साथ कॉमेडी का भी डोज मिलेगा।

एक्टिंग के बाद अब म्यूज़िक की दुनिया में शाज़ान पदमसी की एंट्री

मुंबई एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने के बाद अब शाज़ान पदमसी ने म्यूज़िक की दुनिया में भी अपना खूबसूरत कदम रख दिया है। उनका पहला ओरिजिनल सॉन्ग और डेब्यू सिंगल रातां कालियां अब रिलीज़ हो चुका है। स्क्रीन पर अपनी अलग पहचान बनाने वाली शाज़ान पदमसी अब अपनी आर्टिस्टिक जर्नी का एक नया रंग दर्शकों के सामने लेकर आई हैं।

रातां कालियां के साथ शाज़ान ने बतौर सिंगर अपनी शुरुआत की है और इस गाने के जरिए अपनी क्रिएटिविटी का एक बेहद पर्सनल और दिल के करीब वाला पहलू दुनिया के सामने रखा है। माइक्रोफोन के पीछे कदम रखते हुए शाज़ान के लिए यह एक एक्साइटिंग नए चैप्टर की शुरुआत है। शाज़ान के लिए रातां कालियां सिर्फ एक डेब्यू सिंगल नहीं है, बल्कि प्यार को समझने और महसूस करने की एक इमोशनल जर्नी है। गाना उस सफर को बयां करता है, जहां प्यार में भरोसा और सहारे की तलाश से शुरू होकर इंसान धीरे धीरे प्यार के असली और गहरे मायने समझता है। गाने की खूबसूरती इसी बात में है कि प्यार किसी खालीपन को भरने का नाम नहीं, बल्कि उस खास कनेक्शन का नाम है जहां आप खुद को पूरी तरह आज़ाद, सुरक्षित और असली रूप में महसूस कर सकें। अपने म्यूज़िकल डेब्यू पर बात करते हुए शाज़ान पदमसी कहती हैं, म्यूज़िक हमेशा से मेरे लिए एक्सप्रेशन का एक बेहद पर्सनल जरिया रहा है, इसलिए रातां कालियां बनाना मेरे लिए बहुत खास है। यह गाना एक बेहद ईमानदार जगह से आया है और यह दिखाता है कि समय के साथ प्यार को लेकर मेरी समझ कैसे बदली है। अब तक मैं ज्यादातर किसी और की कहानियों का हिस्सा रही हूं। लेकिन रातां कालियां अलग है, क्योंकि यह मेरी अपनी कहानी है, जो सीधे दिल से निकली है। पहली बार मैं सिर्फ एक आवाज़ या परफॉर्मर नहीं हूं, बल्कि अपनी जर्नी की स्क्रिप्ट खुद लिख रही हूं। अपनी जिंदगी, एक्सपीरियंस और दिल की सच्ची बातों को मैंने म्यूज़िक में पिरोया है। रातां कालियां के साथ शाज़ान पदमसी ने अपने क्रिएटिव सफर का एक नया दरवाज़ा खोला है, जहां उनकी आर्टिस्टिक सेंसिबिलिटी और म्यूज़िक के लिए प्यार एक बेहद इंटिमेट, ईमानदार और पर्सनल अंदाज़ में साथ आते हैं। रातां कालियां अब रिलीज़ हो चुका है।

कुब्रा सैत ने शुरू की फर्जी 2 की शूटिंग

मुंबई अभिनेत्री कुब्रा सैत ने अपनी बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज़ 'फर्जी 2' की शूटिंग शुरू कर दी है। पहले सीज़न में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली कुब्रा अब एक बार फिर सायरा के किरदार में वापसी कर रही हैं। इसके मद्देनज़र कुब्रा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर अपनी वैनिटी वैन के बाहर खिंचवाई गई कई तस्वीरें साझा की हैं, जिन पर 'सायरा' और 'फ़र्ज़ी 2' लिखा हुआ नजर आ रहा है। तस्वीरों के साथ उन्होंने मज़ाकिया अंदाज़ में लिखा है, 'क्या ये झूठी खबर है ?' लेकिन फिर खुद ही इस खबर की पुष्टि करते हुए लिखा है, 'हाँ यार! 'आख़िरकार बेहद उत्साहित हूँ... तो चलिए, 'फ़र्ज़ी 2' की शुरुआत करते हैं!' कुब्रा ने इस दिलचस्प पोस्ट के साथ कैप्शन में यह भी लिखा है, 'चलिए, अब इस ढेर सारी खुशी की शुरुआत करते हैं!' फिलहाल इस पोस्ट के ज़रिये शो को लेकर कुब्रा की ख़ुशी और उत्साह, साफ नज़र आ रहा है। वैसे कुब्रा इससे पहले भी बता चुकी हैं कि जब उन्हें 'फर्जी' ऑफर हुई थी, तब उन्होंने दोनों सीज़न के लिए एक साथ कमिटमेंट किया था। अब उनकी यह पोस्ट उस लंबे इंतज़ार के खत्म होने और दूसरे सीज़न की शुरुआत का संकेत है। राज और डीके द्वारा निर्मित 'फर्जी' में कुब्रा सैत के साथ शाहिद कपूर, विजय सेतुपति, राशि खन्ना, भुवन अरोड़ा, के के मेनन और ज़ाकिर हुसैन अहम भूमिकाओं में नजर आनेवाले हैं। पहले सीज़न में कुब्रा ने सायरा का किरदार निभाया था, जो के के मेनन के किरदार मंसूर दलाल से जुड़ी हुई थी। हालांकि दूसरे सीज़न में उनके किरदार की कहानी किस दिशा में आगे बढ़ेगी, इसे लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। वर्क फ्रंट की बात करें तो कुब्रा सैत पिछले साल फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के बाद इस साल निर्माता-निर्देशक प्रकाश झा की वेब सीरीज़ 'संकल्प' में नजर आई थीं, जहां उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों, ने काफी सराहा था। गौरतलब है कि अभिनय के अलावा लेखन, होस्टिंग और हाल ही में स्टैंड-अप कॉमेडी में भी अपनी पहचान बना चुकी कुब्रा सैत, टैलेंट का पावरहाउस बन चुकी हैं।

उम्र देखकर भरोसा नहीं, चरित्र के हिसाब से सम्मान दें

'आशिक बनाया आपने' और 'ढोल' जैसी फिल्मों में दिख चुकीं अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने बॉलीवुड में उम्र और वरिष्ठता को लेकर एक बार फिर बेबाक राय रखी है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ इसलिए सम्मान नहीं दिया जाना चाहिए, क्योंकि वह उम्र में बड़ा है या फिल्म इंडस्ट्री में लंबे समय से काम कर रहा है। अपने अनुभवों को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने जिंदगी और करियर से यह सीख ली है कि किसी इंसान की पहचान उसकी उम्र से नहीं, बल्कि उसके चरित्र से होनी चाहिए। सोमवार को तनुश्री दत्ता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड में अपने सफर और इस दौरान मिली सीख के बारे में बात की। उन्होंने लिखा, ''मुझे भी यही लगा था कि उम्रदराज एक्टर है, कोई काम नहीं दे रहा, मदद कर देती हूं। लेकिन नहीं, बॉलीवुड में 'वेटरन' का मतलब है शातिर-दिमाग, मंझा हुआ खिलाड़ी, जो घाट-घाट का पानी पीकर सारी चालबाजी सीख चुका है, जिसको सारी मीडिया और पब्लिक मैनिपुलेशन आती है।'' तनुश्री ने लिखा, ''वे अपनी वरिष्ठता और अनुभव की छवि के पीछे अपनी असलियत छिपा सकते हैं। ऐसे लोगों को मीडिया और जनता की धारणा को अपने पक्ष में करने का तरीका पता होता है।''

तनुश्री ने चेतावनी देते हुए लिखा, ''ऐसे इंसान पर सिर्फ उनकी उम्र की वजह से भरोसा न करें। इनमें से कुछ बहुत ही बुरे और नकारात्मक लोग, जिनके युवाओं के प्रति बहुत ही बुरे और घटिया इरादे हैं, वेटरन की कैटेगरी में हैं। वे युवा और विशेषाधिकार प्राप्त लोगों से नफरत करते हैं और उन्हें बर्बाद करने के लिए कुछ भी करेंगे। बॉलीवुड ने इस घटना को बार-बार देखा है।'' तनुश्री ने पोस्ट में लिखा, ''किसी इंसान को उसकी उम्र, शक्ल या बैकग्राउंड देखकर अच्छा या बुरा नहीं मानना चाहिए। असली पहचान उसके भीतर के स्वभाव और उसके कर्मों से होती है। यह दुनिया हम जैसे लोगों ने बनाई है और उन लोगों द्वारा नष्ट की जाती है, जो शालीनता का मुखौटा पहनते हैं।'' इसके बाद तनुश्री ने लिखा, ''आत्माओं और दिव्यता को पहचानें। अगर सिर्फ उम्रदराज या अनुभवी होना ही किसी को सम्मान के लायक बनाता है, तो फिर बुराई करने वाले राक्षसों को भी 'वेटरन' कहा जा सकता है।'' आखिर में तनुश्री ने अपने पूरे अनुभव के बारे में बताते हुए लिखा, ''मैंने एक बहुत बड़ी सीख ली है।

बॉबी देओल ने शुरू की 'आश्रम 4' की शूटिंग

अभिनेता बॉबी देओल ने मशहूर वेब सीरीज 'आश्रम' के सीजन-4 की शूटिंग शुरू कर दी है। शनिवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की पुष्टि की। मेकर्स प्रकाश झा प्रोडक्शंस ने इंस्टाग्राम पर एक क्लैपबोर्ड की तस्वीर पोस्ट की, जिस पर आश्रम लिखा हुआ है। इसमें पूजा की जगह पर रखा एक क्लैपरबोर्ड दिख रहा है, जिस पर 'आश्रम 4' लिखा हुआ है। मेकर्स ने पोस्ट कर लिखा, 'एक और आरंभ... आश्रम के नए अध्याय में आपका स्वागत है। जपनाम... 'आश्रम 4' की शूटिंग शुरू।' जैसे ही

पोस्ट सामने आया, फैंस और इंडस्ट्री के तमाम लोगों ने अपनी खुशी जाहिर की। बॉबी इस शो के नए सीजन में एक बार फिर 'बाबा निराला' के किरदार में नजर आएंगे। 'आश्रम' के सीजन- 4 में अदिति पोहनकर पम्मी और चंदन रॉय सान्याल भोपा स्वामी के किरदार में नजर आएंगे। इसके साथ ही दर्शन कुमार, अनुप्रिया गोयनका, ईशा गुप्ता, अध्ययन सुमन और त्रिधा चौधरी भी पिछले सीजन्स वाले किरदारों में लौटेंगे। प्रकाश झा के डायरेक्शन में बनी 'आश्रम' बाबा निराला की कहानी दिखाती है, जो खुद को भगवान बताने वाले एक बाबा हैं। वह राजनीति, अपराध और अंधविश्वास का फायदा उठाकर अपना साम्राज्य खड़ा करते हैं। बॉबी देओल अभिनीत लोकप्रिय वेब सीरीज 'आश्रम' के अब तक तीन सीजन रिलीज हो चुके हैं, जिसका निर्देशन प्रकाश झा ने किया है।

कंगना रनौत से जुड़े सवाल पर तापसी पन्नू ने जताई नाराजगी

तापसी पन्नू की आने वाली फिल्म 'गांधारी' रिलीज से पहले ही लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस फिल्म में तापसी एक ऐसी मां का किरदार निभा रही हैं, जिसकी बेटी किडनैप हो जाती है। बेटी को वापस लाने के लिए वह हर खतरे का सामना करने को तैयार है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान तापसी ने किरदार की तैयारी, आंखों की रोशनी चले जाने के बाद निभाए गए सीन और एक्शन के बारे में खुलकर बात की। इसी दौरान उन्होंने कंगना रनौत के साथ चल रहे विवाद पर भी नाराजगी जाहिर की।

तापसी ने कहा, 'फिल्म में मेरे किरदार को लेखिका कनिका ढिल्लों ने बहुत बारीकी से लिखा है। किरदार को समझने के लिए मुझे बहुत ज्यादा चीजें खुद से बनाने की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि पूरी भावनाएं पहले से कहानी में साफ थीं। मुझे बस उस किरदार को सही तरीके से पर्दे पर दिखाना था। कहानी के बीच में मेरा किरदार अपनी आंखों की रोशनी खो देता है। ऐसे में किरदार के चलने के तरीके या दूसरे कामों के करने के तरीकों को समझने के लिए मैंने एक खास ट्रेनिंग ली कि बिना देखे किस तरह चलना है, शरीर की हरकत कैसी होनी चाहिए और किसी चीज को महसूस करते समय किस तरह प्रतिक्रिया देनी है। यह अनुभव मेरे लिए इसलिए भी अलग था, क्योंकि मुझे बोलने के बजाय अपने शरीर की हर छोटी हरकत से यह दिखाना था कि मेरा किरदार देख नहीं सकता।'

एक्शन को लेकर तापसी ने कहा, ''मैं इससे पहले भी एक्शन फिल्मों में काम कर चुकी हैं, इसलिए मुझे इसकी तैयारी का अंदाजा है। एक्शन करते समय कलाकार को खुद को इस तरह तैयार रखना पड़ता है कि चोट लगने का खतरा कम हो। इसके लिए शरीर और दिमाग दोनों को तैयार रखना जरूरी होता है। लेकिन, 'गांधारी' का एक्शन मेरे पुराने काम से अलग है, क्योंकि इसमें एक मां की भावनाएं भी जुड़ी हुई हैं।'' उन्होंने कहा, ''मेरे किरदार का एक्शन किसी बदले की भावना से जुड़ा नहीं है। वह अपनी बेटी को बचाने के लिए लड़ रही है। इसलिए जब वह किसी से भिड़ती है तो उसके पीछे गुस्से से ज्यादा अपनी बच्ची को वापस पाने की बेचैनी है। अगर मेरे किरदार की बेटी तक पहुंचने के रास्ते में कोई भी आएगा, तो वह उसे नहीं छोड़ेगी।''

फिल्म के ट्रेलर की बात करें तो इसकी शुरुआत तापसी और उनकी बेटी मिष्टी के साथ होती है। दोनों के बीच मां-बेटी का बेहद प्यारा रिश्ता दिखाई देता है। एक सीन में तापसी आंखों पर पट्टी बांधकर बच्ची के साथ छुपन-छुपाई खेलती नजर आती हैं। इसके बाद कहानी अचानक बदल जाती है। ट्रेन से सफर के दौरान मिष्टी गायब हो जाती है और यहीं से एक मां की बच्ची को लेकर तलाश शुरू होती है। बेटी को काफी खोजने के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिलता, तो तापसी का किरदार खुद उसे ढूंढने निकलता है। कहानी में आगे दिखाया जाता है कि सिर्फ मिष्टी ही नहीं, बल्कि आसपास के इलाके से कई बच्चियां गायब हुई हैं। इसके बाद मामला और गंभीर हो जाता है। तापसी को छाया कदम का किरदार ट्रेनिंग देता है, और वह आंखों पर पट्टी बांधकर अपनी बेटी की तलाश के लिए निकल पड़ती है।

ट्रेलर में महाभारत का संदर्भ भी

ट्रेलर में महाभारत की गांधारी का भी संदर्भ दिया गया है। इसमें कहा जाता है कि जिस तरह गांधारी ने अपने पति के लिए आंखों पर पट्टी बांधी थी, उसी तरह एक मां अपनी बेटी के लिए आंखों पर पट्टी बांधेगी। आगे जॉयपुरा की रहस्यमयी दुनिया दिखाई देती है, जहां बहरूपियों और गायब होती बच्चियों से जुड़ा एक डरावना सच सामने आता है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान जब कंगना रनौत के साथ चल रहे विवाद को लेकर सवाल पूछा गया, तो इस पर तापसी ने अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, ''मीडिया यह सवाल पूछना कब बंद करेगा? अगर सच में आप चाहते हैं कि हमारे बीच कोई विवाद न रहे तो ऐसे सवाल पूछना ही बंद कर देना चाहिए। शायद मीडिया को इस तरह के सवालों में काफी मजा आता है, तभी बार-बार यही बात पूछी जाती है।''

संक्षिप्त समाचार

जोहरान ममदानी की नेटवर्थ 200000 डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मूल के जोहरान ममदानी फिर से चर्चा में आ गए हैं। वह अमेरिकी शहर

न्यूयॉर्क के मेयर हैं। उन्होंने शहर के मैडिसन स्क्वायर में होने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के कार्यक्रम का विरोध किया है। मोहन भागवत 29 अगस्त को मैडिसन स्क्वायर में भारतीय मूल के लोगों को संबोधित करेंगे। यह एक निजी कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम का विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है, जिस कारण इसे इजाजत नहीं दी गई है। मोहन भागवत के इस कार्यक्रम को लेकर ममदानी ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं रैली का समर्थन नहीं करता, लेकिन मुझे नहीं पता कि क्या शहर के पास किसी निजी कार्यक्रम को रद्द करने का अधिकार है। ममदानी की मां का परिवार अभी भी भारत में रहता है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मेरे परिवार ने मुझे भारत की जो छवि दिखाई और जिसे देखते हुए मैं बड़ा हुआ, वह एक विविधतापूर्ण समाज की थी– एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य जो भारत के हर व्यक्ति के अपनेपन में विश्वास रखता था। जोहरान ममदानी का रिश्ता भारत से भी जुड़ा है। ममदानी के पिता महमूद ममदानी प्रोफेसर हैं, जबकि मां मीरा नायर प्रसिद्ध भारतीय फिल्मकार रही हैं। उन्होंने बॉलीवुड फिल्में मानसून वेडिंग और सलाम बॉम्बे में डायरेक्टर की भूमिका निभाई है। ममदानी काफी बढ़िया हिंदी बोलते हैं। फोर्ब्स के अनुसार ममदानी की कुल संपत्ति करीब 200000 डॉलर (करीब 1.90 करोड़ रुपये) है। ममदानी का जन्म युगांडा में हुआ है। ऐसे में उनकी संपत्ति का बड़ा हिस्सा युगांडा से जुड़ा है। पिछले साल दिए गए वित्तीय खुलासे में, उन्होंने जिंजा में चार एकड़ जमीन का जिक्र किया था। यह इलाका नील नदी के उद्गम के पास विक्टोरिया झील के किनारे बसा है। उन्होंने इस जमीन की कीमत 150000 डॉलर से 250000 डॉलर के बीच बताई है।

जब 300 से 900 के बीच होता है क्रेडिट स्कोर तो 0 और -1 का क्या है झोल जानें इसका असल मतलब

नई दिल्ली, एजेंसी। जब भी आप किसी बैंक से लोन लेते हैं या किसी कंपनी से कोई सामान फाइनेंस कराते हैं तो उस समय सबसे पहले आपके क्रेडिट स्कोर को चेक किया जाता है। यह खासतौर पर तीन अंकों की संख्या होती है, जो 300 से लेकर 900 के बीच होती है। यह किसी के वित्तीय लेन-देन और लोन चुकाने की क्षमता को दिखाती है। आमतौर पर माना जाता है कि जिसका क्रेडिट स्कोर 750 या उससे अधिक होता है तो उसका सिबिल स्कोर बहुत अच्छा है। वहीं, इसके नीचे रहने पर आपको लोन लेने में कुछ ज्यादा ही कागजातों की जरूरत पड़ती है। खैर, हम 300 से 900 के क्रेडिट स्कोर को तो जानेंगे ही, लेकिन क्या आपको पता है कि किसी का यह स्कोर 0 या –1 भी हो सकता है। अब सवाल यह है कि 300 से 900 के क्रेडिट स्कोर की रेस में यह 0 या –1 का क्या मसला है। क्रेडिट स्कोर को सिबिल स्कोर भी कहा जाता है। अगर किसी का सिबिल स्कोर 0 (शून्य) है तो इसका मतलब यह होता है कि उस व्यक्ति का कोई क्रेडिट इतिहास नहीं रहा है। इसका अर्थ यह हुआ है कि उस व्यक्ति ने पहले ना कभी कोई लोन लिया है और ना ही कभी क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल किया है। वहीं, क्रेडिट के इस्तेमाल या रि-पेमेंट के इतिहास के बिना क्रेडिट ब्यूरो किसी के क्रेडिट स्कोर को गिन ही नहीं सकता। इस मामले में व्यक्ति का क्रेडिट स्कोर शून्य होता है। अब बात –1 क्रेडिट स्कोर की करते हैं। यह बहुत ही रेयर केस में होता है। –1 क्रेडिट स्कोर का मतलब होता है कि क्रेडिट ब्यूरो को गलत या निगेटिव जानकारी दी गई है। इसके कारण किसी का क्रेडिट स्कोर 0 से भी नीचे यानी –1 हो जाता है। जानकार बताते हैं कि –1 क्रेडिट स्कोर तब ही होता है जब क्रेडिट ब्यूरो को आपके बारे में गलत या धोखाधड़ी वाली जानकारी दी जाए। –1 स्कोर मामले में लोन मिलने की संभावना एकदम ना के बराबर होती है। अगर किसी को लोन चाहिए तो उसे सबसे पहले अपने इस –1 क्रेडिट स्कोर को सुधारना होता है।

मुकेश अंबानी का नया बिजनेस प्लान

एल्युमिनियम कारोबार में उतर सकती है रिलायंस, अडानी भी लगा रहे बड़ा दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड एल्युमिनियम उत्पादन के कारोबार में उतरने की संभावनाएं तलाश रही है। अगर कंपनी इस दिशा में आगे बढ़ती है, तो यह उसके प्रस्तावित कोल गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट को मेटल मैन्युफैक्चरिंग से जोड़ने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है।

कंपनी ने अभी इस योजना को अंतिम रूप नहीं दिया है और मामला शुरुआती स्तर पर है। मामले से जुड़े लोगों के हवाले से मिंट ने बताया कि रिलायंस मेटल्स कारोबार में एंट्री की संभावनाओं का मूल्यांकन कर रही है। वहीं, यूएनआई के मुताबिक, कंपनी ने ओडिशा के कार्लापट

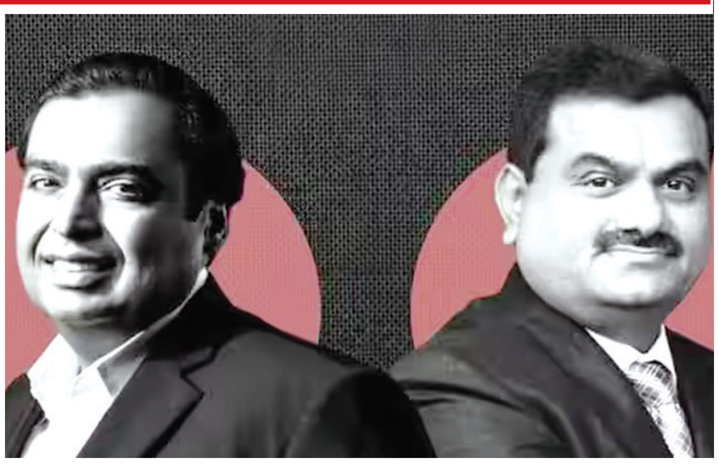

बॉक्साइट ब्लॉक के टेंडर डॉक्यूमेंट भी खरीदे हैं।

अगर रिलायंस भी इस सेक्टर में उतरती है, तो देश के दो बड़े कारोबारी समूहों के बीच एल्युमिनियम कारोबार में सीधी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है।

वेदांता और हिंडाल्को की मौजूदगी: भारत के एल्युमिनियम बाजार में पहले से ही बड़े खिलाड़ी मौजूद हैं। वेदांता एल्युमिनियम करीब 2.5 मिलियन टन सालाना क्षमता के साथ देश की सबसे बड़ी एल्युमिनियम उत्पादक कंपनी है। आदित्य बिड़ला ग्रुप की हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की एल्युमिनियम उत्पादन क्षमता करीब 1.4 मिलियन टन है। वहीं, सरकारी कंपनी की क्षमता करीब 0.5 मिलियन टन बताई गई है।

200 मिलियन टन से अधिक बॉक्साइट

करीब 3100 हेक्टेयर में फैले कार्लापट ब्लॉक में 200 मिलियन टन से अधिक बॉक्साइट होने का अनुमान है। इससे पहले रिलायंस और अडानी ग्रुप समेत कई कंपनियों ने इस ब्लॉक में रुचि दिखाई थी। हालांकि, नीलामी में 175 फीसदी ऑक्शन प्रीमियम की पेशकश के बाद वेदांता एल्युमिनियम की सब्सिडियरी पसंदीदा बोलीदाता के रूप में उभरी थी। जब अडानी ग्रुप भी एल्युमिनियम कारोबार में बड़ा विस्तार करने की तैयारी कर रहा है।

रिलायंस की एल्युमिनियम कारोबार पर नजर क्यों

रिपोर्ट के मुताबिक, रिलायंस एल्युमिनियम कारोबार में उतरती है तो कोल गैसीफिकेशन से पैदा होने वाले ईंधन का इस्तेमाल एल्युमिना रिफाइनिंग और एल्युमिनियम स्मेल्टिंग जैसे ऊर्जा–गहन कामों में किया जा सकता है। इससे कंपनी अपने कोल गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट की व्यावसायिक उपयोगिता बढ़ाने की कोशिश कर सकती है। एल्युमिनियम उद्योग में बड़ी मात्रा में ऊर्जा की जरूरत होती है। बॉक्साइट से एल्युमिना बनाने और इसके बाद एल्युमिनियम स्मेल्टिंग की प्रक्रिया में काफी बिजली और ईंधन की खपत होती है। ऐसे में कोल गैसीफिकेशन और एल्युमिनियम उत्पादन को एक साथ जोड़ना रिलायंस के लिए रणनीतिक रूप से फायदेमंद हो सकता है।

सावन में महंगे हो रहे अंडे आगे और बढ़ सकती है कीमत, इथेनॉल से है सीधा कनेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। चीनी की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। इसके लिए इथेनॉल को भी जिम्मेदार माना जा रहा है। इथेनॉल से चीनी ही महंगी नहीं हुई है बल्कि इसका असर अंडों की कीमत पर

भी पड़ रहा है। इसकी वजह यह है कि पोल्ट्री फीड में इस्तेमाल होने वाले मक्के का एक बड़ा हिस्सा अब इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल हो रहा है। इससे चारे की लागत और अंडों की कीमतें बढ़ गई हैं। नेशनल एग कोऑर्डिनेशन कमेटी के आंकड़ों के मुताबिक पिछले एक साल में अंडों की कीमतें करीब 35-40 प्रतिशत बढ़ी हैं। अब फार्म पर एक अंडे की कीमत लगभग 7 है। रिटेल में इनकी कीमत 8.50 से 9.00 के बीच है।

ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक पोल्ट्री इंडस्ट्री के अधिकारियों ने आशंका जताई है कि सर्दियों में अंडे की कीमत बढ़ सकती हैं, क्योंकि तब डिमांड बढ़ बढ़ जाती है। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि कुल मक्का उत्पादन का लगभग 37 प्रतिशत हिस्सा अब इथेनॉल डिस्टिलरी में जा रहा है। पिछले एक साल में अंडों की कीमतें लगभग 40 प्रतिशत बढ़ी हैं और इनके और बढ़ने की संभावना है।

मक्के का उत्पादन: संसद के आंकड़ों के मुताबिक भारत का कुल मक्का उत्पादन लगभग 43.4 मिलियन टन है, जिसमें से लगभग 17 मिलियन टन का इस्तेमाल अब इथेनॉल उत्पादन के लिए किया जा रहा है। इससे पोल्ट्री फीड और अन्य इस्तेमाल के लिए सप्लाई कम हो गई है।

मक्के से इथेनॉल बनाने का काम तेजी से बढ़ा है। 2022 में यह लगभग 1 मिलियन टन था, जो 2024 में बढ़कर 6 मिलियन टन से ज्यादा हो गया और अभी यह लगभग 17 मिलियन टन है। जानकारों का मानना है कि 2030 तक यह 25 मिलियन टन तक पहुंच जाएगा। पोल्ट्री इंडस्ट्री देश के कुल मक्के का लगभग 60 प्रतिशत इस्तेमाल करती है।

सप्लाई क्यों हुई प्रभावित

सरकार के इथेनॉल ब्लेंडिंग नियम के तहत तेल कंपनियों को पेट्रोल पंपों पर बेचने के लिए पेट्रोल में बायोफ्यूल मिलाना जरूरी है। इथेनॉल बनाने के लिए गन्ने और मक्के का इस्तेमाल बढ़ गया है। इससे चीनी बनाने और फीडस्टॉक के लिए सप्लाई प्रभावित हुई है। इस कमी के बीच मक्के की कीमत तीन साल पहले के लगभग 14,000 प्रति टन से बढ़कर लगभग 26,500 प्रति टन पहुंच गई है। इससे पोल्ट्री किसानों के लिए उत्पादन लागत बढ़ गई है। पिछले पांच महीनों में ही कीमतें लगभग 20 प्रतिशत बढ़ी हैं। पोल्ट्री किसानों के लिए मक्का सबसे बड़ा खर्च है, जो कुल पोल्ट्री उत्पादन लागत का 65–70 प्रतिशत हिस्सा है।

100 प्रतिशत सेफ और धांसू रिटर्न! पैसा डबल करने की सरकारी स्कीम

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के नागरिकों के द्वारा पैसों की बचत के लिए सरकार कई सारी योजनाएं चलाती है। इन योजनाओं के तहत जमा राशि पर उसके द्वारा अच्छा-खासा ब्याज भी दिया जाता है। इस बीच हम यहां एक ऐसी ही सरकारी बचत स्कीम की बात कर रहे हैं, जिसे 100 फीसदी सेफ यानी कि सुरक्षित बताया जाता है।

इतना ही नहीं इसमें निवेश पर धांसू रिटर्न भी मिलता है और आपका पैसा डबल हो जाता है। इस योजना का नाम किसान विकास पत्र (केवीपी) है।

किसान विकास पत्र की बात करें तो इस बचत योजना की शुरुआत 1988 में किया गया था। वैसे इस योजना के नाम में किसान शब्द है, लेकिन यह सरकारी स्कीम केवल किसानों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे भारतीयों के लिए है। आप इस योजना के तहत कम से कम 1000 रुपये से निवेश की शुरुआत कर सकते हैं। इसमें अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है। आप जितना चाहें उतना अधिक पैसा इस योजना में निवेश या जमा कर सकते हैं। किसान विकास पत्र मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं, जो सिंगल होल्डर, ज्वॉइंट ए और ज्वाइंट बी नाम से हैं। सिंगल होल्डर एक व्यक्ति या नाबालिग के लिए होता है। ज्वाइंट ए दो व्यक्तियों (अधिकतम तीन व्यक्ति) के लिए होता है। जिसमें दोनों (सभी)संयुक्त रूप से पैसे जमा करते हैं। ज्वाइंट बी दो व्यक्तियों (अधिकतम तीन) के लिए होता है। इसमें किसी एक व्यक्ति या जीवित बचे व्यक्ति को पेमेंट किया जा सकता है। किसान विकास पत्र खाते में कम से कम 1000 रुपये से निवेश की शुरुआत की जा सकती है। आप अपने पास के डाकघर या अधिकृत बैंक में जाकर इस खाते को खुलवा सकते हैं। इस सरकारी बचत योजना में सरकार के द्वारा सालाना 7.5 फीसदी का चक्रवृद्धि ब्याज दिया जाता है। योजना में निवेश की गई राशि का लॉक-इन-पीरियड 2 साल 6 महीने का होता है। मतलब कि करीब 30 महीनों तक आप खाते से पैसे नहीं निकाल सकते हैं।

अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन की लागत दोगुनी हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में बुलेट ट्रेन का पहला प्रोजेक्ट अहमदाबाद और मुंबई के बीच बन रहा है। इसकी आधारशिला 14 सितंबर, 2017 को रखी गई थी और इसे 15 अगस्त, 2022 को शुरू करने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन कई बार इसकी डेडलाइन को आगे बढ़ाया जा चुका है। अब इस प्रोजेक्ट के 2030 में पूरा होने की संभावना है और कॉरिडोर का पहला हिस्सा अगस्त 2027 में चालू होने की उम्मीद है।

इस बीच अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की लागत को संशोधित करके लगभग 2.1 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है, जो 1.1 लाख करोड़ रुपये शुरुआती अनुमानित लागत से लगभग दोगुनी है।

टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक 508 किलोमीटर लंबी हाई-स्पीड रेल लाइन की संशोधित लागत को मंजूरी दिलाने का प्रस्ताव मंगलवार को कैबिनेट के सामने रखा गया था। जनवरी में, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने कहा था कि प्रोजेक्ट की लागत लगभग 83 प्रतिशत बढ़कर 1.98 लाख करोड़ रुपये हो गई है। जमीन अधिग्रहण में देरी, जरूरी मंजूरियां मिलने में देरी और ट्रेनों को अंतिम रूप देने में देरी जैसे कई कारणों से इस प्रोजेक्ट में समय और लागत दोनों बढ़े हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फरवरी में बजट पेश करते हुए 7 नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा की थी। इन पर लगभग 16 लाख करोड़ के कुल निवेश का अनुमान है। ये कॉरिडोर मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी के बीच होंगे।

कब शुरू होगा प्रोजेक्ट

सूत्रों ने बताया कि रेल मंत्रालय ने लागत बढ़ने के मुख्य कारणों में महाराष्ट्र में जमीन अधिग्रहण में लगा समय और जापान से ट्रेन सेट मिलने में हुई देरी का हवाला दिया है। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट के 2030 में पूरा होने की संभावना है और कॉरिडोर का पहला हिस्सा अगस्त 2027 में चालू होने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक, ज्यादातर अतिरिक्त फंड बजट से मिलेगा। अब तक, 1.1 लाख करोड़ रुपये की फंडिंग जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी और बजट आवंटन से हुई है। रेलवे के मुताबिक हाई–स्पीड ट्रेनें भारत में बनाई जाएंगी और हर ट्रेन की लागत लगभग 390 करोड़ से 400 करोड़ रुपये होगी। कैबिनेट बैठक के फैसलों पर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई।

हेमोडायलिसिस: जीवन का अंत नहीं, जीने का एक और मौका है: डॉ. विशाल रामटेके

सिवनी, एजेंसी। क्रोनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) भारत में तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्या है। इसके प्रमुख कारणों में डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा और बढ़ती उम्र शामिल हैं। किडनी की बीमारी अक्सर धीरे-धीरे बढ़ती है और शुरुआत में इसके लक्षण आसानी से दिखाई नहीं देते। जब किडनी की कार्यक्षमता काफी कम हो जाती है, तब शरीर में सूजन, सांस लेने में परेशानी, लगातार जी मिचलाना, थकान, भूख कम लगना या पेशाब कम होना जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। डॉ. विशाल रामटेके, एसोसिएट डायरेक्टर ङ्क नेफ्रोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नागपुर ने इसके बारे में जानकारी दी। इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखने में सक्षम नहीं रहती, तो स्थिति गंभीर हो सकती है।

टाटा एआईजी ने मप्र में 25,000 एमएसएमई पॉलिसियों का आंकड़ा पार किया

भोपाल, एजेंसी। टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2025-26 में मध्य प्रदेश में 25,000 एसएमई बीमा पॉलिसियां जारी करने का आंकड़ा पार कर लिया है। इसमें भोपाल का योगदान सबसे अधिक रहा। यह राज्य के एमएसएमई क्षेत्र में कंपनी की बढ़ती पहुंच को दर्शाता है। कंपनी का फोकस भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, धार और सिंगरौली जैसे प्रमुख औद्योगिक केंद्रों पर है। मध्य प्रदेश में करीब 56.5 लाख एमएसएमई हैं। इनमें 26.5 लाख उद्यम के तहत पंजीकृत हैं, जबकि 6.1 लाख जीएसटी के तहत पंजीकृत हैं। ये कारोबार करीब 1.25 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं। टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस में एमएसएमई प्रोडक्ट्स के प्रमुख प्रणय शाह ने कहा, भारत की एमएसएमई विकास यात्रा में मध्य प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य में मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग, कृषि से जुड़े कारोबार, शिक्षा, टेक्नोलॉजी और अन्य क्षेत्रों में बड़ी संख्या में विविध प्रकार के उद्यम हैं। हमारा ध्यान इन कारोबारों की बदलती जोखिम जरूरतों को समझने और उन्हें भरोसेमंद व आसानी से उपलब्ध बीमा समाधान देने पर है। वित्त वर्ष 2025-26 में प्रमुख क्षेत्रों में अच्छी वृद्धि देखने को मिली है। हमारी विशेषज्ञ अंडरराइटिंग टीम और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधन हमें एमएसएमई की जरूरतों के अनुसार अधिक प्रभावी तरीके से सेवाएं देने में मदद कर रहे हैं। विशेषज्ञ क्षमताओं को मजबूत करके हमारा लक्ष्य एमएसएमई को जोखिमों से बेहतर तरीके से निपटने, लोगों की आजीविका सुरक्षित रखने और कारोबार को बिना रुकावट जारी रखने में मदद करना है।

किआ इंडिया ने भारत में लॉन्च से पहले जारी की किआ सोरेंटो की पहली आधिकारिक तस्वीरें

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की प्रमुख मास-प्रीमियम कार निर्माता कंपनियों में से एक, किआ इंडिया ने आज भारत में लॉन्च से पहले अपनी प्रीमियम फ्लैगशिप एसयूवी किआ सोरेंटो की पहली आधिकारिक तस्वीरें जारी की। सोरेंटो भारत के लिए किआ की पहली हाइब्रिड एसयूवी है, और इसके साथ ब्रांड एक बिल्कुल नए प्रीमियम थ्री-रो एसयूवी सेगमेंट मेंपदार्पण कर रहा है। यह कंपनी की वैश्विक एसयूवी डिजाइन सोच को भारतीय ग्राहकों तक लाती है, जिसमें भारी-भरकम लुक, अलग दिखने वाले डिजाइन एलिमेंट, बेहतरीन इंटीरियर और प्रीमियम एसयूवी का पूरा अनुभव शामिल है।

किआ इंडिया लगातार अपने प्रीमियम एसयूवी पोर्टफोलियो को मजबूत बना रही है, और भारत के लिए भारत में बनी अपनी अब तक की सबसे एडवांस्ड किआ सोरेंटो के आने से कंपनी अपने प्रोडक्ट रेंज को देश में एक बड़ा विस्तार दे रही है। जारी की गई आधिकारिक तस्वीरों में इस एसयूवी का बड़ा आकार और दमदार मौजूदगी साफ झलकती है, जो इसकी दमदार और आधुनिक डिजाइन की वजह से उभरकर आती है और इसे एक प्रीमियम फैमिली एसयूवी के तौर पर और मजबूत पहचान देती है। इसके भारी-भरकम अनुपात और अलग दिखने वाले बाहरी डिजाइन से लेकर आधुनिक और सुरुचिपूर्ण इंटीरियर तक, किआ सोरेंटो का हर हिस्सा किआ की बदलती वैश्विक डिजाइन सोच को दिखाता है और इसकी प्रीमियम एसयूवी वाली अपील को और बढ़ाता है। भारत में लॉन्च से पहले एक बड़ा पड़ाव पार करते हुए किआ सोरेंटो का प्रोडक्शन किआ इंडिया की अनंतपुर फैसिलिटी में शुरू हो चुका है, और आज पहली लोकल बनी गाड़ी प्रोडक्शन लाइन से बाहर आ चुकी है। प्रोडक्शन शुरू होना भारत में किआ के लिए सोरेंटो के साथ एक नए अध्याय की शुरुआत है।

कोलंबो टेस्ट में छा गए सोनल दिनूषा, जड़ा ऐतिहासिक शतक

बनाया सनत जयसूर्या- महेला जयवर्धने वाला महारिकॉर्ड

श्रीलंका बनाम भारत

कोलंबो, एजेंसी। भारत के खिलाफ श्रीलंका के युवा बल्लेबाज सोनल दिनूषा का शानदार प्रदर्शन जारी है. 25 साल के दिनूषा ने कोलंबो टेस्ट की दूसरी पारी में शतक जड़कर कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए. दिनूषा ने इस मुकाबले में 103 रनों की पारी खेली. उनकी पारी की बदौलत श्रीलंका ने 290 रनों का स्कोर बनाया, हालांकि दिनूषा अपनी टीम को फॉलोऑन से नहीं बचा सके, जिसके लिए श्रीलंका को 304 रनों का स्कोर बनाना था. भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 503-9 रन बनाकर घोषित की. कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में सोनल दिनूषा ने एक बार फिर भारतीय गेंदबाजों की जमकर खबर ली. चौथे दिन यानी बुधवार (26 अगस्त) को दिनूषा ने 147 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया. यह इस सीरीज में दिनूषा का दूसरा शतक है. इससे पहले गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में उन्होंने एक पारी में 100 रन बनाए थे, जबकि दूसरी पारी में 84 रन जड़े थे. अब कोलंबो में शतक के साथ उनका मौजूदा सीरीज में स्कोर 100, 84 और 103 हो गया है.

भारत के खिलाफ लगातार टेस्ट में शतक लगाने वाले श्रीलंकाई बल्लेबाज

- अरविंद डी सिल्वा – 3 बार
- कुमार संगकारा – 3 बार
- सनथ जयसूर्या – 2 बार
- महेला जयवर्धने – 2 बार
- थरंगा परानाविताना – 2 बार
- एंजेलो मैथ्यूज – 2 बार
- सोनल दिनूषा – 2 बार

जयसूर्या और जयवर्द्धने वाले क्लब में एंट्री – सोनल दिनूषा अब भारत के खिलाफ लगातार टेस्ट मैचों में शतक लगाने वाले श्रीलंकाई बल्लेबाजों की खास सूची में शामिल हो गए हैं. इस सूची में सनथ जयसूर्या और महेला जयवर्द्धने जैसे दिग्गज भी मौजूद हैं. 25 साल के सोनल भारतीय ऑफ स्पनिर सारांश जैन की गेंद पर आउट हुए, उनको केएल राहुल ने आउट किया.

प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर पूरा किया शतक दिनूषा

दिनूषा ने प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया. गेंद छोटी और ऑफ स्टंप के बाहर थी, जिस पर उन्होंने शानदार पुल शॉट खेला. गेंद हवा में जरूर गई, लेकिन आसानी से इनफील्ड को पार करते हुए बाउंड्री के बाहर पहुंच गई. शतक पूरा होने के बाद दिनूषा ने बल्ले को चूमा, हेलमेट उतारा और दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया. खास बात यह रही कि इस सीरीज में उनकी यह एक और लगभग बेदाग पारी रही. दोनों टीमों में देवदत्त पडिक्कल ने उनसे ज्यादा रन बनाए हैं, लेकिन दिनूषा की बल्लेबाजी पर नियंत्रण ने उन्हें इस सीरीज के सबसे प्रभावशाली बल्लेबाजों में शामिल कर दिया है.

भारत के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में कई शतक

- 2 – एवर्टन वीक्स (वेस्टइंडीज, 1948)
- 2 – गारफील्ड सोबर्स (वेस्टइंडीज, 1958)
- 2 – ज़हीर अब्बास (पाकिस्तान, 1978)
- 2 – दुलीप मेंडिस (श्रीलंका, 1982)
- 2 – रॉबिन स्मिथ (इंग्लैंड, 1990)
- 2 – गैरी कर्स्टन (साउथ अफ्रीका, 1996)
- 2 – जेसी राइडर (न्यूजीलैंड, 2009)
- 2 – सोनल दिनुषा (श्रीलंका, 2026)

श्रीलंका फॉलोऑन के बाद भारत से 16 रन आगे, स्कोर-229/6: पसिंदु ने 92 रन बनाए; सुथार को दो विकेट, बारिश से मैच बाधित

भारत के खिलाफ कोलंबो टेस्ट में फॉलोऑन खेल रही श्रीलंका ने दूसरी पारी में 229/6 रन बनाए हैं। टीम ने भारत की पहली पारी के स्कोर से 16 रन की बढ़त हासिल कर ली है। सोनल दिनूषा 7 और केशरा नुवनथा 3 रन पर नाबाद हैं। चौथे दिन बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। पसिंदु सोरियाबंडारा 92 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मानव सुथार ने पवेलियन भेजा। सुथार ने कप्तान धनंजय डी सिल्वा को भी 23 रन पर आउट किया। इससे पहले निरोशन डिकवेला 6 रन पर सारांश जैन, कमिंदु मेंडिस 55 रन पर प्रसिद्ध कृष्णा, कमिल मिशारा 32 रन पर रवींद्र जडेजा और लाहिरू उदारा 3 रन पर मोहम्मद सिराज की बॉल पर आउट हुए।

कारुआना ने ग्रैंड चेस टूर फाइनल में जीत हासिल की

पहले क्लासिकल गेम के बाद 6-0 की बढ़त

नईदिल्ली, एजेंसी। सेंट लुइस में खेले जा रहे ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स 2026 के खिताबी मुकाबले में ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना ने भारत के आर प्रज्ञानानंदा को हरा दिया। कारुआना ने फाइनल के पहले क्लासिकल गेम में प्रज्ञानानंदा को शिकस्त दी। इस जीत से अमेरिका के कारुआना ने मैच में 6-0 की बढ़त बना ली। मुकाबले में प्रज्ञानानंदा लंबे समय तक बराबरी पर थे, लेकिन 28वीं चाल में हुई गलती के बाद कारुआना ने गेम अपने नाम कर लिया। वहीं तीसरे स्थान के मुकाबले में विंसेंट कीमर और वेस्ली सो का पहला क्लासिकल गेम ड्रॉ रहा और दोनों का स्कोर 3-3 है।

बायर्न म्यूनिख ने ड्रिसेन और एबरल का अनुबंध जून 2029 तक बढ़ाया

बर्लिन, एजेंसी । बायर्न म्यूनिख ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी जान-क्रिश्चियन ड्रिसेन और स्पोर्टिंग बोर्ड मेंबर मैक्स एबरल का अनुबंध जून 2029 तक बढ़ा दिया है। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फैसले को बायर्न के सुपरवाइजरी बोर्ड ने मंगलवार को एक बैठक में मंजूरी दी। मंजूरी मिलने के बाद ड्रिसेन और एबरल का 2027 में समाप्त होने वाला कार्यकाल 2 साल बढ़ गया। ड्रिसेन 2013 में मुख्य वित्तीय अधिकारी के तौर पर बायर्न में शामिल हुए थे और एक साल बाद उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी बने थे। वह मई 2023 से सीईओ के तौर पर काम कर रहे हैं। अनुबंध बढ़ाए जाने के बाद ड्रिसेन ने कहा, 'मैं सुपरवाइजरी बोर्ड को उनके भरोसे के लिए धन्यवाद देता हूं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर मुमकिन कोशिश करते रहना चाहते हैं कि एफसी बायर्न शीर्ष क्लब बना रहे जिस पर हम सभी को गर्व है। यही हमें प्रेरित करता है। हमने अभी भी बहुत योजनाएं बनाई हैं। ' 52 साल के एबरल, बोरूसिया मोनचेंग्लाडबैक और आऱबी लीपजिग में प्रबंधन में काम करने के बाद मार्च 2024 में स्पोर्टिंग बोर्ड मेंबर के तौर पर बायर्न लौटे। वह छह साल की उम्र में बायर्न में शामिल हुए, यूथ सिस्टम में आगे बढ़े और बाद में क्लब के लिए अपना पेशेवर डेब्यू किया। एबरल ने कहा, 'जब से मैं यूथ टीमों में था, तब से एफसी बायर्न मेरे दिल के करीब रहा है। सुपरवाइजरी बोर्ड का भरोसा एक कीमती निशानी है और मैं इससे बहुत खुश हूं। ' सुपरवाइजरी बोर्ड के चेयरमैन हर्बर्ट हैनर ने कहा कि स्थिरता जरूरी है, स्थिरता ताकत देती है। हमें क्लब को सबसे ऊंचे स्तर पर लगातार विकसित करने के लिए हमें दोनों की जरूरत है। बायर्न यूरोप के शीर्ष क्लबों में अपनी जगह बनाए रखना चाहता है। हैनर ने कहा, ड्रेसेन, एबरल और मार्केटिंग और सेल्स एग्जीक्यूटिव रूवेन कैस्पर का मैनेजमेंट बोर्ड क्लब को पिच पर और पिच के बाहर आगे बढ़ाने के लिए अच्छी स्थिति में था। जुलाई 2024 से बायर्न के मैनेजमेंट बोर्ड में तीन सदस्य हैं। इस स्ट्रक्चर का मकसद समन्वय बनाते हुए जल्दी फैसले लेने में मदद करना है।

विमेंस एशिया कप

पहली बार खेल रही इंडोनेशिया ने किया टीम का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला एशिया कप 2026 का आयोजन 28 अगस्त से 13 सितंबर तक दुबई में होना है। इंडोनेशिया की महिला टीम ने पहली बार टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक 2 दिन पहले इंडोनेशिया ने अपनी टीम का भी ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट के लिए टीम का ऐलान करने वाली इंडोनेशिया आखिरी टीम है। टीम युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण है। अनुभवी कप्तान नंदा सकारिनी टीम का नेतृत्व करेंगी, जबकि वेलिक के साथ मिलकर बेहतरीन बॉलिंग ग्रुप में शामिल होंगी। टीम में आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप 2023 की स्टार खिलाड़ी वेसिका रत्ना देवी, पुत्री सुवानदेवी और सांग मेयरपिरानी शामिल हैं। देसी वुलंडारी, ली कियाओ और नी काडेक एरियानी भी टीम का हिस्सा हैं। इंडोनेशियाई टीम का क्वालीफिकेशन कैंपेन बहुत अच्छा रहा, वे थाईलैंड से हारने से पहले सेमीफाइनल तक पहुंचीं, और तीसरे स्थान के प्ले-ऑफ में हांगकांग, चीन से हार गईं। टीम ने जून में एसीसी विमेंस प्रीमियर कप के जरिए क्वालीफाई किया था। पूरे इवेंट में टीम के लिए सिर्फ 11 सदस्य खेले थे। सकारिनी क्वालीफाइंग में टीम की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी थीं। इंडोनेशिया एशिया कप में ग्रुप बी का हिस्सा है। इस ग्रुप की अन्य तीन टीमें बांग्लादेश, श्रीलंका और यूएई हैं। एशिया कप कैंपेन में इंडोनेशिया का पहला मैच 31 अगस्त को बांग्लादेश के खिलाफ है, इसके बाद वे 2 सितंबर को श्रीलंका और 4 सितंबर को यूएई का सामना करेंगे। पहली हार टूर्नामेंट में उतरी इंडोनेशिया के प्रदर्शन पर क्रिकेट फैंस की नजर रहेगी। महिला एशिया कप के लिए इंडोनेशिया की टीमः नंदा सकारिनी (कप्तान), काडेक विंडा प्रास्तिनी, रहमावती पंगेस्टुटी, वेसिका रत्ना देवी, राडा रानी, ??देसी वुलंडारी, पुत्री सुवांडेवी, किसी सलीसा कासे, सांग मेप्रियानी, नी काडेक एरियानी, डेर्नी बांगी, दारा अगुंग लक्ष्मी, ली कियाओ, मारिया कोराजोन वोम्बाकी, सोफिया वेलिक।

एंटीगुआ ने बारबाडोस ट्राइडेंट्स को 30 रन से हराया, जोसुआ जेम्स रहे प्लेयर ऑफ द मैच

एंटीगुआ, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2026 का 16वां मुकाबला सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में एंटीगुआ और बारबुडा फाल्कन्सल और बारबाडोस ट्राइडेंट्स के बीच खेला गया। एंटीगुआ ने बारबुडा को 30 रन से हरा दिया। बारबाडोस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। एंटीगुआ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 155 रन बनाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा 56 रन कप्तान मोईन अली ने बनाए। 37 गेंदों पर खेली गई इस नाबाद पारी में मोईन ने 4 छक्के और 3 चौके लगाए। इसके अलावा, करिमा गोरे ने 27 और आमिर जंगू ने 26 रन बनाए। शमार स्प्रिंगर ने नाबाद 19 रन बनाए। बारबाडोस की तरफ से मुजीब उर रहमान ने 4 ओवर में 32 रन देकर 2 विकेट लिए।

ब्राजील के खिलाफ मैच से पहले विश्वकप खेलने वाली इस टीम से होगा भारत का सामना

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राजील के खिलाफ मुकाबले से पहले भारतीय फुटबॉल टीम 26 सितंबर को 2026 फीफा विश्व कप में खेल चुकी पनामा से भिड़ेगी। पनामा फीफा रैंकिंग में 44वें स्थान पर है। यह मुकाबला खालिद जमील की टीम के लिए बड़ी चुनौती होने के साथ ब्राजील और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी मुकाबलों की तैयारी का अहम मौका होगा। भारतीय फुटबॉल टीम को ब्राजील के खिलाफ बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले एक और बड़ी चुनौती मिल गई है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मंगलवार को बताया कि भारत 26 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में पनामा की मेजबानी करेगा।

हालांकि, मैच किस मैदान पर खेला जाएगा, इसकी घोषणा बाद में की जाएगी। इस मुकाबले की सबसे बड़ी खासियत यह है कि पनामा 2026 फीफा विश्व कप में हिस्सा ले चुका है। ऐसे में ब्राजील से भिड़ने से ठीक पहले भारतीय टीम को एक और विश्व कप टीम के खिलाफ खुद को परखने का मौका मिलेगा।

फीफा रैंकिंग में 44वें नंबर पर है पनामा – पनामा इस समय फीफा की ताजा रैंकिंग में 44वें स्थान पर है। यानी वह दुनिया की शीर्ष-50 टीमों में शामिल है। भारतीय टीम के लिए यह मुकाबला इसलिए भी अहम होगा क्योंकि खालिद जमील की टीम को मजबूत अंतरराष्ट्रीय विपक्ष के खिलाफ अपनी तैयारी और स्तर को परखने का मौका मिलेगा।

विश्व कप टीमों के खिलाफ लगातार मुकाबले

पनामा के खिलाफ मुकाबला भारत के लिए विश्व कप में खेलने वाली टीमों के खिलाफ प्रस्तावित चार मैचों की शुरुआत करेगा। इसके बाद भारतीय टीम 3 अक्टूबर को ब्राजील से भिड़ेगी। नवंबर में भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ भी दो मुकाबले खेलने हैं। दोनों टीमें 12 और 15 नवंबर को आमने-सामने होंगी। इस तरह भारतीय टीम को इस अवधि में उन टीमों के खिलाफ खेलने का शानदार मौका मिलेगा, जो 2026 विश्व कप का हिस्सा रही हैं।

बीबीएल में ड्राफ्ट सिस्टम खत्म, अब खिलाड़ियों को होगा और फायदा

सिडनी, एजेंसी। बिग बैश लीग (बीबीएल) अनुबंध से जुड़ी रोक गुरुवार से हटने के बाद इस टूर्नामेंट में खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई और विदेशी खिलाड़ियों को अधिक राशि मिलेगी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन के साथ महीनों की बातचीत और क्लबों से मिले फीडबैक के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने आखिरकार डब्ल्यूबीबीएल सीजन शुरू होने से छह सप्ताह पहले अनुबंध से जुड़े नए नियम घोषित कर दिए। नए नियमों के तहत विदेशी खिलाड़ियों के लिए ड्राफ्टा व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है और बड़े घरेलू खिलाड़ियों को ज्यादा पैसे देने के मकसद से जरूरी बड़े घरेलू खिलाड़ियों की संख्या कम कर दी गई है। क्लबों को विदेशी खिलाड़ियों को साइन न करने का विकल्प भी दिया गया है। यह रोक गुरुवार सुबह नौ बजे हट जाएगी और इससे बेन स्टोक्स और फिन एलन जैसे खिलाड़ियों के लिए बीबीएल क्लबों के साथ सीधे रिकॉर्ड अनुबंध साइन करने का रास्ता खुल जाएगा। साथ ही मेलबर्न रेनेगेड्स छोड़ने के बाद ऑस्ट्रेलिया के लेग-स्पिनर एडम जम्पा को भी आखिरकार कोई क्लब मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया के टी-20 विकेटकीपर जॉश इंग्लिश को भी सैद्धांतिक रूप से फायदा हो सकता है, क्योंकि पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ उनका अनुबंध समाप्त हो गया है, हालांकि, टेस्ट ड्यूटी की वजह से हो सकता है कि वह आने वाले बीबीएल के किसी भी हिस्से के लिए उपलब्ध न हों, जिससे आने वाले सीजन के लिए बड़ा कॉन्ट्रैक्ट पाने की उनकी संभावना बेहद कम हो जाती है। ऑस्ट्रेलिया के कई बड़े बीबीएल खिलाड़ी और कई क्लब लंबे समय से विदेशी खिलाड़ियों के लिए बने 'ड्राफ्ट' सिस्टम से परेशान थे। इस सिस्टम की वजह से कई बार कम मशहूर विदेशी खिलाड़ियों को ड्राफ्ट के नियमों के कारण सबसे अच्छे लोकल खिलाड़ियों से कहीं ज्यादा पैसे मिल जाते थे। डब्ल्यूबीबीएल में भी यही नियम लागू होंगे। विदेशी खिलाड़ियों के लिए कोई न्यूनतम संख्या तय नहीं होगी, 15 खिलाड़ियों की टीम में तीन 'मार्की' खिलाड़ी होंगे जिनका वेतन अधिक होगा। बीबीएल के बॉस एलिस्टर डॉब्सन ने बताया, 'खिलाड़ियों का बाजार लगातार बदल रहा है और बीबीएल और डब्ल्यूबीबीएल जरूरत के हिसाब से बदलाव करने के लिए हमेशा तैयार रहे हैं। क्लबों के पास अलग-अलग खिलाड़ियों की वैल्यू और उनके घरेलू या विदेशी होने के आधार पर अपना आकलन करने की आजादी होना जरूरी है, और आखिरकार बात यही है कि क्लबों को अपनी टीम को लेकर आजादी मिले। इसके बावजूद हमें उम्मीद है कि हमारी लीग में बेहतरीन विदेशी खिलाड़ी आएंगे क्योंकि वे हर टीम के लिए अहम भूमिका निभाएंगे।

न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है: रोजर फेडरर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर का आर्थर ऐश स्टेडियम में एक यादगार एग्जिबिशन नाइट के दौरान हीरो जैसा स्वागत किया गया। दुनिया के सबसे बड़े टेनिस स्टेडियम में घुसते ही तालियों से स्वागत किया गया। इस अवसर पर 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने कहा कि न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। फेडरर ने कहा, 'न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह अविश्वसनीय है। मेरे पास इस कोर्ट, यहां के फैंस, शहर की अविश्वसनीय यादें हैं। 2004, 2005 में – यहीं से सब कुछ शुरू हुआ, यहां की जीतों के साथ न्यूयॉर्क के लिए मेरा प्यार। ' फेडरर ने कहा, 'मुझे पहले दिन से ही इस शहर और इस कोर्ट से प्यार हो गया था। ' पूर्व खिलाड़ी ने 2004-2008 तक लगातार पांच यूएस ओपन जीते और टूर्नामेंट और शहर के साथ अपने खास कनेक्शन के बारे में बात की।

स्विस खिलाड़ी ने आर्थर ऐश स्टेडियम के सेंटर कोर्ट पर अपनी पहली मौजूदगी को याद किया, जो 2001 में अगासी के खिलाफ थी। फेडरर वह मुकाबला सीधे सेटों में हार गए थे। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि सेंटर कोर्ट पर मेरा पहला मुकाबला आंद्रे के खिलाफ 2001 में था। उन्होंने मुझे 6-1, 6-2, 6-4 से हराया। मेरे पास कोई शॉट नहीं था। मैं ऐसा था, 'ठीक है, इतना आसान नहीं है, इतना तेज नहीं है, रोजर'। स्टेडियम के वीडियो बोर्ड पर एक्टर मैथ्यू मैककोनाघी का नैरेट किया हुआ एक हाइप वीडियो दिखाया गया, और फैशन आइकन एना विंटोर ने रॉडिक के खिलाफ फेडरर के एकल मैच से पहले सिक्का उछाला। सेरेना विलियम्स, फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे, कैस्पर रूड और एलेक्जेंड्रा एला समेत कई मौजूदा और पुराने टेनिस स्टार भी मौजूद थे। फेडरर की यूएस ओपन में वापसी उनके पोस्ट-प्लेइंग करियर में एक और बड़ी उपलब्धि से कुछ दिन पहले हुई है। इस महीने की शुरुआत में अपना 45वां जन्मदिन मनाने वाले स्विस खिलाड़ी को शनिवार, 29 अगस्त को इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया जाएगा। आंद्रे अगासी ने कहा, 'यह कितना कूल है कि यह बंदा इस साल हॉल ऑफ फेम में जा रहा है? बहुत बढ़िया, रोजर। मैं बहुत उत्साहित हूं। मुझे कहना होगा – मुझे लगता है कि मैं पहला इंसान था जिसे पता चला कि वह हॉल ऑफ फेम में जाने वाला है। जब उसने अपना 19वां स्लैम जीता, तो मुझे लगा, 'हां, वह कर सकता है'। उन्होंने कहा, 'मुझे लगा कि 20वां गैर-जरूरी (हंसते हुए) था। फिर भी, मैं सच में बहुत उत्साहित हूं क्योंकि इससे बाकी सभी लोग जो मुश्किल से अंदर जाने का तरीका ढूंढ पाए हैं, अपने बारे में बहुत बेहतर महसूस करते हैं। रॉडिक ने भी फेडरर के साथ अपनी दोस्ती को याद करते हुए कहा, 'हमने बहुत खेला और उसने मुझे बहुत हराया। लेकिन हम हमेशा अपने करियर के बीच में दोस्ती बनाए रखने में कामयाब रहे और यह अब तक चली है और उम्मीद है कि हमेशा रहेगी। फेडरर ने 2022 में पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लिया था। आखिरी बार फेडरर ने 2019 में यूएस ओपन खेला था।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब में चार युवाओं को मिली सरकारी नौकरी, कैबिनेट मंत्री गुरमीत खुड्डियां ने सौंपे नियुक्ति पत्र

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के पशुपालन, डेयरी विकास एवं मत्स्य पालन मंत्री गुरमीत सिंह

खुड्डियां ने मंगलवार को पंजाब सिविल सचिवालय में विभाग के चार नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इनमें तीन क्लर्क और एक ग्रुप-डी कर्मचारी शामिल हैं। मंत्री खुड्डियां ने नवनियुक्त कर्मचारियों को लगन, ईमानदारी और सेवा भावना के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाने के लिए प्रेरित किया। खुड्डियां ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने सत्ता संभालने के बाद से विभिन्न सरकारी विभागों में 69,000 से अधिक नौकरियां प्रदान की हैं। इस अवसर पर पशुपालन विभाग के निदेशक परमदीप सिंह वालिया सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। वहीं, इससे पहले पंजाब के होनहार कबड्डी खिलाड़ी गुरजीत सिंह तूत के निधन से परिवार को हुए दुख में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने उनके परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की थी। मुख्यमंत्री ने गुरजीत सिंह तूत के परिवार के साथ दुख साझा करते हुए कहा कि उनके असमय निधन से पैदा हुई कमी को शब्दों में बयां करना बेहद मुश्किल है। मुख्यमंत्री ने गुरजीत सिंह तूत की पत्नी को सरकारी नौकरी देने का भी एलान किया था। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार परिवार के साथ खड़ी है और हर संभव सहयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने गुरजीत तूत की खेल प्रतिभा और पंजाब के लिए उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका नाम और योगदान लोगों के दिलों में हमेशा जिंदा रहेगा।

व्यापमं परीक्षा में फर्जी निर्देश पत्र की जांच में वसूली का मामला, ट्रेनी एसआई निलंबित

रायपुर, एजेंसी। व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) द्वारा आयोजित सहायक शिक्षक और व्याख्याता भर्ती परीक्षा-2026 से जुड़े फर्जी

निर्देश पत्र की जांच के दौरान अवैध वसूली के आरोप में ट्रेनी सब-इंस्पेक्टर (एसआई) महेश कुमार ओगरे को निलंबित कर दिया गया है। यह मामला नवा रायपुर के राखी थाने में दर्ज किया गया है। जांच के दौरान एक व्यक्ति से कथित तौर पर एक लाख रुपये मांगने और 80 हजार रुपये लेने की शिकायत मिली थी। जानकारी के अनुसार, व्यापमं परीक्षा संबंधित फर्जी निर्देश पत्र एक कोचिंग संचालक के वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से प्रसारित हुआ था। पुलिस ने ग्रुप से जुड़े लोगों से पूछताछ शुरू की। आरोप है कि संबंधित व्यक्ति को थाने बुलाकर मामले को रफा-दफा करने के नाम पर एक लाख रुपये की मांग की गई और बाद में 80 हजार रुपये ले लिए गए। जब संबंधित व्यक्ति को पता चला कि उसकी इस मामले में कोई भूमिका नहीं है, तो उसने पुलिस के उच्च अधिकारियों से शिकायत की। जांच में पाया गया कि ट्रेनी एसआइ ने पुलिस विभाग की निष्पक्ष कार्यप्रणाली का उल्लंघन किया और पद का अनुचित उपयोग किया। इस मामले में महेश कुमार ओगरे को निलंबित कर दिया गया है। फर्जी व्यापमं निर्देश को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने के मामले में पुलिस की जांच आठ माह से जारी है।

अब आधिकारिक तौर पर केरल हो गया केरलम, केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केरल के नए नाम के तौर पर केरलम को अधिसूचित किया है और यह बदलाव मंगलवार से लागू हो गया है। मंगलवार को जारी एक गजट नोटिफिकेशन में गृह मंत्रालय ने कहा, केरल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2026 की धारा 1 की उप-धारा (2) के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए केंद्र सरकार 25 अगस्त, 2026 को वह तारीख तय करती है जब उक्त अधिनियम के प्रावधान लागू होंगे। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केरल का नाम बदलकर केरलम करने वाले बिल को मंजूरी दे दी थी जिसके बाद यह कानून बन गया। लोकसभा ने 11 अगस्त को केरल (नाम परिवर्तन) बिल पास किया था और उसके बाद राज्यसभा ने 12 अगस्त को इसे मंजूरी दी। राज्यसभा में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय

ने कहा कि केरल विधानसभा ने 2024 में एक प्रस्ताव पास किया था जिसमें केंद्र से राज्य का नाम बदलकर केरलम करने के लिए कानून लाने का आग्रह किया गया था। उन्होंने कहा, बिल में यह प्रावधान है कि केरल राज्य को केरलम राज्य के नाम से जाना जाएगा और इसलिए केरल का नाम बदलकर केरलम करने का प्रस्ताव है।

विधानसभा ने सर्वसम्मति से पास किया था प्रस्ताव

केरल सरकार ने प्रस्तावित नाम परिवर्तन पर राज्य विधानसभा का प्रस्ताव जून 2024 में केंद्र को भेजा था। इसके बाद राष्ट्रपति मुर्मू ने बिल को राज्य विधानसभा के पास उसकी राय जानने के लिए भेजा, जिसके बाद विधानसभा ने सर्वसम्मति से बिल से सहमत होते हुए एक प्रस्ताव पास किया।

हैदराबाद से विजयवाड़ा जा रही बस की ट्रक से टक्कर, 6 की मौत; 43 लोग थे सवार

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले में आज सुबह करीब 5 बजकर 20 मिनट पर एक बड़ा हादसा हो गया। एक प्राइवेट ट्रैवल बस की ट्रक से टक्कर हो गई। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है। यह बस हैदराबाद से विजयवाड़ा जा रही थी। बस में 43 यात्री सवार थे। इस हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं, उन्हें स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। समाचार एजेंसी एएनआइ को सूर्यापेट पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, एक प्राइवेट ट्रैवल बस हैदराबाद से विजयवाड़ा जा रही थी। बस में 43 यात्री सवार थे, लेकिन अचानक ही दुर्गापुरम स्टेज के पास बस की ट्रक हो गई। इस हादसे में अब तक 6 लोगों की मौत की खबर सामने आई है। वहीं घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूर्यापेट पुलिस ने बताया, हमने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए मुर्दाघर भेज दिया है और मामले की जांच कर रहे हैं। इस हादसे की जानकारी सामने आते ही तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सूर्यापेट जिले में हुई सड़क दुर्घटना पर दुख जताया है। तेलंगाना ष्ट्स्ल्ह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा, कोडद मंडल के द्वारकुंटा के पास एक प्राइवेट बस और कंटेनर की टक्कर हो गई। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को घायलों के बेहतर इलाज के लिए जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया है।

अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में देरी के चलते दोगुना हुआ बजट

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन की शुरुआत अब कुछ ही महीनों में होने वाली है। इस प्रोजेक्ट के 2030 में पूरा होने की उम्मीद है, लेकिन कॉरिडोर के पहले हिस्से को अगस्त 2027 में चालू करने की योजना है। अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन की शुरुआती लागत का अनुमान 1.1 लाख करोड़ रुपये लगाया गया था। वहीं अब इसे संशोधित करके करीब 2.1 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 508 किलोमीटर लंबी हाई-स्पीड रेल लाइन की संशोधित लागत को मंजूरी दिलाने का प्रस्ताव मंगलवार, 25 अगस्त को कैबिनेट के सामने रखा गया था। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के फैसलों पर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, रेल मंत्रालय ने इस लागत के बढ़ने का मुख्य कारण महाराष्ट्र में जमीन अधिग्रहण में लगा समय और जापान से ट्रेन सेट मिलने में हुई देरी बताई है। देखा जाए तो अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन की अनुमानित लागत करीब दोगुनी हो गई है। 1.1 लाख करोड़ रुपये से 2.1 लाख करोड़ रुपये हो जाने से रेल मंत्रालय को अतिरिक्त फंड की जरूरत है। सूत्रों के मुताबिक, यह अतिरिक्त फंड

बजट से दिया जा सकता है। इस प्रोजेक्ट के लिए अब तक 1.1 लाख करोड़ रुपये की फंडिंग जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी और बजट आवंटन से हुई है। उन्होंने कहा कि रेलवे ने बताया है कि हाई-स्पीड ट्रेनें भारत में बनाई जाएंगी और हर ट्रेन की लागत लगभग 390 करोड़ रुपये से 400 करोड़ रुपये होगी। जनवरी में, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने कहा था कि प्रोजेक्ट की लागत लगभग 83 प्रतिशत बढ़कर 1.98 लाख करोड़ रुपये हो गई है। जमीन अधिग्रहण में देरी, जरूरी मंजूरियां मिलने में देरी और ट्रेनों को अंतिम रूप देने में देरी समेत कई कारणों से इस प्रोजेक्ट में समय और लागत दोनों बढ़े हैं।

उत्तराखंड की नई सहकारी नीति को कैबिनेट की हरी झंडी, गांवों और युवाओं के लिए बेहद खास

देहरादून, एजेंसी। राष्ट्रीय सहकारी नीति के अनुरूप उत्तराखंड की नई सहकारी नीति को कैबिनेट ने हरी झंडी दे दी है। सहकार से समृद्धि के दृष्टिगत नीति में सहकारिता आधारित ग्रामीण विकास, उद्यमिता, रोजगार सृजन व आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया है। वर्ष 2036 तक तीन चरणों में लागू होने वाली यह नीति सात रणनीतिक स्तंभों पर केंद्रित है। इनमें सहकारिता की बुनियाद को मजबूती, संस्थाओं की जीवंतता, भविष्य के लिए तैयारी, समावेशिता, नए क्षेत्रों में विस्तार, युवाओं को जोड़ना, आर्थिक व्यवहार्यता और विविधीकरण शामिल हैं।

नीति के तहत पेक्स को बहुद्देशीय ग्रामीण आर्थिक केंद्र बनाया जाएगा। इनके माध्यम से कृषि, उद्यान, डेयरी, बागवानी, मत्स्य, भंडारण, कोल्ड-चेन, प्राथमिक प्रसंस्करण, कृषि यंत्र किराया, बीमा, पेंशन और डिजिटल बैंकिंग जैसी सेवाएं सहकारी नेटवर्क से जोड़ी जाएंगी। साथ ही हिमालयी उत्पादों के प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन के लिए क्लस्टर माडल को बढ़ावा मिलेगा। महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने को महिला सहकारी समितियों, सहकारी स्टार्टअप, इंटर्नशिप, कौशल विकास और उद्यमिता को प्रोत्साहन पर जोर दिया गया है। पर्यटन, होमस्टे, ईको टूरिज्म, आयुष, सौर ऊर्जा, जैविक खेती, कार्बन क्रेडिट, वन उत्पाद, स्वास्थ्य, ड्रोन, एआई, हस्तशिल्प और परिवहन में भी सहकारी माडल विकसित होंगे।

सहकार टैक्सी को बढ़ावा दिया जाएगा। पलायन रोकथाम को वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम को सहकारिता से जोड़ा जाएगा। हब एंड स्पोक माडल से दुर्गम क्षेत्रों में सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी। साथ ही कागजरहित कार्यप्रणाली, रियल-टाइम लेखांकन, डिजिटल बैंकिंग, क्लाउड सीबीएस और डिजिटल डैशबोर्ड आधारित निगरानी को बढ़ावा मिलेगा। सहकारिता मंत्री डा. धन सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखंड अपने विशिष्ट हिमालयी सहकारिता माडल की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उत्तराखंड बीज एवं तराई विकास निगम लि. (टीडीसी) में कार्यरत तृतीय श्रेणी के 22 व चतुर्थ श्रेणी के 63 कार्मिकों को नैनीताल व ऊधम सिंह नगर जिलों में अन्य विभागों में सेवा स्थानांतरण के आधार पर भेजा जा सकेगा। कैबिनेट ने कृषि विभाग के इस प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। इससे टीडीसी को प्रतिवर्ष हो रहे घाटे को रोकने में मदद मिलेगी। असल में टीडीसी में इन कार्मिकों की उपयोगिता सीजनल होती है। अन्य विभागों में इन्हें अधिकतम 10 वर्ष अथवा सेवानिवृत्ति से तीन माह पहले तक के लिए भेजा जाएगा। इस अवधि में संबंधित विभाग ही उनका वेतन देंगे, लेकिन सेवानिवृत्ति लाभ टीडीसी ही देगा। कोटद्वार, चंपावत, टनकपुर, किच्छा, पिथौरागढ़, रुद्रपुर, काशीपुर, सितागंज नगर निकायों में एडीबी, ईआईबी से वित्त पोषित पेयजल व सीवेज और ऋषिकेश में जर्मन बैंक केएफडब्लू से वित्त पोषित सड़क, सीवेज, स्ट्रीट लाइट, सार्वजनिक परिवहन, पेयजल, घाटों का सुंदरीकरण जैसे कार्यों में अब तेजी आएगी। कैबिनेट ने इनके सुचारू संचालन के लिए उत्तराखंड अर्बन सेक्टर डेवपलमेंट एजेंसी (यूयूएसडीए) में 94 स्थायी (निस्संवर्गीय) पदों के सृजन को मंजूरी दी है।

स्टार्टअप से यूनिकॉर्न तकः टोक्यो में पीयूष गोयल ने गिनाई भारत की कामयाबी, बोले- युवा अब नौकरी ले नहीं, दे रहे

मास्को एजेंसी। जापान के टोक्यो में स्टार्टअप्स के साथ एक राउंडटेबल बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। उन्होंने कहा कि 'स्टार्टअप इंडिया' पहल को शुरू हुए अब 10 साल हो चुके हैं और इस दौरान देश में स्टार्टअप्स की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। दस साल पहले जहां इनकी संख्या महज 400-500 के आसपास थी, वहीं आज यह आंकड़ा करीब 2,50,000 तक पहुंच गया है। भारत में 130 से अधिक यूनिकॉर्न हैं और करीब आधे नए स्टार्टअप छोटे शहरों से सामने आ रहे हैं। गोयल ने भारत से जापान पहुंचे 200 से अधिक कारोबारियों के प्रतिनिधिमंडल को भी दोनों देशों के कारोबारी रिश्तों के लिए अहम बताया।

गोयल ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा इसके साथ ही युवाओं की सोच में भी बड़ा बदलाव आया है। आज भारत का युवा सिर्फ नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बन रहा है। वह इनोवेटर है, विचारक है और नए विचारों के साथ आगे बढ़ रहा है। वह असफलता से घबराने के बजाय उसे सफलता की सीढ़ी बनाने के लिए तैयार है। वह असफल होने के बाद फिर उठकर बेहतर अवसर की तलाश करने का हौसला रखता है और जोखिम लेने से भी पीछे नहीं हटता। युवा अच्छे करियर और मोटी सैलरी का जोखिम उठाकर अपना उद्यम शुरू करने के लिए तैयार हैं और इनमें से कई कामयाबी की नई मिसाल बनकर उभरे हैं। गोयल ने कहा कि भारत में 130 से अधिक यूनिकॉर्न और कई सौ 'सूनिकॉर्न' हैं। ये युवा अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ अलग तरीके से सोचने और नए रास्ते तलाशने की क्षमता से भी देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। पीयूष गोयल ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और आज उद्यमिता केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गई है। उन्होंने कहा कि भारत में शुरू होने वाले नए स्टार्टअप्स में करीब आधे छोटे शहरों से आ रहे हैं। यह बदलाव देश के बदलते कारोबारी माहौल और युवाओं में बढ़ती उद्यमशीलता को दर्शाता है। गोयल ने कहा कि छोटे शहरों से आने वाले इन उद्यमियों पर भारत को गर्व है।गोयल ने भारत और जापान के बीच स्टार्टअप्स के लिए लोकप्रिय कार्यक्रम 'शार्क टैंक' की तर्ज पर एक विशेष प्रस्तुति श्रृंखला शुरू करने का प्रस्ताव रखा। इसका उद्देश्य दोनों देशों के युवा स्टार्टअप्स को निवेशकों और संभावित कारोबारी साझेदारों से जोड़ना है। टोक्यो में स्टार्टअप्स को लेकर आयोजित एक गोलमेज बैठक में गोयल ने कहा कि डिजिटल संपर्क का लाभ उठाते हुए इन प्रस्तुतियों का आयोजन ऑनलाइन भी किया जा सकता है, जिससे भारतीय और जापानी स्टार्टअप्स के बीच बातचीत और सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे। पीयूष गोयल ने कहा, भारत और जापान मिलकर 'शार्क टैंक' जैसी एक प्रस्तुति श्रृंखला विकसित कर सकते हैं, जिससे युवा स्टार्टअप्स को अपने विचार पेश करने का मौका मिलेगा।भारतीय स्टार्टअप्स जापानी निवेशकों के सामने अपने विचार और कारोबारी योजनाएं रख सकते हैं, जबकि जापानी स्टार्टअप्स भारत में अपने लिए साझेदार और कारोबारी अवसर तलाश सकते हैं। गोयल ने कहा कि आज इंटरनेट और वीडियो बैठक जैसे माध्यमों के जरिए दुनिया पहले से कहीं अधिक जुड़ी हुई है। ऐसे में भारत और जापान के स्टार्टअप्स के बीच लगातार प्रस्तुति सत्र आयोजित किए जा सकते हैं। इंटरनेट और वीडियो बैठकों के जरिए दुनिया के इस वैश्विक जुड़ाव के दौर में हम अधिक से अधिक प्रस्तुति सत्र आयोजित कर सकते हैं, जहां भारतीय स्टार्टअप्स जापानी निवेश के लिए अपने विचार पेश करें और जापानी स्टार्टअप्स भारत में साझेदार तलाशें।

मैडिसन स[ायर गार्डन में संबोधन; मोहन भागवत के तीन देशों के दौरे पर टिकी नजरें

अल्बानी, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत मंगलवार को न्यूयॉर्क पहुंचे। यह उनके तीन देशों अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के ग्लोबल आउटरीच दौरे का पहला चरण है। संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत स्थानीय संगठनों के निमंत्रण पर हो रहे इस दौरे के दौरान भागवत भारतीय समुदाय के लोगों के साथ-साथ स्थानीय संगठनों के प्रतिनिधियों से भी संवाद करेंगे। न्यूयॉर्क पहुंचने पर उनका पारंपरिक तरीके से तिलक लगाकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। 'सार्वभौमिक एकता समारोह' को संबोधित करेंगे। यह एक बड़े और विविध समुदाय की भागीदारी वाला कार्यक्रम होगा, जिसका आयोजन 'अमेरिकन हिंदूज़ फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग' फोरम की ओर से किया जा रहा है। भागवत के इस संबोधन को लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी दिलचस्पी देखी जा रही है। यह आयोजन एकता, नागरिक कर्तव्य और वैश्विक सद्भाव जैसे आधुनिक विचारों के साथ हिंदू त्योहार रक्षाबंधन की पारंपरिक भावना को जोड़ते हुए मनाया जाएगा।आयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम में दिन की थीम के अनुरूप विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा अलग-अलग धर्मों के प्रमुख वक्ता भी समारोह में शामिल होंगे और एकता तथा वैश्विक सद्भाव का संदेश देंगे। इससे पहले के प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए बताया था कि मोहन भागवत 25 अगस्त 2026 से अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के दौरे पर रहेंगे। यह यात्रा इन देशों में सक्रिय स्थानीय संघ इकाइयों और विभिन्न संगठनों के निमंत्रण पर आयोजित की जा रही है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 25 अगस्त 2026 से अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम का दौरा करेंगे। यह दौरा वहां के स्थानीय संघों और संगठनों के निमंत्रण पर हो रहा है। यह यात्रा के चल रहे शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित की जा रही है। भागवत के अमेरिका पहुंचने से पहले को लेकर अमेरिकी संस्था 'यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम' की हालिया टिप्पणियों पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। मंत्रालय ने पक्षपाती संस्था बताते हुए उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि ने पिछले कई वर्षों में भारत के बारे में बार-बार गलत और भड़काऊ बयान दिए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी संस्थाओं के बयानों को नजरअंदाज किया जाना चाहिए, क्योंकि उनके अपने एजेंडे होते हैं और उनकी कोई विश्वसनीयता नहीं है। जायसवाल ने कहा, हम सभी जानते हैं कि यह एक पक्षपाती संस्था है।

रूस में गैस प्लांट में भीषण आग लगने से 6 चीनी नागरिकों समेत 7 लोगों की मौत

मॉस्क, एजेंसी। रूस के सुदूर पूर्वी अमूर इलाके में एक गैस केमिकल कॉम्प्लेक्स में भयानक आग लग गई। इस हादसे में छह चीनी नागरिकों समेत सात लोगों की मौत हो गई है। वहीं नौ लोग लापता हैं।

प्लांट ने बुधवार को टेलीग्राम पर जानकारी दी कि अमूर गैस केमिकल कॉम्प्लेक्स में मंगलवार को आग लगी थी, जिसे बुझा दिया गया है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, प्लांट ने बताया कि कुल 7 लोगों की मौत हुई और 152 लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। इनमें से 36 लोगों को अस्पताल ले जाया गया।

रूस की इन्वेस्टिगेटिव कमेटी ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। इस घटना को इंडस्ट्रियल सेफ्टी नियमों के उल्लंघन के तौर पर देखा जा रहा है। जांच समिति आग लगने के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

रूस के इस गैस प्लांट के निर्माण कार्य में विदेशी कर्मचारियों की मदद ली गई थी, जिनमें चीन के कई नागरिक शामिल थे। ऐसा देखा जाता है कि रूस हमेशा ही बड़े इंडस्ट्रियल और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए विदेशी कर्मचारियों को ही काम पर रखता है।

अमूर गैस केमिकल कॉम्प्लेक्स पॉलीइथिलीन और पॉलीप्रोपाइलीन बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक माना जाता है। इस प्लांट से हर साल करीब 23 लाख मीट्रिक टन पॉलीइथिलीन और 4 लाख टन पॉलीप्रोपाइलीन का उत्पादन होता है।

यह प्रोजेक्ट रूस के सुदूर पूर्वी अमूर इलाके में सिबुर और सिनोपेक के सहयोग से विकसित किया जा

रहा है। रूस की जांच समिति के आने के बाद ही गैस प्लांट में आग लगने के कारणों का पता चल पाएगा।

टेक्सास के जंगल में भयंकर आग ने मचाई तबाही, चंद घंटों में राख हुआ 200 वर्ग किमी इलाकाः टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में जंगल की एक आग कुछ ही घंटों में तेजी से फैल गई और उसने ग्रामीण इलाकों में बड़े भूभाग को अपनी चपेट में ले लिया। आग से एक यूथ कैंप में कई ढांचे जल गए जबकि लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए निकासी अभियान चलाना पड़ा और मंगलवार को स्कूल भी बंद कर दिए गए।

सोमवार दोपहर शुरू हुई इस आग ने एक दिन से भी कम समय में उत्तर-मध्य टेक्सास के दो काउंटी में 200 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। तेज हवाओं और बेहद गर्म एवं शुष्क मौसम के कारण रॉस इलाके में लगी आग तेजी से फैलती गई। ग्राफोर्ड के बाहर एक परिवार के डोंगी किराये पर देने संबंधी कारोबार का कार्यालय और मरम्मत केंद्र आग में जल गया। कार्यालय की प्रमुख कैटी रोशेल ने कहा, यह बहुत तेजी से फैल गई। हवा बवंडर की तरह थी। स्थानीय दमकलकर्मी उनके पति ने रातभर प्रयास कर उनके घर को आग से बचाने में मदद की, लेकिन रोशेल को अब भी डर है कि उनका घर कभी भी आग की चपेट में आ सकता है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि हमारा घर कैसे बच गया।

अब हम इंतजार कर रहे हैं और प्रार्थना कर रहे हैं कि आग हमारे घर तक न पहुंचे। हम बस इतना ही कर सकते हैं। तत्काल यह पता नहीं चल सका कि आग से कितने ढांचे जले हैं। आग के दक्षिणी छोर पर स्थित वर्थ रैंच नामक यूथ कैंप की कई इमारतें मंगलवार को आग की लपटों की चपेट में आकर नष्ट हो गईं।

हालांकि, उस समय शिविर में कोई भी व्यक्ति मौजूद नहीं था और सभी कर्मचारियों को सुरक्षित निकाल लिया गया था। इस शिविर का स्वामित्व स्काउटिंग अमेरिका की लॉन्गहॉर्न काउंसिल के पास है। पैलो पिंटो काउंटी के आपात सेवा अधिकारियों ने कहा कि आग बेहद खतरनाक परिस्थितियों के कारण किसी की कल्पना से भी कहीं अधिक तेजी से फैली। दमकल प्रमुख डैनी वाटकिंस ने कहा, हमने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है लेकिन फिर भी आग पर हमारा असर बहुत कम हो रहा है। मंगलवार शाम तक केवल आठ प्रतिशत आग पर काबू पाया जा सका था। अमेरिका के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों में बेहद शुष्क मौसम के बीच पिछले कुछ दिनों में कई जगह जंगलों में आग लगी है। राष्ट्रीय अंतर-एजेंसी अग्निशमन केंद्र के अनुसार अकेले रविवार को 12 नई बड़ी आग की घटनाएं सामने आईं।

यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति ने दी बधाई, जेलेंस्की हुए खुश

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के 35वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भारत की राष्टपति द्रौपदी मुर्मू ने यूक्रेन लोगों को बधाई संदेश भेजा। इस संदेश के जवाब में यूक्रेन के राष्टपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्टपति मुर्मू और भारत का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, 'भारत की राष्टपति से यूक्रेन के लोगों के लिए बधाई संदेश मिला। मुझे बहुत खुशी हुई। शांति की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। रूस के युद्ध का सम्मानजनक अंत लाखों यूक्रेनवासियों का सबसे प्रिय सपना है, क्योंकि हम अपनी स्वतंत्रता की बहाली की 35वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। यह अहम है कि पूरा विश्व मिलकर इस दिशा में रास्ता बनाने में मदद करे। मैं भारत के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी संवाद को आगे बढ़ाने के लिए यूक्रेन की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करता हूं। अभी रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर क्या हालात रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में शनिवार को फिर बड़े हमले हुए। यूक्रेन में रूसी ड्रोन और मिसाइल हमलों में कम से कम सात लोगों की मौत हुई, जबकि रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में यूक्रेनी ड्रोन हमले में तीन लोगों की जान चली गई। ये हमले एक दिन बाद हुए हैं, जब रूस के ड्रोन हमले में यूक्रेन के एक शॉपिंग सेंटर में कम से कम 16 लोगों की मौत हुई थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,